@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 14 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 34 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रयागराज में पीएम मोदी ने साधू संतों से की मुलाकात, संगम में किया पूजन

सिम्मी कौर बब्बर

प्रयागराज । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को प्रयागराज पहुंच गए हैं। उनका काफिला एयरपोर्ट पहुंचा। इसके बाद यहां से वह सीधे अरैल घाट के लिए रवाना हुए। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी मौजूद रहे। उन्होंने संतों से मुलाकात की है। संगम पर उन्होंने गंगा की पूजा भी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संगम नोज पर पहुंच गए हैं। साधु और संत उनका स्वागत कर रहे हैं। कुछ देर में वह गंगा पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रिवर क्रूज (निषादराज क्रूज) पर सवार हो गए हैं। वह अरैल से संगम की ओर पहुंचे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। जीटी जवाहर चौराहे से लेकर संगम तट पर स्थित पंडाल तक लोगों की भीड़ है। बड़े वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयाग आने से पहले सोशल मीडिया के माध्यम से लिखा कि आस्था के महाकुंभ को दिव्य-भव्य बनाने के साथ ही श्रद्धालुओं को हर सुविधा देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसी कड़ी में आज प्रयागराज में दर्शन-पूजन के बाद महाकुंभ से जुड़े विकास कार्यों का जायजा लूंगा। इस दौरान कई प्रोजेक्ट्स के लोकार्पण का भी सौभाग्य मिलेगा। पीएम इस मौके पर महाकुंभ की 5,500 करोड़ की 167 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण भी करेंगे। इसमें अक्षयवट, हनुमान मंदिर, सरस्वती कूप, भरद्वाज आश्रम और श्रृंगवेरपुर धाम कॉरिडोर का लोकार्पण भी शामिल है।

कॉरिडोर तथा 29 मंदिरों के जीर्णोद्धार के साथ पुल, ओवर ब्रिज, सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा रेलवे, एयरपोर्ट व एनएचएआई की परियोजनाओं का वह उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनाओं से महाकुंभ के आयोजन की दिव्यता व भव्यता बढ़ेगी तो प्रयागराज के विकास को भी गति मिलेगी। वह कुंभ सहायक एआई चैटबॉट भी लांच करेंगे।

सभापति के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर उच्च सदन में हंगामा, कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली। सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर शुक्रवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर हंगामा किया । शोर गुल के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के नेता को समझाने का प्रयास किया और इस गतिरोध को खत्म करने के लिए उनसे अपील की। इसके बावजूद हंगामा नहीं थमा। नतीजतन, सभापति ने राज्य सभा की कार्यवाही सोमवार सुबह ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

शुक्रवार को राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होते ही सभापति ने शतरंज के खिलाड़ी डी गुकेश को विश्व चैंपियन बनने पर सदन और 140 करोड़ देशवासियों की तरफ से बधाई दी। उन्होंने कहा कि डी गुकेश ने विश्व पटल पर भारत का परचम लहराया है। उन्हें बहुत बहुत बधाई। इसके बाद सभापति ने संबंधित सदस्यों से आवश्यक दस्तावेज

सदन के पटल पर रखने को कहा। केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन ने सभा में लंबित विधेयक को लेकर अपना वक्तव्य रखा।

इसके बाद सभापति ने सदन में बताया कि उन्हें आज नियम 267 के तहत चार नोटिस प्राप्त हुए है। उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव पर सदस्य राममोहन अग्रवाल को बोलने का मौका दिया। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि नियमों के तहत इस तरह का प्रस्ताव सदन में 14 दिन के इंतजार के बाद रखा जाना चाहिए था। इस प्रस्ताव को रखने से पहले विपक्ष मीडिया में अपना वक्तव्य रखता है। यह नियमों का उल्लंघन है, इसलिए उन सबके खिलाफ विशेषाधिकार उल्लंघन का प्रस्ताव लाया जाना चाहिए। इस पर चर्चा के दौरान नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सदन में कांग्रेस पार्टी का अपमान किया जा रहा है। दोनों पक्षों की ओर से हंगामा जारी रहा। इसके बाद सभापति ने दोनों पक्षों से गतिरोध खत्म करने का अनुरोध करते हुए सभा की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सीएम योगी ने दिव्यांग होमगार्डों के आश्रितों की सुनी पुकार, भर्ती पर लगी रोक हटी

लखनऊ योगी सरकार ने स्थाई रूप दिव्यांग होमगार्डों के परिवारों की आर्थिक सुरक्षा सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक बार फिर अपने फैसलों से यह साबित किया है कि वह जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देती है। हाल ही में सरकार ने स्थायी रूप से दिव्यांग होमगार्डों के आश्रितों की नियुक्ति पर लगी रोक को हटाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। योगी सरकार के इस निर्णय से उन दिव्यांग हो चुके परिवारों में उम्मीद की किरण जागी है, जो लंबे समय से नियुक्ति के लिए गुहार लगा रहे थे।अपने सेवाकाल में स्थाई रूप से दिव्यांग हो चुके होमगार्डों के आश्रितों की नियुक्ति की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष

बनाने के लिए योगी सरकार ने एक स्पष्ट और बहुस्तरीय जांच प्रक्रिया का निर्धारण किया है। अब नियुक्ति के लिए जिलास्तर से लेकर डीजी होमगार्ड कार्यालय तक कई चरणों में जांच और सिफारिशें की जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के होमगार्ड विभाग ने आवेदन का सही और निष्पक्ष तरीके से परीक्षण के लिए नई व्यवस्था लागू की है। इसके लिए पात्र आश्रितों की जांच और नियुक्ति के लिए चार चरणों पर काम करेगा। इसके प्रथम चरण में आवेदन की जांच जिलास्तरीय सीएमओ समिति द्वारा की जाएगी। वहीं दूसरे चरण में जिलास्तरीय समिति द्वारा संस्तुति मिलने पर, जिला कमांडेंट इसे डीजी होमगार्ड के पास भेजेंगे। तृतीय चरण में मुख्यालय स्तर पर गठित समिति होगी जो चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे, सभी तथ्यों की गहन जांच करेगी।

फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन गिरफ्तार, थियेटर में भगदड़ में महिला की मौत का मामला

हैदराबाद। जाने-माने तेलुगु फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन को हैदराबाद पुलिस ने शुक्रवार को हिरासत में लिया है। 'पुष्पा 2' की रिलीज के मौके पर हैदराबाद के आरटीसी चौराहे पर संध्या थिएटर में भगदड़ मच गई थी, जिसमें रेवती नाम की महिला की मौत हो गई और उसका बेटा श्रीतेजा गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना के संबंध में दर्ज मामले में आरोपित के तौर पर अल्लू अर्जुन का भी नाम है। इसी मामले में पुलिस आज कुछ देर पहले अल्लू अर्जुन के घर जाकर फिल्म अभिनेता को हिरासत में लिया।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गिनाईं मोदी सरकार की अधोसंरचना और ढांचागत विकास की उपलब्धियां

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री (डीओएनईआर) ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने शुक्रवार को सड़क परिवहन, रेल और नागरिक उड्डयन क्षेत्र में मोदी सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियां और प्राथमिकताएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की प्रगति और सतत विकास में अधोसंरचना और ढांचागत विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मोदी सरकार भी पिछले 10 साल से इस दिशा में युद्ध स्तर पर काम कर रही है, क्योंकि अगर हम इसे वित्तीय दृष्टिकोण से देखें, तो ढांचागत विकास में निवेश किए गए 1 रुपये का जीडीपी गुणक 2.5 से 3.5 है। इंफ्रास्ट्रक्चर सबसे बड़े आर्थिक गुणकों में से एक है। एक साल के

भीतर पूंजीगत व्यय के लिए 11.5 लाख करोड़ का निवेश आवंटित किया गया है। हर साल इस निवेश में 10-15त्त की वृद्धि होती है। सिंधिया ने आज नई दिल्ली में एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में देश में अधोसंरचना निर्माण की सोच और पहुंच में पूर्ण रूप से यानि 180 डिग्री बदलाव आया है। अधोसंरचना और ढांचागत विकास को सरकार गुणवत्ता, गति, मात्रा और कवरेज की कसौटी पर परखती है, इसलिए जो वातावरण बनता है, उसमें अंतरराष्ट्रीय निवेश बढ़ता है और देश का चहुंमुखी विकास होता है। उन्होंने कहा कि 111 ट्रिलियन रुपये की इन्फ्रा पाइपलाइन का ऐतिहासिक बजट रखा गया है। यह दर्जनों विकासशील देशों का कुल जीडीपी से भी ज्यादा है। अगले 5-6 वर्षों के लिए यही रुझान देखने को मिलने वाला है। मॉर्गन स्टेनले की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज यदि भारत का अधोसंरचना में निवेश जीडीपी का 5.3 प्रतिशत तो 2029 में ये 6.5 प्रतिशत होगा। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल में इतने हाइवे बन गए, जितने उससे पहले 60 साल में नहीं बने थे। सड़कों के बजट आवंटन की चर्चा करते हुए बताया कि 2013-14 में यह लगभग 31,130 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 2.7 लाख करोड़ हो गया है।

हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं : राजनाथ सिंह

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली संसद के शीतकालीन सत्र का शुक्रवार को 14वां दिन है। लोकसभा में संविधान पर चर्चा शुरू हो गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में संविधान पर बहस की शुरुआत की। यह बहस संविधान को अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक विशेष पार्टी द्वारा संविधान निर्माण के काम को हमेशा हाईजैक करने की कोशिश की गई है। मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूं, कि हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है। भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा, भारत के मूल्यों के अनुरूप बनाया गया दस्तावेज है।राजनाथ सिंह ने कहा कि हम भारत के लोगों ने, 26 नवंबर 1949 के दिन संविधान को अपनाया, अधिनियमित

किया और राष्ट्र को समर्पित किया था। यह वह दिन था, जब भारत के लोग 'प्रजा' से 'नागरिक' बने थे। ऐसे नागरिक जिनके अपने मौलिक अधिकार थे और उनके पास एक भारतीय नागरिक होने का गौरव था। ऐसे लोग अपनी सरकार चुन सकते थे और सरकारों को बदल सकते थे। अब देश में राजा-रानी का शासन नहीं था। राजतंत्र और ब्रिटिश तंत्र नहीं था, बल्कि जनता का शासन था और लोकतंत्र था। संविधान को अंगीकार करने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, इस सदन और समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं। साथ ही भारत की आजादी और भारत के संविधान निर्माण से जुड़े, सभी महानुभावों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं और उन सभी को शीश झुकाकर नमन करता हूं। भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ÷एक विशेष पार्टी द्वारा संविधान निर्माण के काम को हमेशा हाईजैक करने की कोशिश की गई है। मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूं, कि हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है। भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा, भारत के मूल्यों के अनुरूप बनाया गया दस्तावेज है। पश्चिमी सभ्यता में नाइट वॉचमैन स्टेट का कॉन्सेप्ट है। इसका अर्थ है कि सरकार का दायित्व लोगों को सुरक्षा प्रदान करने तक ही सीमित रहे। किंतु हमारे देश में राजधर्म की बात कही गई है। हमारे यहां राजा भी राजधर्म से बंधा हुआ है। उसकी शक्तियां लोगों के कल्याण के लिए है। समाज के कमजोर वर्ग के लिए है। हमारा संविधान नागरिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा संविधान नागरिकों के समग्र विकास में रास्ते में आने वाली बाधाओं को हटाने का निर्देश देता है।

प्रधानमंत्री 14-15 दिसंबर को दिल्ली में मुख्य सचिवों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 और 15 दिसंबर को दिल्ली में मुख्य सचिवों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव, वरिष्ठ अधिकारी, डोमेन विशेषज्ञ तथा अन्य लोग उपस्थित रहेंगे। यह सम्मेलन पिछले 3 वर्षों से हर साल आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझेदारी को और बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्य सचिवों का सम्मेलन प्रधानमंत्री के सहकारी संघवाद को मजबूत करने, तेजी से विकास व प्रगति हासिल करने और केंद्र व राज्यों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से प्रेरित है। यह सम्मेलन पिछले 3 वर्षों से हर साल आयोजित किया जा रहा है। पहला मुख्य सचिव सम्मेलन जून 2022 में धर्मशाला में आयोजित किया गया था, उसके बाद दूसरा और तीसरा सम्मेलन क्रमशः जनवरी 2023 और दिसंबर 2023 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सम्मेलन में राज्यों के साथ साझेदारी में एक साझा विकास एजेंडा और सुसंगत कार्रवाई के लिए खाका तैयार करने और उसे लागू करने पर जोर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, नीति आयोग, राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों और डोमेन विशेषज्ञों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के आधार पर, चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन 'उद्यमिता, रोजगार और कौशल को बढ़ावा देना- जनसांख्यिकी लाभांश का लाभ उठाना' विषय पर केंद्रित होगा। इसमें राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के अनुसरण के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों को शामिल किया जाएगा। इस व्यापक विषय के अंतर्गत छह क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जाएगा। विनिर्माण, सेवा, ग्रामीण गैर-कृषि, शहरी, नवीकरणीय ऊर्जा और परिपत्र अर्थव्यवस्था को विस्तृत चर्चा के लिए चिन्हित किया गया है।

उपराष्ट्रपति 15 दिसंबर को ग्वालियर के दौरे पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 15 दिसंबर को मध्य प्रदेश के ग्वालियर के एक दिवसीय दौरे पर जाएंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उपराष्ट्रपति अपने इस दौरे में ग्वालियर स्थित भू विज्ञान (जियोलॉजिकल) संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे एवं जीवाजी विश्वविद्यालय में महाराज श्रीमंत जीवाजीराव सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

नेंड्रा के जंगल में हुई मुठभेड़ दो वर्दीधारी नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत नेंड्रा के जंगल में शुक्रवार पुलिस ने एक मुठभेड़ में दो नक्सलियों को ढेर कर दिया है। पुलिस ने घटनास्थल पर दोनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। पुलिसने शव के पास से हथियार भी जब्त किए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि बासागुड़ा थाना क्षेत्र के नेंड्रा के जंगल में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी है। इस पर

इलाके में कोबरा 210, सीआरपीएफ 168 बटालियन की यंग प्लाटून, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के जवानों की संयुक्त टीम नेंड्रा के जंगल सुबह 7.30 बजे पहुंच कर सर्च अभियान चलाया। सुरक्षाबलों के जवानों को अपनी ओर आता देखकर नेंड्रा के जंगल में मौजूद नक्सलियों ने गोलियां बरसानी शुरू कर दी। इसके जवाब में जवानों ने नक्सलियों का मुंहतोड़ जवाब देकर फायरिंग की। इस मुठभेड़ में दो वर्दीधारी नक्सली मारे गये हैं। मुठभेड़ में मारे गये दोनों वर्दीधारी पुरुषों के शव बरामद कर लिए हैं। बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने

बताया कि मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं। घटनास्थल से दो नग 12 बोर सिंगल शाट गन, एक नग देसी गन, कोर्डेक्स वायर, टिफिन बम, प्रिंटर, नक्सली वर्दी, साहित्य एवं अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने संसद हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज संसद पर हुए आतंकी हमले की 23वीं बरसी पर अपना सर्वोच्च बलिदान करने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धा

सुमन अर्पित करने वालों में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू और और अन्य नेता शामिल हैं।13 दिसंबर 2001 को दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल जगदीश, मातबर, कमलेश कुमारी, नानक चंद और रामपाल, दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश, बिजेंद्र सिंह और घनश्याम तथा सीपीडब्ल्यूडी के माली देशराज ने आतंकवादी हमले के दौरान संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

झारखंड में 'मंईयां सम्मान योजना' की लाभार्थियों की स्क्रीनिंग और राशि रिकवरी की चिट्ठी पर बवाल

रांची । झारखंड में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में ' गेमचेंजर' मानी गई हेमंत सोरेन सरकार की 'मंईयां सम्मान योजना' की लाभार्थियों की अब नए सिरे से स्क्रीनिंग की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। सरकार के सामाजिक सुरक्षा विभाग के निर्देश पर उन लाभार्थियों की पहचान की जाएगी, जो इस योजना का लाभ लेने की 'पात्र' नहीं हैं। अगर अयोग्य लाभार्थियों ने इस योजना के तहत लाभ प्राप्त किया है तो राशि की रिकवरी भी जाएगी। भारतीय जनता पार्टी ने सरकार के इस निर्देश पर जोरदार विरोध जताया है। सामाजिक सुरक्षा विभाग के निर्देश पर रांची के उपायुक्त ने जिले के सभी प्रखंडों के बीडीओ और अंचलों के सीओ को चिट्ठी लिखकर कहा है कि यदि कोई लाभार्थी अयोग्य पाई जाती है तो उनका नाम सूची से हटाया जाए और उन्हें दी गई सम्मान राशि की रिकवरी की जाए। उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लाभार्थियों के सत्यापन की प्रक्रिया

28 दिसंबर तक पूरी करने का निर्देश दिया है। इस सूचना के बाद महिला लाभार्थियों में खलबली मच गई है। चुनाव के पहले राज्य के सभी क्षेत्रों में व्यापक तौर पर अभियान चलाकर 18 से 50 साल की उम्र तक की महिलाओं से इस योजना के तहत फॉर्म भरवाए गए थे। इसके बाद करीब 55 लाख महिलाओं के खाते में अगस्त, से लेकर नवंबर महीने तक एक-एक हजार रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। सरकार ने दिसंबर महीने से लाभार्थियों को एक हजार के बदले 2500 रुपए देने का ऐलान कर रखा है। संभावना है कि एक-दो दिनों के अंदर दिसंबर महीने की किस्त ट्रांसफर कर दी जाएगी। दूसरी तरफ, लाभार्थियों की स्क्रीनिंग भी शुरू की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने लाभार्थियों से राशि रिकवर करने के निर्देश पर जोरदार विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने गुरुवार को यह मुद्दा विधानसभा की कार्यवाही के दौरान भी उठाया था। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'चुनाव से पहले बेरोकटोक मुफ्त के रेवड़ी की तरह मंईयां सम्मान योजना की राशि बांटने वाली हेमंत सरकार अब महिलाओं से वसूली की तैयारी कर रही है।

अतुल सुभाष केस :निकिता के भाई और मां को पूछताछ के लिए भेजा नोटिस

बेंगलुरु । कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को मृतक अतुल सुभाष की पत्नी निकिता के भाई अनुराग सिंघानिया और मां निशा सिंघानिया को जांच अधिकारी के सामने पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है। नोटिस जारी करने के तीन दिन के भीतर दोनों को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया है।इससे पहले अतुल के भाई की शिकायत के आधार पर कर्नाटक पुलिस निकिता की मां, भाई और अंकल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर चुकी है। हालांकि, परिवार बीती रात से फरार है।बेंगलुरु पुलिस इस मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश के जौनपुर पहुंच चुकी है। जौनपुर के खोया मंडी में अतुल का ससुराल है। जहां उनकी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया और साला रहते हैं। लेकिन, पुलिस के पहुंचने पर घर पर ताला लगा हुआ मिला।बताया जा रहा है कि पुलिस के आने की जानकारी मिलने के बाद यह सभी लोग फरार हो गए। इससे पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था, जिसमें निकिता के परिवारवाले मीडिया को धमकाते हुए नजर आए थे। परिवारवाले मीडियाकर्मियों से कह रहे थे कि वो बिना अपने वकील के परामर्श इस विषय पर किसी भी प्रकार की टिप्पण नहीं करेंगे।अतुल सुभाष ने अपने सुसाइड नोट में इन चारों के खिलाफ मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया था। बता दें कि आत्महत्या से पहले अतुल सुभाष ने 24 पन्नों का सुसाइड नोट और 81 मिनट का वीडियो जारी किया था। इसमें उन्होंने ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

गुरदासपुर में पुलिस थाने पर ग्रेनेड फेंका, नहीं हुआ धमाका, बब्बर खालसा ने ली जिम्मेदारी

तेजिन्दर कौर बब्बर

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर जिले में आतंकियों ने रात हैंड ग्रेनेड फेंका, लेकिन संयोग से ग्रेनेड न फटने से बड़ा हादसा होने से टल गया। पंजाब पुलिस आधिकारिक रूप से इस बारे में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इस घटना की जिम्मेदारी ली तो पूरा मामला खुल गया। शुक्रवार को अल सुबह एडीजीपी नौनिहाल सिंह भी गुरदासपुर पहुंचे। इससे पहले अमृतसर में 23-24 नवंबर की रात को अजनाला थाने के बाहर आईईडी प्लांट किया गया था, जो तकनीकी खराबी के कारण फटा नहीं। चार दिसंबर की रात अमृतसर जिले के मजीठा पुलिस थाने में भी जोरदार धमाका हुआ था। अमृतसर में धमाके के प्रयास व धमाके की घटना को लेकर पुलिस आजतक चुप है।

इस बीच गुरुवार की रात मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने गुरदासपुर जिले के अंतर्गत आते घनिया के बांगर पुलिस थाने की तरफ कोई चीज फेंकी। कुछ समय बाद पता चला कि यह हैंड ग्रेनेड था। बमनुमा वस्तु फेंकते समय मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया, जिससे ग्रेनेड सही तरीके से नहीं गिरा और धमाका होने से बच गया। गुरदासपुर के एसएसपी सोहेल कासिम मीर समेत अन्य अधिकारी और एजेंसियां जांच के लिए मौके पर पहुंचीं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से थाने पर हमला करने वाले युवकों का पता लगा रही है। शुक्रवार को अल सुबह एडीजीपी नौनिहाल सिंह भी गुरदासपुर पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद आला अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद वह मीडिया से बातचीत किए बगैर ही चले गए। पुलिस शुक्रवार की दोपहर तक इस मामले में कुछ नहीं बोली। इस बीच अमेरिका में बैठे आतंकी हैप्पी पासिया और गोपी नवांशहरिया ने ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी लेते हुए सोशल मीडिया पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल के अकाउंट से एक पोस्ट डालकर पुलिस को चुनौती दे डाली।

यूक्रेनी ड्रोन हमले में रूसी सैनिक की मौत

एजेंसी

बेलगोरोद। रूस के बेलगोरोद क्षेत्र के टेरेब्रेनो गांव में गुरुवार को यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक सैनिक मारा गया। रूसी गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने टेलीग्राम पर लिखा, रात में, टेरेब्रेनो ग्रामीण बस्ती पर एक मानव रहित हवाई वाहन के हमले के दौरान एक सैनिक मारा गया। मैं उनके परिवार और प्रियजनों, दोस्तों तथा परिचितों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं! उनकी बलिदान की याद हमेशा हमारे दिलों में रहेगी!

जी7 सीरिया पर वर्चुअल बैठक करेगा

दमिश्क। सीरिया में नवीनतम घटनाक्रमों पर चर्चा करने के लिए ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) देश एक वर्चुअल बैठक आयोजित करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बैठक के दौरान जी7 देशों के नेताओं से इस बात पर चर्चा करने की उम्मीद है कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद को हटाए जाने के बाद हयात तहरीर अल-शाम समूह की सरकार का समर्थन किया जाए या नहीं। भविष्य में जी7 का समर्थन प्राप्त करने के लिए समूह को कानून के शासन का सम्मान करना होगा। इसके अलावा, देश में धार्मिक तथा जातीय अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी होगी। बैठक में यूक्रेन संघर्ष सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय संकटों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

मोल्दोवा में अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं जुटा पाया विपक्ष

चिसीनाउ। मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसु ने कहा है कि विपक्ष देश की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पर्याप्त सांसदों का समर्थन पाने में विफल रहा। गौरतलब है कि विपक्षी कम्युनिस्टों और समाजवादियों के गठबंधन के सदस्यों ने 06 दिसंबर को सरकार के प्रति अविश्वास का प्रस्ताव पेश किया। मोल्दोवा अभी भी गहरे ऊर्जा संकट से जूझ रहा है और सरकार के पास देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा नागरिकों को ऊर्जा संकट के परिणामों से बचाने के लिए कोई स्पष्ट नीति और रणनीति नहीं है। श्री ग्रोसु ने कहा,अविश्वास प्रस्ताव की परियोजना को 18 वोट मिले। उन्होंने कहा कि परियोजना को पारित करने के लिए 51 वोटों की आवश्यकता थी। सांसदों ने मतदान में मौजूद प्रधानमंत्री डोरिन रेसियन पर देशद्रोह का भी आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर देश में स्थिति को अस्थिर करने का प्रयास किया है।

सीरिया की 90 फीसदी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों को हमने तबाह कर दिया : इजरायल

इजरायल । इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) का दावा है कि उसने सीरिया की हवाई सुरक्षा को बहुत नुकसान पहुंचाया है और उसकी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों का 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा नष्ट कर दिया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बयान में आईडीएफ ने बताया कि वह सीरिया की स्थिति का मूल्यांकन कर रहा था, खासकर बशर अल-असद के सत्ता से हटने की संभावना को ध्यान में रखते हुए। बयान में कहा गया है, ऐसी स्थिति के लिए तैयार होने के लिए वायु सेना ने सीरिया की सैन्य ताकतों को नष्ट करने के लिए एक बड़े हमले की योजना बनाई है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों इजरायली लड़ाकू जेट और विमान ने मिलकर हमले शुरू किए हैं, जिनसे सीरिया के सबसे महत्वपूर्ण हथियारों, जैसे लड़ाकू जेट, हेलीकॉप्टर, मिसाइल, ड्रोन, रडार और रॉकेट को बड़ा नुकसान हुआ है। हमलों में कई सीरियाई हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया गया।

मेक्सिको अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा, चाहे अमेरिका किसी को भी राजदूत चुने : राष्ट्रपति शिनबाम

मेक्सिको। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि उनका प्रशासन देश की संप्रभुता की रक्षा करेगा, भले ही अमेरिका मेक्सिको में राजदूत के रूप में किसे भी चुने। उनका यह बयान अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई नवीनतम नियुक्ति के बाद आया है। राष्ट्रपति ने नेशनल पैलेस में अपनी नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, इस राजदूत या किसी अन्य के साथ, हम अपनी संप्रभुता और बराबरी के दर्जे का रक्षा करेंगे। शिनबाम ने कहा कि उन्हें, ÷विश्वास है कि समझौता होने जा रहा है और उन्हें पता होना चाहिए कि हम हमेशा मेक्सिको की रक्षा करेंगे और खुद को केवल संयुक्त राज्य अमेरिका की जरूरतों के अधीन किए बिना इसे गौरवान्वित करेंगे। समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने द्विपक्षीय एजेंडे के आगे बढ़ने के महत्व को दोहराया, जिसमें अमेरिका से मैक्सिको में हथियारों की तस्करी से निपटना भी शामिल है। ट्रंप ने मंगलवार शाम को अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क के माध्यम से घोषणा की थी कि मेक्सिको में उनके राजदूत रिटायर्ड कर्नल रोनाल्ड जॉनसन होंगे।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने सैन्य अदालतों को 85 मामलों में सशर्त फैसला सुनाने की अनुमति दी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने आज सैन्य अदालतों को नौ मई, 2023 के दंगों से संबंधित 85 मामलों में फैसला सुनाने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सैन्य अदालतों के फैसले सशर्त होंगे। नरमी के पात्र आरोपितों को रिहा किया जाना चाहिए। जिन लोगों को बरी नहीं किया जा सकता, उन्हें अपनी सजा काटने के लिए जेलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार यह फैसला जस्टिस अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता वाली संवैधानिक पीठ ने सुनाया। शीर्ष अदालत ने नागरिकों के सैन्य मुकदमे के खिलाफ अपील की सुनवाई पर आज अपने आदेश में कहा कि सैन्य अदालतों के फैसले उसके समक्ष लंबित मामलों पर शीर्ष अदालत के फैसले के लिए सशर्त होंगे। शीर्ष अदालत ने संक्षिप्त आदेश में कहा कि नरमी के पात्र आरोपितों को रिहा

किया जाना चाहिए। जिन लोगों को बरी नहीं किया जा सकता, उन्हें अपनी सजा काटने के लिए जेलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इस संबंध में आज भी संघीय सरकार के वकील ख्वाजा हारिस ने अपनी दलील रखीं। जस्टिस जमाल खान मंडोखाइल ने उनसे पूछा कि क्या इस श्रेणी में सभी पर मुकदमा चलाने के लिए सेना अधिनियम में संशोधन किया जाना चाहिए? जस्टिस मोहम्मद अली मजहर ने सेना अधिनियम के कुछ प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित करने के पीछे के कारणों के बारे में पूछताछ की। जस्टिस मंडोखाइल ने कहा कि सेना अधिनियम 1973 के संविधान से पहले बनाया गया था। ख्वाजा हारिस ने जवाब दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में खामियां थीं। जस्टिस जमाल मंडोखाइल ने टिप्पणी की, अदालत के फैसले का इस हद तक अनादर न करें कि आप इसे त्रुटिपूर्ण कहें। ख्वाजा हारिस ने माफी मांगते हुए कहा, मेरे शब्द कानूनी प्रकृति के नहीं थे।

जस्टिस मजहर ने टिप्पणी की कि अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान नौ मई की घटनाओं का विवरण भी मांगा था। वर्तमान में हमारे सामने मामला केवल कोर कमांडर हाउस से संबंधित है। यदि मामला केवल कोर कमांडर के घर तक ही सीमित रहना है, तो कृपया इसे भी स्पष्ट करें। अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल ने कहा कि सभी विवरण आज सुबह प्राप्त हो गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह संपूर्ण विवरण जल्द प्रस्तुत कर देंगे।

दक्षिण कोरिया में विपक्ष ने येओल के खिलाफ दूसरे महाभियोग प्रस्ताव पर सत्ता पक्ष से मांगा सहयोग

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के विपक्षी नेता ली जे-म्युंग ने आज सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों से राष्ट्रपति यून सुक येओल पर मार्शल लॉ लागू करने की कोशिश पर महाभियोग चलाने के दूसरे प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इतिहास इसके लिए उन्हें याद रखेगा। ली जे-म्युंग मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हैं। ली ने राष्ट्रपति यून के खिलाफ महाभियोग पर मतदान होने से एक दिन पहले नेशनल असेंबली में यह आह्वान किया। उन्होंने सदस्यों से कहा, आपका चाहे जो दल हो, चाहे जो विचारधारा हो, चाहे आप प्रगतिशील हों या रूढ़िवादी, संविधान का सम्मान और संप्रभु राष्ट्र की रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वक्त की मांग है कि यून और सत्तारूढ़ पीपल पावर पार्टी की रक्षा नहीं करनी चाहिए।

सीरिया में नवंबर से अब तक 11 लाख लोग हुए हैं विस्थापित : संरा

एजेंसी

दमिश्क। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा है कि सीरिया में 27 नवंबर को युद्ध के जोर पकड़ने के बाद से 11 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। आईडीपी टास्क फोर्स ने कहा, सीरिया में 27 नवंबर को युद्ध के तेज होने के बाद से 11 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। संगठन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि लगभग 6,40,000 लोग अलेप्पो प्रांत से भाग गए, जबकि 3,34,000 लोग इदलिब से और 1,36,000 लोग हमा से भाग गए। उल्लेखनीय है कि सीरियाई सशस्त्र विपक्ष ने रविवार को राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया। रूसी अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रपति बशर असद ने सीरियाई संघर्ष के प्रतिभागियों के साथ बातचीत के बाद पद छोड़ दिया और सीरिया छोड़कर रूस चले

गए, जहाँ उन्हें शरण दी गई। इसके बाद मोहम्मद अल-बशीर (जो हयात तहरीर अल-शाम और अन्य विपक्षी समूहों द्वारा गठित इदलिब-आधारित प्रशासन चलाते थे) को मंगलवार को अंतरिम प्रधानमंत्री नामित किया गया।

येओल मार्शल लॉ लगा पाते तो सुप्रीम कोर्ट के एक जज की भी गिरफ्तारी होती, खुलासे पर शीर्ष अदालत ने की निंदा

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल तीन दिसंबर को मार्शल लॉ लागू करने में सफल हो जाते तो देश में बड़े पैमाने पर विरोधियों, सत्ता पक्ष के कुछ नेताओं और सुप्रीम कोर्ट के एक जज की गिरफ्तारी होती। सेना को गिरफ्तार करने के लिए सौंपे गए नामों की सूची में इस जज का नाम शामिल था। इसका खुलासा होने पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताते हुए इसकी कठोर निंदा की है। द कोरिया टाइम्स के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में सामने आई रिपोर्ट्स को न्यायिक प्राधिकार का गंभीर उल्लंघन बताया है। शीर्ष अदालत ने इसकी निंदा की है। इस सूची में सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज किम डोंग-ह्यून का भी नाम था। उन्होंने कोरिया की डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे-म्युंग

को एक मामले में बरी किया था। शीर्ष अदालत ने आज जारी बयान में कहा कि अगर यह सच है तो यह न्यायिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन का मामला है और गंभीर चिंता पैदा करता है। संवैधानिक लोकतंत्र में ऐसी हरकत कभी नहीं होनी चाहिए। समय आ गया है कि जिम्मेदार लोगों को कानूनी रूप से जवाबदेह ठहराते हुए तथ्यों को तत्काल स्पष्ट किया जाना चाहिए। द कोरिया टाइम्स के अनुसार, सैन्य प्रतिवाद के पूर्व प्रमुख येओ इन-ह्युंग ने तीन दिसंबर की रात राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी के आयुक्त जनरल चो जी-हो को फोन किया और गिरफ्तार करने के लिए लगभग 15 व्यक्तियों की सूची प्रदान की। इस सूची में सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के नेता हान डोंग-हून और नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वू वोन-शिक और किम डोंग-ह्यून जैसी प्रमुख राजनीतिक हस्तियों के नाम शामिल थे। राष्ट्रीय खुफिया सेवा के पूर्व उप निदेशक होंग जांग-वोन पहले ही खुलासा कर चुके हैं कि मार्शल लॉ की घोषणा के तुरंत बाद साझा की गई येओल की गिरफ्तारी सूची में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश किम म्युंग-सू और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश क्वोन सून-इल भी शामिल थे। इस पर सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक कार्यालय के निदेशक चुन डे-योप ने छह दिसंबर को नेशनल असेंबली न्यायपालिका समिति की बैठक में कहा था कि अगर यह सच है तो यह एक समझ से बाहर और अत्यधिक अनुचित कार्रवाई है।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री लामिछाने के खिलाफ संगठित अपराध व ठगी के मामले में चार्जशीट दायर करने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। सहकारी बैंक घोटाला, संगठित अपराध और सरकारी दस्तावेज में जालसाजी के आरोप में पिछले दो महीने से पुलिस हिरासत में चल रहे नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ पांच अलग अलग जिला अदालत में चार्जशीट दायर करने की तैयारी कर ली गयी है। जिस दिन रवि के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की जाएगी उसी दिन तत्काल प्रभाव से उनकी संसद सदस्यता निलंबित हो जाएगी। सहकारी बैंक के रकम को गैर कानूनी तरीके से अपने निजी व्यवसाय में निवेश करने के आरोप की जांच करने वाले केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) की तरफ से चार्जशीट दायर करने की तैयारी की गयी है। सीआईबी प्रवक्ता हवींद्र बोगटी ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि रवि लामीछाने सहित उनके अन्य व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने की पूरी तैयारी कर ली गई है। सीआईबी के प्रवक्ता के मुताबिक पूर्व गृह मंत्री

लामिछाने के खिलाफ सहकारी बैंक ठगी के अलावा संगठित अपराध और सरकारी दस्तावेज में जालसाजी करने का भी प्रमाण मिला है। लामिछाने को इस पूरी घटना का मास्टरमाइंड मानते हुए पांच अलग-अलग जिलों में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। लामिछाने इस समय पोखरा पुलिस की हिरासत में हैं। उनके खिलाफ पोखरा के अलावा काठमांडू, भैरहवा, चितवन और बीरगंज में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। लामिछाने को विगत बुधवार को पांच दिन का रिमांड बढ़ाया गया। अदालत ने इन्हीं पांच दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल करने को कहा है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल के खिलाफ दूसरा महाभियोग प्रस्ताव नेशनल असेंबली पेश

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली में आज राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ दूसरा महाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया। इस पर आगामी पूर्ण सत्र में मतदान होगा। येओल को इससे पहले मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा पर भी महाभियोग प्रस्ताव का सामना करना पड़ा। इस पर रविवार को हुए मतदान में वह विपक्ष को शिकस्त देने में सफल रहे।

द कोरिया टाइम्स की खबर के अनुसार, मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया (डीपीके) ने इस प्रस्ताव पर आगामी पूर्ण सत्र में शाम 5ः00 बजे मतदान कराने की योजना बनाई है। कानून के अनुसार, महाभियोग प्रस्ताव को पूर्ण सत्र में रिपोर्ट किए जाने के 24 से 72 घंटों के बीच मतदान के लिए रखा जाना चाहिए।ताजा प्रस्ताव में यह आरोप लगाया गया है कि मार्शल लॉ सैनिकों और पुलिस ने राष्ट्रपति के नेतृत्व में सांसदों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया। इसमें प्रथम महिला किम केओन ही के खिलाफ स्टॉक हेरफेर के यून के सार्वजनिक संबोधन के बारे में भी सवाल करेंगे। यह संबोधन उनके मार्शल लॉ घोषणा का बचाव करने और इसे विद्रोह का कार्य मानने से इनकार करने

योजना में उनकी संदिग्ध संलिप्तता और एक पावर ब्रोकर के माध्यम से चुनाव नामांकन में हस्तक्षेप सहित आरोपों को हटा दिया गया है। आज सत्र के दौरान विपक्ष कैबिनेट सदस्यों से पिछले दिनों पर केंद्रित था। विपक्ष ने प्रधानमंत्री हान डक-सू, वित्तमंत्री चोई सांग-मोक, शिक्षामंत्री ली जू-हो और विदेशमंत्री चो ताए-यूल सहित अन्य लोगों से सत्र के दौरान उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

तुर्किये ने सीरिया में बांध पर गिराए बम, इजराइल के हमले से संरा चिंतित, वहां से हटने का आह्वान, नेतन्याहू का इनकार

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया पर विद्रोहियों के फतह के बावजूद हालात सुधर नहीं रहे। अब मुल्क इजराइल और तुर्किये के आक्रमण का सामना करने को बेवश है। अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद परिवार समेत रूस भाग चुके हैं। रूस ने उन्हें मानवीय आधार पर शरण दी है। तुर्किये ने बांध पर बमबारी कर नया संकट उत्पन्न कर दिया है। इजराइल के हमलों से संयुक्त राष्ट्र चिंतित है। संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल से हटने का आह्वान किया है। मगर उसने इससे इनकार कर दिया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इजराइल से सीरिया में हमले बंद करने और बफर जोन से हटने का आह्वान किया है । इजराइली सुरक्षा बलों के अपदस्थ असद शासन की अधिकांश सैन्य संपत्तियों को नष्ट करने के बाद गुटेरेस के प्रवक्ता ने

'देश भर में सभी मोर्चों पर हिंसा को कम करने की तत्काल आवश्यकता' पर जोर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सीरिया के कई स्थानों पर इजरायली हवाई हमलों से चिंतित हैं। उन्होंने समूचे सीरिया में सभी मोर्चों पर हिंसा को कम करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हैं। इससे पहले इजराइली सेना ने कहा कि उसने सीरिया में 350 से अधिक हमले किए। इस दौरान अपदस्थ सीरियाई शासन से संबंधित अधिकांश सामरिक हथियारों के भंडार को नष्ट कर दिया। इजराइल ने पिछले सप्ताह राष्ट्रपति असद को उखाड़ फेंकने के बाद सीरिया के अंदर एक बफर जोन में प्रवेश करने की बात स्वीकार की। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल ने कहा कि उसकी सेना सीरियाई क्षेत्र में तब तक रहेगी जब तक कि एक नई सेना स्थापित नहीं हो जाती, जो उसकी सुरक्षा मांगों को पूरा करती हो। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली सैनिक अस्थायी रूप से तैनात रहेंगे। इजराइली सेना ने 155 वर्ग मील क्षेत्र में जवानों को तैनात किया है। इजराइल के अधिकारियों के अनुसार, उसके सैनिकों ने सीरियाई क्षेत्र के अंदर भी मजबूत स्थिति बना ली है। अरबी न्यूज वेबसाइट 963+ के अनुसार, पूर्व सीरियाई शासन के पतन के बाद मुल्क में अनिश्चितता व्याप्त है।

इमरान खान और उनकी पत्नी पर तोशखाना मामले में आरोप तय

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने दूसरे तोशाखाना मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को दोषी ठहराया है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में सुनवाई की अध्यक्षता करने वाले विशेष न्यायालय के न्यायाधीश शाहरुख अर्जुमंद ने उनके खिलाफ आरोप तय किए हैं।

राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने शुरू में मामला दर्ज किया था। बाद में एनएबी संशोधनों पर विचार करते हुए संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने जांच शुरू की और सितंबर में चालान दायर किया।

तोशाखाना मामले में इमरान खान और बुशरा बीबी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप हैं, विशेष रूप से विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से उपहारों की बिक्री के संबंध में।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के

अनुसार, अवैध रूप से उपहारों की बिक्री के माध्यम से राष्ट्रीय खजाने को नुकसान पहुंचाने के आरोपित दंपति को 13 जुलाई को उक्त मामले में गिरफ्तार किया गया था, उसी दिन उन्हें इद्दत मामले में बरी कर दिया गया था। हालांकि पीछले दिनों रावलपिंडी में एक आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने इमरान खान और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अन्य नेताओं को 2023 में जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) पर 09 मई को हुए हमले के सिलसिले में दोषी ठहराया था।

तुर्की सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करता हैः एर्दोगन

अंकारा। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने अंकारा में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ वार्ता के दौरान कहा कि तुर्की सीरिया की क्षेत्रीय अखंडता और एकात्मक ढांचे को संरक्षित करने का समर्थन करता है।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली के भारत भ्रमण पर बात करने विदेश मंत्री आरजू का दिल्ली दौरा तय

एजेंसी

काठमांडू। चीन से बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अब भारत भ्रमण पर जाने को आतुर हैं। चीन से समझौता करने के बाद बीजिंग से काठमांडू लौटने के साथ प्रधानमंत्री ओली ने भारत भ्रमण पर जाने की इच्छा जाहिर की थी। अब उन्होंने अपने विदेश मंत्री को दिल्ली भेजने का निर्णय लिया है। इस समय यूरोप के भ्रमण पर रही नेपाल की विदेश मंत्री डॉ आरजू देउवा को प्रधानमंत्री ओली ने दिल्ली जाकर भ्रमण की तारीख तय करने को बोला है। नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास के कार्यवाहक राजदूत डा सुरेंद्र थापा ने वृहस्पतिवार को फोन पर बातचीत के दौरान बताया कि विदेश मंत्री डा आरजू राणा जर्मनी से 19 दिसंबर को नई दिल्ली पहुंचेगी। कार्यवाहक

राजदूत के मुताबिक उनके तीन दिनों के दिल्ली प्रवास के क्रम में भारत के विदेश मंत्री से मुलाकात करने के लिए समय मांगा गया है। इधर काठमांडू स्थित विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कृष्ण ढकाल ने भी विदेश मंत्री के यूरोप भ्रमण से काठमांडू आने के बजाय दिल्ली जाने का कार्यक्रम तय होने की जानकारी दी है। ढकाल ने बताया कि पहले विदेश मंत्री का 20 दिसंबर को काठमांडू आने का कार्यक्रम तय था। लेकिन प्रधानमंत्री के निर्देशन के बाद उनका कार्यक्रम में फेरबदल हुआ है। उन्होंने बताया कि अब तक भारत के विदेश मंत्री से मुलाकात का समय तय नहीं हुआ है लेकिन दिल्ली भ्रमण के दौरान उनकी मुलाकात डॉ एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से हो जाए इसके लिए प्रयास किया जा रहा है।

चीन से लौटने के बाद अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री ओली ने जल्द ही भारत भ्रमण पर जाने की बात कह रहे हैं।

हालांकि अब तक उनको भारत भ्रमण का आधिकारिक निमंत्रण नहीं मिला है। चीन से बीआरआई सहित कुछ अन्य गोपनीय समझौता की जानकारी आने के बाद भारत सरकार ओली के भ्रमण की संभावना कम होती जा रही है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

यूपीएससी ने आईईएस, आईएसएस 2024 का अंतिम परिणाम जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) और भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) परीक्षा 2024 के अंतिम परिणाम जारी कर दिए हैं। उम्मीदवार अपने परिणाम यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि 21 से 23 जून, 2024 तक आईईएस और आईएसएस परीक्षा- 2024 की लिखित परीक्षा और उसके बाद दिसंबर में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार के परिणाम के आधार पर भारतीय आर्थिक सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा में पदों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसित उम्मीदवारों की योग्यता क्रम में सूचियां जारी की हैं। इस साल आईईएस पर्सनालिटी टेस्ट 2 से 5 दिसंबर तक और आईएसएस पीटी 3 से 6 दिसंबर तक आयोजित किया गया था। भर्ती अभियान का उद्देश्य कुल 48 रिक्तियों को भरना है, जिनमें से 18 रिक्तियां भारतीय आर्थिक सेवा के लिए हैं और 33 पद भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए हैं।

नेपाली सेनाध्यक्ष को दी गई भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक

नई दिल्ली। नेपाल के सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल को भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार 12 दिसंबर को उन्हे भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक से सम्मानित किया। इसके लिए राष्ट्रपति भवन में एक विशेष अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में उन्हें भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक दी गई। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि यह परंपरा भारतीय और नेपाली सेनाओं के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित करती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक जनरल अशोक राज सिगडेल का भारत के साथ नेपाल के लंबे व मैत्रीपूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने में अतुलनीय योगदान है। भारत ने जनरल अशोक राज सिगडेल के सराहनीय सैन्य कौशल की भी प्रशंसा की है। जनरल की मानद रैंक से सेनाध्यक्षों को सम्मानित करना भारत और नेपाल के बीच एक महत्वपूर्ण परंपरा रही है। बीते दिनों भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने नेपाल की आधिकारिक यात्रा की थी। इसी वर्ष नवंबर माह के दौरान हुई इस यात्रा के दौरान वह नेपाल के राष्ट्रपति भवन, शीतल निवास में एक अलंकरण समारोह में शामिल हुए।

डी गुकेश को शुभकामनाएं दी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड ने

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सबसे कम आयु में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप का खिताब हासिल करने पर डी गुकेश को शुभकामनाएं दी हैं। श्री धनखड़ ने यहां सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में कहा कि यह भारत के लिए गौरव का क्षण है और विश्व शतरंज इतिहास में एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, नया इतिहास लिखने और सबसे कम आयु का विश्व शतरंज चैंपियन बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं।

रक्षा मंत्रालय ने एच ए एल के साथ 12 सुखोई विमान की खरीद का अनुबंध किया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल पहल की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मेसर्स हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ संबंधित उपकरणों से लैस 12 सुखोई-30 एम के आई विमानों की खरीद के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए । रक्षा मंत्रालय के अनुसार इन विमानों की खरीद पर 13,500 करोड़ की लागत आने का अनुमान है । विमान में 62.6 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री होगी, जो भारतीय रक्षा उद्योग द्वारा निर्मित किए जाने वाले कई घटकों के स्वदेशीकरण के कारण बढ़ी है। इन विमानों का निर्माण एचएएल के नासिक डिवीजन में किया जाएगा। इन विमानों की आपूर्ति से भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता बढ़ेगी और देश की रक्षा तैयारियां मजबूत होंगी।

वेदराही को साहित्य अकादमी महत्तर सदस्यता अर्पित

नयी दिल्ली । प्रख्यात डोगरी लेखक, विचारक, कवि, निर्देशक और फिल्म निर्माता वेदराही को साहित्य अकादमी के सर्वोच्च सम्मान साहित्य अकादमी महत्तर सदस्यता से सम्मानित किया गया है। श्री वेदराही के स्वास्थ्य कारणों के कारण एक संक्षिप्त अलंकरण कार्यक्रम महाराष्ट्र में उनके ठाणे स्थित आवास पर किया गया। साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक और सचिव के. श्रीनिवासराव ने उन्हें सम्मान स्वरूप दिए जाने वाला ताम्रफलक प्रदान किया । अलंकरण प्राप्त करने के बाद श्री वेदराही ने इस सम्मान को घर पर आकर देने के लिए साहित्य अकादमी का आभार प्रकट किया।

राजनाथ ने पड़ोसी नेपाल से रक्षा संबंध और मजबूत करने की भारतीय मंशा दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। नेपाल के सेना प्रमुख ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करके दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने उनसे 'पड़ोसी प्रथम नीति' के अनुरूप अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों को मजबूत करने की भारत की मंशा दोहराई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज ही सुबह नेपाली सेना प्रमुख को भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान की है।

नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल ने अपने भारत दौरे के दूसरे दिन आज नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। रक्षा मंत्री ने

नेपाली सेना की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, नियमित अभ्यास, कार्यशालाओं और सेमिनारों के साथ-साथ रक्षा उपकरणों और भंडारों की आपूर्ति सहित रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। राजनाथ सिंह ने दोनों देशों के बीच अत्यंत मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति पर भी गहरा संतोष व्यक्त किया। वार्ता के दौरान उन्होंने यह भी बताया कि करीबी पड़ोसी होने के नाते भारत और नेपाल आपसी चिंता के कई मुद्दों पर समान दृष्टिकोण साझा करते हैं। उन्होंने 'पड़ोसी प्रथम नीति' के अनुरूप अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों को मजबूत करने के भारत के इरादे को दोहराया। रक्षा मंत्री सिंह ने नेपाल के सेना प्रमुख को भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान किए जाने पर बधाई दी। उन्हें आज ही सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में सराहनीय सैन्य शक्ति और भारत के साथ नेपाल के दीर्घकालिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और बढ़ावा देने में उनके अतुलनीय योगदान के लिए भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान की है।

देश में एएसआई संरक्षित 92 स्मारक गायब

एजेंसी

नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की निष्पादन लेखा परीक्षा रिपोर्ट (2013 का 18) में कहा गया है कि भारत के 92 संरक्षित स्मारक गायब हैं। यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज राज्य सभा में एक लिखित उत्तर में दी।

मंत्री ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा अपने विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से किए गए बाद के सर्वेक्षण से पता चला है कि 18 संरक्षित स्मारक और स्थल संरक्षण की अच्छी स्थिति नहीं हैं। सर्वेक्षण के दौरान एएसआई के क्षेत्रीय कार्यालयों ने पता लगाया कि तेजी से शहरीकरण के कारण स्मारकों पर दबाव एक बड़ी चुनौती है। इसके अलावा, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, निजी सुरक्षा गार्ड और सीआईएसएफ के माध्यम से स्मारकों की देखभाल और निगरानी की जाती है। इसके अलावा समय-समय पर निरीक्षण भी किए

जाते हैं। एएसआई द्वारा अपनाई गई राष्ट्रीय संरक्षण नीति में संरक्षित स्मारकों की स्थिति का पता लगाने के लिए नियमित निरीक्षण का प्रावधान है। मुख्य रूप से एएसआई के उप-मंडलों और मंडलों के अधिकारी स्मारकों का नियमित निरीक्षण करते हैं। इसके अलावा क्षेत्रीय निदेशालय और मुख्यालय के अधिकारी भी स्मारकों की स्थिति का निरीक्षण और निगरानी करते हैं।

लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक-2024 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक को कल सदन में चर्चा हेतु पेश किया गया था। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक को पेश करते और चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य आपदा की स्थिति होने वाली जनहानि को शून्य करना है। उन्होंने कहा कि विधेयक केन्द्र, राज्य और जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन से जुड़ी भूमिका और कार्य एकरुपता लाने का प्रयास करता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद से आपदा प्रबंधन की क्षमता लगातार बढ़ी है और इससे होने वाले नुकसान में काफी कमी आई है।

विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने कहा कि विधेयक के माध्यम से शक्तियों का केंद्रीकरण किया जा रहा है। हालांकि सत्ता पक्ष ने कहा कि विधेयक में राज्यों की ओर

से उठाई गई दिक्कतों का समाधान करना है। विधेयक पर 50 सदस्यों ने भाग लिया और विधेयक पर चर्चा के लिए सदन की कार्यवाही 08 बजे तक चली।

विष्णुकांत शास्त्री रचना-संचयन का भव्य लोकार्पण समारोह संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पंडित विष्णुकांत शास्त्री के जीवन और कृतित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी विद्वत्ता, विनम्रता और विश्वसनीयता ने उन्हें एक महान व्यक्तित्व बनाया। वे न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक साहित्य प्रेमी, विद्वान और भारतीय संस्कृति के मर्मज्ञ भी थे। धर्मेंद्र प्रधान ने ये बातें प्रधानमंत्री संग्रहालय के सभागार में आयोजित विष्णुकांत शास्त्री रचना-संचयन के लोकार्पण समारोह में कहीं।

प्रधानमंत्री संग्रहालय में इस कार्यक्रम का आयोजन साहित्य अकादमी द्वारा किया गया, जहां केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि शास्त्री जी ने प्राचीन और आधुनिक साहित्य के गहन अध्ययन और आलोचना द्वारा अद्वितीय योगदान दिया। उनका बहुआयामी जीवन भारतीय संस्कृति, धर्म और साहित्य को समर्पित रहा।

उनके साहित्यिक योगदान और काव्य प्रेम ने उन्हें विशिष्ट स्थान दिलाया।केंद्रीय मंत्री प्रधान ने शास्त्री जी के जीवन के कई अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए संसद के साथ उनके संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी का जीवन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक, पुस्तक के संपादक डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी और संस्कृति मंत्रालय के सचिव अरूनीश चावला ने भी शास्त्री जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री, डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी और अरुनीश चावला का स्वागत अंगवस्त्र और साहित्य अकादमी के प्रकाशन भेंट करके किया गया। उन्होंने शास्त्री जी को भारतीय परंपरा और आधुनिक सोच के मध्य सेतु बताया।उल्लेखनीय है कि आचार्य विष्णुकांत शास्त्री न केवल हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रह चुके हैं, बल्कि राज्यसभा के सदस्य के रूप में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. के श्रीनिवास राव और उपाध्यक्ष डॉ. कुमुद शर्मा ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

मुस्लिम संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट के पूजा स्थल कानून पर आए अंतरिम फैसले का किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के सभी बड़े मुस्लिम संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट के पूजा स्थल सुरक्षा कानून पर आज आए अंतरिम फैसले का स्वागत किया है। साथ ही आशा व्यक्त की है कि इससे न केवल शांति व्यवस्था मजबूत होगी बल्कि एकता और भाईचारे को खंडित के लिए की जा रही सांप्रदायिक शक्तियों को भी धक्का लगेगा।

सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले का ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने पूजा स्थल कानून पर स्वागत किया है। बोर्ड के प्रवक्ता डॉ सैयद कासिम रसूल इलियास ने एक बयान में अदालत के अंतरिम फैसले पर कहा कि इस अधिनियम की मौजूदगी के बावजूद स्थानीय अदालतों ने मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ एक के बाद एक अपील को स्वीकार्य किया और जिस तरह के आदेश पारित किए उससे पूरा कानून अर्थहीन हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने न सिर्फ इस मामले में किसी भी प्रभावी और अंतिम फैसले पर अगली तारीख तक रोक लगा दी है, बल्कि सर्वे के आदेश पर भी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि जब तक सुप्रीम कोर्ट इस पर कोई स्पष्ट फैसला नहीं ले लेता, तब तक कोई नया मामला दर्ज नहीं किया जाना चाहिए।

जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने आज के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को एक बड़ा और महत्वपूर्ण आदेश बताया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि उम्मीद है कि इस फैसले से देश में सांप्रदायिकता और अशांति फैलाने वालों पर रोक लगेगी। मामला संवेदनशील है, इसलिए कोर्ट इस पर अपना अंतिम फैसला सुनाएगा। हालांकि यह अंतरिम फैसला भी अपने आप में बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला है क्योंकि कोर्ट ने न सिर्फ मुस्लिम पूजा स्थलों के सर्वे पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है बल्कि अदालतों पर नए मामले दर्ज करने और सुनवाई करने पर भी रोक लगा दी गई है। मौलाना मदनी ने कहा कि संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे की आड़ में वहां जो कुछ हुआ या हो रहा है उससे साफ हो गया है कि मस्जिदों और दरगाहों पर मंदिर होने का दावा करके और उनके सर्वे की आड़ में सांप्रदायिक तत्व देश में अशांति फैलाकर सदियों पुरानी शांति और एकता और भाईचारे को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने अंतरिम फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि हमारा उद्देश्य इस देश में शांति-व्यवस्था की रक्षा करना है। हमें अतीत में झांकने से ज्यादा इस देश के भविष्य के निर्माण और इसके विकास में सभी वर्ग के लोगों के समान प्रतिनिधित्व पर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

जेल में बंद किसानों से नहीं मिल सका सपा का प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

नोएडा। यहां की लुक्सर जेल में बंद आंदोलनकारी किसानों से मिलने जा रहे समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने डीएनडी फ्लाईओवर पर रोक दिया और बैरंग लौटा दिया। इस दौरान पुलिस और सपा नेताओं के बीच नोंकझोंक हुई, लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे सपा नेता टिक न सके और पुलिस की मुलाकात की अनुमति नहीं मिलने के बाद प्रतिनिधिमंडल के सदस्य सूरजपुर स्थित पार्टी जिला कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने जेल में बंद किसानों के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान 10-12 किसानों का परिवार भी मौजूद रहा। इसमें महिलाएं भी शामिल रहीं।इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं ने किसानों की लड़ाई में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद सपा नेताओं ने पुलिस ज्वॉइंट कमिश्नर शिवहरि मीणा और जिलाधिकारी (डीएम) मनीष कुमार वर्मा से मुलाकात कर जेल में बंद किसानों को बिना शर्त रिहा करने की मांग की। सपा सांसद हरेंद्र मलिक ने जेल में बंद किसानों से मिलने पर रोक लगाए जाने को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन

करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। प्रदेश में आपातकाल जैसे हालात बन गए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि किसानों पर जेल में दुर्व्यवहार हो रहा है और सरकार सच्चाई छिपाने के लिए मुलाकात नहीं करने दे रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी संसद में किसानों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगी। प्रतिनिधिमंडल में सांसद नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। उन्हें उनके अधिकारों से वंचित कर शोषण किया जा रहा है। सरकार का रवैया आतंकियों जैसा है। सांसद लालजी वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी आंदोलनकारी किसानों की बिना शर्त रिहाई के लिए हर कदम उठाएगी और इस लड़ाई में किसानों के साथ खड़ी रहेगी।

QAUMI PATRIKA CLASSIFIED

NAME CHANGE
I, Keshav Dev Alias Keshav Dev Nagar S/O Ram Sharan Singh R/O Flat No.884 Pocket-D, Dilshad Garden, Fire Station , Dilshad Garden , East Delhi, Delhi-110095, have Change my name and shall hereafter be known as Keshav Dev Nagar.

NAME CHANGE
I, Deepak Sharma S/O G.S.Sharma R/O-4413-A, Second floor , Katra Lekh Ram Pahari, Dhiraj Gali , Bahuji , Sadar Bazar , Delhi G. P. O. , North Delhi , Delhi -110006, have changed the name of my minor daughter namely Angel Sharma aged 14 years and she shall hereafter be known as Akshara Sharma

NAME CHANGE
I, Amit Kumar S/O Kale R/O A-608, Mangolpuri N Block,PO: Mangolpuri , N Block , Dist: North West Delhi , Delhi -110083, have changed my name and shall hereafter be known as Anil Kumar

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Anjani Mehta D/O Sanjay Kumar Mehta R/O RZ-141,Manas Kunj Road, near Kalidhar Gurudwara, Uttam Nagar, D.K. Mohan Garden, PO: Uttam Nagar Dist: West Delhi, Delhi-110059, declare that name of my mother and father has been wrongly written as Seema and Sanjay in my all education documents the actual name of my mother and father are Seema Mehta and Sanjay Kumar Mehta.

NAME CHANGE
I, No. 2804009A Rank- HAV Name- JADHAV ARUN BHIVA, R/O VILL-PUNVAT, POST- PUNVAT, TEH- SHIRALA, DIST-SANGLI, PIN COD-415408, have changed my minor son name from AYUSH JADHAV to AYUSH ARUN JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 11.12.2024 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I. No. 15574779L Rank-HAV Name-SAWLE VIKRAM VASANT, R/O VILL-CHOUDHARY NAGAR, POST-DHANORI, TEH-HAVELI, DIST-PUNE, PIN-411015 have changed my minor daughter name from VRINDA VASANT SAWLE to VRINDA VIKRAM for all future purposes. Vide affidavit dated 10.12.2024. before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल पारस नाथ सोनी पुत्र श्री महादेव एंव उनकी पत्नी अमरावती सोनी पत्नी श्री पारस नाथ सोनी निवासी-टी-64सी, ईस्ट मेहरम नगर, साउथ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110010 ने अपने बड़े बेटे पंकज सोनी उम्र 32 वर्ष पुत्र श्री पारस नाथ सोनी को आज के दिन से ही अपनी समस्त चल व अच सम्पत्ति से बेदखल कर रहें है। और उनसे अपने सभी प्रकार के लेन-देन व सम्बन्ध विच्छेद कर रहें है. क्योंकि उसका व्यवहार मेरे मुवक्लिों के प्रति बिल्कुल खराब है और स्थिति नियंत्रण से बाहर है। उसके द्वारा किसी भी प्रकार का का किसी भी व्यक्ति के साथ किए गए लेन-देन या किसी नैतिक व अनैतिक कार्य के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होगें और व्यक्ति विशेष ही स्वंय उसका जिम्मेदार होगा।
RAJNI KANT Advocate
SEAT NO.9 HALL NO.4
DWARKA COURTS NEW DELHI-110075

PUBLIC NOTICE
It is to the public at large that my client Smt. Maya Devi W/o Late Sh.Sant Ram Rajput resident of B3/241, G/f, B3-Block, Vijay Enclave, Dwarka Puri, Palam Village, Delhi-110045, have debarred and disowned her son Mr. Vicky Rajput age about 34 years and his wife namely Mrs. Jyoti age about 30 years,(daughter-in-law)both R/o B3/241, G/f, B3-Block, Vijay Enclave, Dwarka Puri, Palam Village, Delhi-110045 from her movable and immovable properties and other assets, with immediate effect due to their disrespectful behavior and as they are out of control and have severed all her relations with them. If anybody deals in any manner with the above named person then they shall do it at their own risks and consequences. My client Smt. Maya Devi shall not be held liable or responsible for the same in any manner and have no concern/relations with the above named person in their life time or in future..
VARUN ADVOCATE
CH. NO. 301 3RD FLOOR, LAWYERS CHAMBER BLOCK
DWARKA, SECTOR-10, DWARKA COURT DELHI-110075

NAME CHANGE
I. No. 2821788K Rank- SEP Name-DHAWLE VAIBHAV KAILAS, R/O VILL-AKOLA, POST-AKOLA, TEH-AKOLA, DIST-AKOLA, PIN-444002 have changed my name from DHAWLE VAIBHAV KAILAS to DHAWALE VAIBHAV KAILAS for all future purposes. Vide affidavit dated 11.12.2024 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MEENAKSHI is legally spouse of No. 15574779L Rank- HAV Name- SAWLE VIKRAM VASANT, R/O VILL-CHOUDHARY NAGAR, POST-DHANORI, TEH-HAVELI, DIST-PUNE, PIN-411015, have changed my name from MEENAKSHI to SAWLE MEENA VIKRAM for all future purposes. Vide affidavit dated 10.12.2024. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I. MINAXI is legally spouse of No. 2804009A Rank-HAV Name- JADHAV ARUN BHIVA, R/o VILL- PUNVAT, POST-PUNVAT, TEH- SHIRALA, DIST-SANGLI, PIN COD-415408, have changed my name from MINAXI to MINAXI ARUN JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 11.12.2024 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I. No. 2804009A Rank-HAV Name- JADHAV ARUN BHIVA, R/O VILL-PUNVAT, POST- PUNVAT, TEH- SHIRALA, DIST-SANGLI, PIN COD-415408, have changed my minor daughter name from RIYA to RIYA ARUN JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 11.12.2024. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHALINI SRIVASTAVA W/O NITIN SRIVASTAVA resident of JA-51F BEHIND SWARG ASHRAM MANDIR HARI NAGAR DELHI-110064. Have changed my minor daughter name DAKSHITA SRIVASTAV to DAKSHITA SRIVASTAVA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Vinod Kumar S/o Amir Chand Kalra R/o House No.709-P, Sector-28, Faridabad, Haryana-121008, Have Changed My Name To Vinod Kumar Kalra For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, MANI RAM SHUKLA Father of JC-812791W, Rank-SUB, Name-ARVIND KUMAR SHUKLA residing at H NO-1063, KACCHI BASTI, GOVIND NAGAR, KANPUR, UTTAR PRADESH-208006, have changed my name from MANI RAM SHUKLA to MANIRAM SHUKLA for all future purposes vide Affidavit dated 13/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-736031X Rank-NB/SUB Name-DURODHARA REDDY G R/o VPO-PAMIDI, TEH-GOOTY, DIST-ANANTHAPURAMU, ANDHRA PRADESH-515775, have changed my wife's name from SARADA to GANGIREDDY GARI SARADA for all future purposes vide Affidavit dated 13/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SHILPA is legally spouse of No. 2800416L Rank- HAV Name- JAGTAP SUNIL JANARDHAN, R/O VILL VADIYERAIBAG, POST VADIYERAIBAG, TEH-KADEGAON, DIST-SANGLI, PIN-415305, STATE -MAHARASHTRA, have changed my name from SHILPA to SHILPA SUNIL JAGTAP for all future purposes. Vide affidavit dated 10.12.2024. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Giriraj Airan S/o Hira Lal Airan R/o 775, Ground Floor, Sector-14, Gurgaon, Haryana-122001 Have Changed My Name To Giriraj For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, Omprakash Singh S/o Gyaninder Singh R/o F No-7, Club Drive Road,Omee Farm House,Gadai Pur, South Delhi, Delhi-110030, Have Changed My Name To Om Prakash Lohia For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, ASMITA is legally spouse of No. 2808333P Rank-CHM Name- SUNDAKAR PREMCHAND MARUTI, Ro VILL-MALATWADI, POST MALATWADI, TEH CHANDGAD, DIST- KOLHAPUR, PIN -416508, STATE MAHARASHTRA, have changed my name from ASMITA to ASMITA PREMCHAND SUNDAKAR for all future purposes. Vide affidavit dated 10.12.2024. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No-2897721Y Rank-HAV Name-NARENDRA SINGH Father of NIVESH KUMAR R/o VPO-KHANDER TIKET PURA, TEH-FATEHABAD, DIST-AGRA, UTTAR PRADESH-283111 have changed my minor son's name from NIVESH KUMAR to NIVESH SINGH for all future purposes and in my service records my son's date of birth wrongly mentioned as 29/09/2006 instead of his correct date of birth as 28/09/2007 vide Affidavit dated 13/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUMAN is Mother of No. 2808330F Rank-SEP Name SURYWANSHI VINOD JAGANNATH, R AT GOTEWADI POST VISAPUR DIST SANGLI, STATE - MAHARASHTRA, PIN-416314, changed my name from SUMAN to SURYAWANSHI SUMAN JAGANNATH and date of birth from 04/09/1968 to 01/03/1968. Vide affidavit dated 11.12.2024. before Public Notary Delhi.

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Smt. Nisha Jain is the owner of Residential Property bearing no. B-377, Area Measuring 180 sq. yds, situated in the Layout Plan of Ministry of works Housing and Supply CO-OP. House Building Society Ltd. Known as Nirman Vihar, Delhi-110092. Vide Sale Deed dated 04.10.2005 Executed by Sh. Inderjeet Singh in favour of Smt. Nisha Jain In respect of the said property Doc no. 12217, Vol no. 1976, Book no. 1, Pages no. 54-62, SRO-VIII Delhi. Ministry of works Housing and Supply CO-OP. House Building Society Ltd. allotted the said property in favour of Sh. Sohan Singh Syan, Later, Perpetual Sub Lease Deed dated 17.12.1977 executed by Ministry of works Housing and Supply CO-OP. House Building Society Ltd. in favour of Sh. Sohan Singh Syan In respect of the said property, Doc no. 5201, later, Sh. Sohan Singh Syan died leaving behind legal heirs, Later, Relinquishment Deed dated 15.05.1989 executed by Mohinder Jeet Singh, Smt. Manjeet Kaur Sehata, Smt Dalbir Kaur Phul, Smt. Balbir Kaur in favour of Smt. Gurdayal Kaur In respect of the said property, Doc no. 12142, Later, Later, Conveyance Deed dated 14.08.1995 executed by DDA in favour of Smt. Gurdayal Kaur In respect of the said property, Doc no. 3347, later, Smt. Gurdayal Kaur died leaving behind legal heirs, Later, Notarized SPA dated 19/09/2005 executed by Mrs. Manjeet Kaur in favour of Smt Dalbir Kaur Phul In respect of the said property, Later, Notarized SPA dated 19/09/2005 executed by Smt. Balbir Kaur in favour of Smt Dalbir Kaur Phul In respect of the said property, Later, NRI GPA dated 19/09/2005 executed by Mohinder Jeet Singh in favour of Smt Dalbir Kaur Phul In respect of the said property, Later, Relinquishment Deed dated 30.09.2005 executed by Smt Dalbir Kaur Phul, Smt. Balbir Kaur, Sh. Harmohinder Jeet Singh alias Mohinder Jeet Singh, Smt. Manjeet Kaur Sehata in favour of Sh. Inderjeet Singh In respect of the said property, Doc no. 12142, Finally, Sale Deed dated 04.10.2005 executed in favour of our abovementioned client who intends to mortgage said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 13/12/2024
PRAGYABHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27, G.F, Kailash Colony, New Delhi-48, 9968006418

NAME CHANGE
I Anil Kumar Sabharwal S/O Amar Nath R/O -b-89, Near Shikshak Sadan Surajmal Vihar East Delhi-110092 Have Changed my name to Anil Sabharwal for all future purposes

NAME CHANGE
I, ARCHANA, W/o. APURBA DEKA, R/o. HOUSE NO-101, SECOND FLOOR, GALI NO-1B, SHAHBAD MOHAMMADPUR, SOUTH-WEST DELHI, NEW DELHI-110061, have changed my name from ARCHANA to ARCHANA KALITA DEKA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I, SANA RAHMAN D/o LATEEFUR RAHMAN R/o GIRD GONDA, FAIZABAD ROAD, GIRD GONDA BUS STATION, COLONELGANJ GONDA, UTTAR PRADESH-271003, I have change my Name SANA RAHMAN to OMAR MALLIK in all future purpose and I have change my Gender Female to Male in all future purpose.

NAME CHANGE
I, JAGANNATH is father of No. 2808330F Rank-SEP Name- SURYWANSHI VINOD JAGANNATH, R AT - GOTEWADI POST VISAPUR DIST SANGLI, STATE - MAHARASHTRA, PIN-416314, have changed my name from JAGANNATH to SURYAWANSHI JAGANNATH RAMCHANDRA and date of birth from 03/06/1958 to 04/07/1958 for all future purposes. Vide affidavit dated 11.12.2024. before Public Notary Delhi

DATE OF BIRTH CORRECTION
I, Lucky Sharma S/o Krishan Kumar Sharma R/o House No. B-110, Vinay Nagar, Amarnagar, Faridabad, Haryana-121003, declare that my Date of Birth has been wrongly mentioned as 01/01/2005 in my CBSE 10th class Marksheet-cum-Certificate, whereas my actual and correct Date of Birth is 08/01/2006 as per my Aadhaar Card No. 9800 0217 6258.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Haseen Haider s/o Mr. Rais Abbas is the owner of Freehold Residential Built-up Property bearing no. T-266, land area measuring 150 sq. yds, out of Khasra no.185, 187, situated at Village Ghonda Chauhan Khadar, in the abadi of Gali no.05, Gautam Puri, Illaqa Shahdara, Delhi-110053. By Virtue of Notarized General Power of Attorney, ATS and WILL dated 06.02.2024. in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of Late Mr. Rajiv Kumar Jain, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mohd Faim Qureshi and same has been finance by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida, U.P.
If any person is having objection right of claim against the said property, contact to undersigned along with supporting documents within 07 days from the date of publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained.
[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Smt. Ritika Nanda D/o U. N. Marwah is the owner of Flat no. 7 (which is part of the original Flat no. 7) on right rear Ground floor and Basement Flat No. 7A (which is also a part of original Flat no. 7), below Flat No. 7 (which is part of the original Flat no. 7) at right rear Basement floor area measuring 292.92 sq mtrs Constructed on Freehold Property no. N-118 situated in the layout plan of Panchila CHBS Ltd now known as Panchshila Park, New Delhi. Initially, Conveyance Deed dated 18.08.2009 executed by DDA in favour of Smt. Beeba K. Singh, Sh. Karamjit Singh Bedi and Sh. Verinder Singh Bedi in respect of Plot no. 118 area measuring 1200 sq yds as Doc. no. 11839, SR-VII., Later, Sale Deed dated 02.09.2016 executed by Smt. Beeba K. Singh, Sh. Karamjit Singh Bedi and Sh. Verinder Singh Bedi in favour of Sh. U. N. Marwah and Smt. Ritika Nanda in respect of Flat no. 7 (which is part of the original Flat no. 7) on right rear Ground floor and Basement Flat No. 7A (which is also a part of original Flat no. 7), below Flat No. 7 (which is part of the original Flat no. 7) at right rear Basement floor Constructed on Freehold Property no. N-118 as Doc. no. 4940, vol. no. 1522, page no. 60-81, SR-VA., Finally, Release Deed dated 13.04.2017 executed by Sh. Upendra Nath Marwah (U. N. Marwah) in favour of Smt. Ritika Nanda in respect of 50% undivided share of Flat no. 7 (which is part of the original Flat no. 7) on right rear Ground floor and Basement Flat No. 7A (which is also a part of original Flat no. 7), below Flat No. 7 (which is part of the original Flat no. 7) at right rear Basement floor Constructed on Freehold Property no. N-118 as Doc. no. 1888, vol. no. 1751, page no. 159-164, SR-VA. who intends to mortgage said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 13/12/2024
PRAGYABHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27, G.F, Kailash Colony, New Delhi-48, 9968006418

हरियाणा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन बने पंकज अग्रवाल

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा तथा चुनाव विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के आयुक्त एवं सचिव पंकज अग्रवाल को हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड, भिवानी के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। हरियाणा सरकार ने यह आदेश जारी किया है। पंकज अग्रवाल हरियाणा कैडर के ही 2000 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

खेल नेतृत्व, टीमवर्क और अनुशासन सिखाता है: डा. शिवम शर्मा

सोनीपत। साई फिट इंडिया सैलिब्रेशन के तहत प्रताप स्कूल खरखौदा में को हुई खेल कूद प्रतियोगिताके समापन समारोह में साई के रिजनल डायरेक्टर डॉ शिवम शर्मा ने बतौर मुख्यअतिथि भाग लेकर कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व, टीमवर्क और अनुशासन सिखाता है। मैं सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं। शिक्षा एवं खेलों के अदभुत संगम को देखने को मिला है। शिक्षा एवं खेलों की सुविधा प्रताप विद्यालय में उपलब्ध है। यह अनुपम उदाहरण है। रिजनल डायरेक्टर साई व एसिसटैंट डायरेक्टर मीता भारद्वाज ने विजेताओं को सम्मानित किया। एसएन डायेक्टर साई के बाबू राम, अशोक कुमार, बलवंत सिंह सीनियर साई कोच भी उपस्थित रहे। द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, खेल निदेशक प्रताप स्कूल व प्राचार्या दया दहिया ने मुख्य अतिथियों का बुके भेंट स्वागत किया। समापन समारोह में आए मेहमानों को स्मृति चिह्न स्वरूप शॉल भेंट कियागया। साई कोच ओमप्रकाश, अंकित मलिक, नवीन, रोहित दहिया, मोहित पंवार, देवराज मलिक आदि भी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती राव सिंह ने अटेली में सुनी जन समस्याएं

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने अटेली क्षेत्र का दौरा कर स्थानीय नागरिकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आमजन की शिकायतें सुन अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, क्षेत्रीय अस्पतालों में स्टाफ की कमी और दवाइयों की उपलब्धता को लेकर तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। तिगरा गांव के किसान बिरेंद्र सिंह की खेत में काम करते हुए कुएं में गिरकर मृत्यु हो गई थी, जिसकी एवज में कृषि विपणन बोर्ड की तरफ से उनकी पत्नी सुमन देवी को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने पांच लाख का चेक दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसान हितेषी है।इस मौके पर डिप्टी सीएमओ डा विजय, जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान, मार्केट कमेटी सचिव अटेली सुनीता फौगाट, नगर पालिका सचिव अनिल कुमार, बीडीपीओ नवदीप, जन स्वास्थ्य विभाग से कार्यकारी अभियंता प्रदीप कुमार व बिजली विभाग से एसडीओ दीपक सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत स्कूली बसों का किया निरीक्षण

जींद। स्कूलों में बच्चों को लाने व ले जाने के काम में प्रयोग की जा रही बसें सुरक्षित हों, इस बात को लेकर एसडीएम उचाना डा. किरण सिंह ने उचाना उपमंडल के कई स्कूलों में जाकर बसों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। डा. किरण सिंह ने निजी स्कूल संचालकों को सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी का अनुसरण करने के निर्देश दिए और कहा कि सभी नीजी स्कूल संचालक सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के अनुसार की वाहन चलाएं ताकि स्कूल में पढने वाले छात्र व छात्राओं को होने वाली दुर्घटनाओं से बचाया जा सके। उन्होंने निजी स्कूल संचालकों को आह्वान किया कि सरकार द्वारा बनाई गई सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी द्वारा ही स्कूल वाहनों को सुरक्षित रूप से चलाने के लिए अनुसरण करें। उचाना उपमंडल के स्कूलों में पढने वाले बच्चों को घर से स्कूल तक लाने व ले जाने के लिए जिन वाहनों का प्रयोग किया जाता है, उन वाहनों के संचालन में पॉलिसी में जारी निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने आम लोगों से भी अनुरोध किया है कि वे अपने बच्चों को स्कूल में स्वयं छोड़ें या स्कूल में भेजने के लिए स्कूल बस का ही प्रयोग करें। किसी अन्य अवैध वाहन का प्रयोग ना करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी स्कूल संचालक इन निर्देशों की अवहेलना कर वाहन चलाता हुआ पाया गया तो उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान सुरक्षित वाहन पॉलिसी के मानकों जैसे स्पीड गवर्नर, ऑनर का नाम, बस पर पीला पेंट, फिटनेस सर्टिफिकेट, ड्राइवर का समय-समय पर हैल्थ चेकअप, ड्राइवर संबंधित लाइसेंस की जांच, आधार नंबर व मोबाइल नंबर आदि चेक करें।

कुरुक्षेत्र में यातायात की भीड़ कम करने के लिए बनेगा बाईपास: नायब सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र सरकार ने कुरुक्षेत्र बाईपास के निर्माण के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है, जिसका निर्माण जल्द ही शुरू किया जाएगा। इस बाईपास के निर्माण से न केवल कुरुक्षेत्र निवासियों को बल्कि आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को भी लाभ मिलेगा, जिससे इस पवित्र भूमि में बेहतर कनेक्टिविटी और बेहतर बुनियादी ढांचा सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान 48 कोस तीर्थ सम्मेलन में तीर्थ स्थलों के प्रमुख जनों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, तंजानिया की पर्यटन मंत्री पिंडी चाना, गीता मनीषी

स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने 48 कोस परिक्रमा के सभी तीर्थ स्थलों के प्रमुख जनों से आग्रह करते हुए कहा कि वह आगे आएं और कुरुक्षेत्र को देश का सबसे स्वच्छ स्थान बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि अगर हम सब मिलकर इस कार्य में सहयोग करें तो 48 कोस में फैला यह धार्मिक क्षेत्र निःसंदेह पूरे देश में स्वच्छता के मामले में अग्रणी बन सकता है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि ब्रज की 84 कोस यात्रा की तर्ज पर 48 कोस कुरुक्षेत्र भूमि पर स्थित तीर्थों की यात्रा भी शुरू की जाएगी। इसके अलावा कुरुक्षेत्र को भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा और पवित्र नगरी हरिद्वार से जोड़ने के लिए रेल सेवा भी शुरू की जाएगी। कृष्ण सर्किट योजना के तहत महाभारत युद्ध से संबंधित 134 स्थलों को लगभग 175 करोड़ रुपये के अनुमानित लागत से पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। गीता स्थली, ज्योतिसर में 205 करोड़ रुपये के निवेश से महाभारत थीम पर आधारित ज्योतिसर अनुभव केंद्र का निर्माण भी किया जा रहा है। इस अनुभव केंद्र का हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली उद्घाटन किया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि कुरुक्षेत्र की 48 कोस भूमि में 367 तीर्थ स्थल हैं, जिनमें से कुछ समय के साथ लुप्त हो गए हैं।

सेक्टर-57 में अगले 15 दिन में पेयजल आपूर्ति के लिए लगेगा ट्यूबवैल

एजेंसी
गुरुग्राम। समाधान शिविर में सेक्टर-57 में रखी गई पेयजल की समस्या की शिकायत को नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने गंभीरता से लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेक्टर-57 क्षेत्र के नागरिकों की पेयजल आपूर्ति की समस्या का समाधान करने के लिए अगले 15 दिन में ट्यूबवेल लगाना सुनिश्चित किया जाए। निगम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में समस्या लेकर पहुंचे नागरिकों ने बताया कि सेक्टर-57 के मकान नंबर-3548 से 3612 तक पेयजल आपूर्ति की कमी रहती है। जिसकी वजह से नागरिकों को परेशानी हो रही है। उन्होंने निगमायुक्त से अनुरोध किया कि इस समस्या के समाधान के लिए वहां पर ट्यूबवेल लगाया जाए। निगमायुक्त ने मौके पर उपस्थित सहायक अभियंता कृष्ण कुमार से इस बारे में जानकारी ली तथा अगले 15 दिन में ट्यूबवेल लगाने के निर्देश दिए। समाधान

शिविर में निगमायुक्त के समक्ष 14 शिकायतें आई, जिनकी सुनवाई के दौरान निगमायुक्त ने अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों के समाधान में समय लगना है, उनकी समयसीमा निर्धारित करके आगामी कार्रवाई शुरू करवाएं तथा की जा रही कार्रवाई के बारे में समय-समय पर शिकायतकर्ता को अवगत कराते रहें।

जीवन जीने की कला सिखती है गीता: मोहन लाल बडौली

एजेंसी
सोनीपत। सुभाष स्टेडियम सोनीपत में जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह भव्य दीपोत्सव और पुरस्कारवितरण के साथ समापन हुआ। बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने 1000 दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की और मंगलकामना की कि सबके जीवन से दुख और अंधकार का नाश हो। उन्होंने कहा कि गीता हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। गीता ऐसा धार्मिक ग्रंथ है जो शांति और संतुष्टि का मार्ग दिखाती है। प्रदेशाध्यक्ष ने गीता के संदेश को युवाओं के लिए मार्गदर्शक बताया। उन्होंने कहा कि गीता सिखाती है कि कर्म करते समय फल की चिंता न करें और कर्मयोग के मार्ग पर चलें। उन्होंने हरियाणा सरकार के अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव और जिला स्तरीय आयोजनों की सराहना की, जिससे गीता का संदेश जन-जन तक पहुंच रहा है। समारोह में गीता पर आधारित भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं ने भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूली छात्र-छात्राओं और चंडीगढ़के कलाकारों ने गीता आधारित प्रस्तुतियां दीं। दीपोत्सव में भी स्कूली छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने शुगर व रक्त जांच शिविर लगाकर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। विभिन्न विभागों ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, जबकि सामाजिक संस्थाओं ने पर्यावरण संरक्षण और मानव सेवा का संदेश दिया। समापन समारोह में प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने गीता महोत्सव में भाग लेने वाली सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं का आभार जताते हुए उनको सम्मानित किया। मोहन सिंह मनोचा, शशिकरणनासा, नरेन्द्र भुटानी, प्रवीण वर्मा, संजय सिंगला, वाईके त्यागी, रविन्द्र सरोहा, सुरेश कालरा, योगेन्द्र सरोहा, दिनेश तनेजा, ऊषा भंडारी, मदनलाल तनेजा, सुभाष अरोड़ा,पवन तनेजा, हवा सिंह, बीआर आहुजा,जगत सिंह सहित विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों व विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया।

निजी या सरकारी जमीन पर कचरा डंपिंग प्वाइंट बनाया तो होगी कार्रवाई

एजेंसी
गुरुग्राम। निजी या सरकारी भूमि पर कचरा डालकर डंपिंग प्वाइंट बनाने वालों से अब जिला प्रशासन व नगर निगम सख्ती से निपटेगा। इसके तहत अगर कोई व्यक्ति अपनी निजी जमीन या सरकारी भूमि पर कचरा डंपिंग प्वाइंट बनाता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह बात मंडल आयुक्त आरसी बिढान ठोस कचरा पर्यावरण आवश्यकता कार्यक्रम (स्वीप) की समीक्षा बैठक ले रहे थे। बैठक में गुरुग्राम के उपायुक्त अजय कुमार, नगर निगम आयुक्त अशोक कुमार गर्ग, अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह सहित सभी संयुक्त आयुक्त, वार्डो वाईज नियुक्त एचसीएस नोडल अधिकारी मौजूद रहे। मंडल आयुक्त ने कहा कि नियम के अनुसार कोई भी व्यक्ति अपनी भूमि पर भी कचरा नहीं डाल सकता, क्योंकि इससे आसपास के क्षेत्रों में गंदगी तो फैलती ही है, साथ ही पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर देखा गया है कि कुछ लोग निजी या सरकारी भूमि पर कचरा डंपिंग यार्ड बनाकर कचरे की छंटाई आदि का कार्य कर रहे हैं। ऐसे लोग बिक्री होने लायक कचरे को अलग-करते हैं। शेष बचे कचरे को सार्वजनिक

स्थानों जैसे ग्रीन बैल्ट, सडक किनारों या खाली प्लाटों में फेंक देते हैं।अक्सर देखा जाता है कि लोग पॉलीथिन का इस्तेमाल करके उसे इधर-उधर फेंक देते हैं। जिससे आसपास के क्षेत्र में गंदगी फैलती है तथा कई बार इससे नालियां व सीवरेज जाम की समस्या भी पैदा होती है। बैठक में बताया गया कि गुरुग्राम की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के लिए माननीय उच्च न्यायालय द्वारा 20 लोकल कमिश्नर नियुक्त किए गए हैं। वरिष्ठ सफाई निरीक्षक का एक माह का वेतन काटने के निर्देश सफाई कार्य की समीक्षा के दौरान नगर निगम गुरुग्राम के जोन-3 क्षेत्र में नियुक्त वरिष्ठ सफाई निरीक्षक हर्ष चावला द्वारा संतुष्टिपूर्ण जवाब नहीं देने तथा क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बेहतर नहीं मिलने के चलते मंडलायुक्त आरसी बिढान ने उनका एक माह का वेतन काटने के निर्देश दिए। साथ ही सभी वरिष्ठ सफाई निरीक्षकों को चेतावनी भी दी कि वे कभी भी और किसी भी क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान अगर सफाई व्यवस्था सही नहीं पाई जाती है तो कार्रवाई की जाएगी।

फर्टिलाइजर के ड्रमों में शराब भरकर गुरुग्राम से बिहार भेजने की थी तैयारी, सीएम फ्लाइंग ने मारा छापा

एजेंसी
गुरुग्राम। मुख्यमंत्री उडऩदस्ता गुरुग्राम द्वारा जिला के गांव बाबरा बाकीपुर पर वी-ट्रान्स ट्रांसपोर्ट/कूरियर कंपनी के गोदाम पर छापेमारी करके भारी मात्रा में शराब पकड़ी है। 20-20 किलो के लोहे के ड्रमों में बुरादा डालकर इस अवैध शराब की तस्करी बिहार में की जाती थी। बिहार में शराब बंदी है।

मुख्यमंत्री उडऩदस्ता को गांव बाबरा बाकीपुर में अवैध शराब होने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर टीम ने रेड करके 20-20 किलो के लोहे के ड्रमों में बुरादा डालकर शराब भरी हुई थी। लोहे के ड्रमों पर फर्टिलाईजर लिखा हुआ था। मुख्यमंत्री उडनदस्ता द्वारा भारी मात्रा में अवैध शराब की बिहार राज्य में तस्करी करने वालों को मौके पर रंगे हाथों पकड़ा

गया। क्योंकि बिहार राज्य में शराब बन्दी लागू है। इसलिए वे यहां से शराब की सप्लाई करते थे। मुख्यमंत्री उडऩदस्ता गुरुग्राम व आबकारी विभाग गुरुग्राम द्वारा की गई चेकिंग के दौरान उस स्थान पर पंजाब व चण्डीगढ़ डिस्कलरी से बनी हुई अंग्रेजी शराब मार्का रोयल स्टैग की 1407 बोतल व ऑल सीजन मार्का की 1532 बोतलें बरामद हुई। छापेमारी के दौरान मौके पर वी-ट्रान्स नामक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मैनेजर नीरज से अवैध शराब के बिल बरामद हुए। इन बिलों की जी.एस.टी. विभाग गुरुग्राम से जांच कराई गई तो वे फर्जी पाए गए। मैनेजर नीरज ने कंपनी के और भी सीनियर स्तर के अधिकारियों की मिलीभगत का भी खुलासा किया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि वी-ट्रान्स नामक ट्रांसपोर्ट कंपनी पहले भी 8-10 बार अवैध शराब की खेप बिहार में भेज चुकी है।वी-ट्रान्स नामक ट्रांसपोर्ट/कोरियर कम्पनी के माध्यम से अवैध शराब को बिहार में भेजने की तैयारी थी, जिसकी गुप्त सूचना पर मुख्यमंत्री उडऩदस्ता ने भंडाफोड़ कर दिया। आबकारी विभाग गुरुग्राम द्वारा वी-ट्रान्स नामक ट्रांसपोर्ट/कोरियर कम्पनी के मैनेजर नीरज कुमार व कंपनी के सीनियर स्तर के अधिकारियों व अन्य आरोपियों के खिलाफ थाना फर्रूखनगर में केस दर्ज किया गया है।

पर्वतारोहण जैसे साहसिक खेलों को सहयोग दे सरकार : मीनू कालीरामन

एजेंसी
हिसार। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस के अवसर पर देश की प्रसिद्ध पर्वतारोही हिसार निवासी मीनू कालीरामन ने पर्वतारोहण के महत्व और इसके जरिए युवाओं को प्रेरित करने पर जोर दिया है। मीनू कालीरामन, जिन्होंने एक ही अभियान में माउंट एवरेस्ट और माउंट लहोत्से का सफलतापूर्वक आरोहण किया, ने अब तक विश्व की अन्य शीर्ष 4 एवरेस्ट चोटियों को भी फतह कर देश का मान बढ़ाया है।मीनू ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि पर्वत हमें सिखाते हैं कि कठिनाइयों से डरने के बजाय उनका सामना करना चाहिए। ऊंचाई केवल शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी हासिल की जा सकती है। युवा अपनी सीमाओं से बाहर निकलें और सपनों को सच करने के लिए निरंतर प्रयास करें। मीनू कालीरामन ने सरकार से अपील की कि पर्वतारोहण जैसे साहसिक खेलों में रुचि रखने वाले युवाओं को बेहतर संसाधन और सहयोग उपलब्ध करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि एवरेस्ट जैसे अभियानों के लिए आर्थिक मदद और सही प्रशिक्षण बेहद जरूरी है। सरकार को ऐसी योजनाओं और संस्थानों को बढ़ावा देना चाहिए जो साहसी युवाओं को इन अभियानों के लिए तैयार करें। उन्होंने युवाओं से कहा कि कि कठिन लक्ष्य भी कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय से हासिल किए जा सकते हैं। पर्वतारोहण से न केवल शारीरिक और मानसिक मजबूती मिलती है, बल्कि यह हमारे भीतर प्रकृति के प्रति सम्मान और आत्म-विश्वास को भी बढ़ाता है।

गीता जयंती के समापन पर शहर में निकली शोभायात्रा, लोगों ने बरसाए फूल

एजेंसी
कैथल। गीता जयंती के अवसर पर शहर में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा में 151 महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर शहर का भ्रमण किया और नगर कीर्तन कर गीता के उपदेश जीवन में अपने का संदेश दिया। शोभायात्रा में धार्मिक संस्थाओं ने विभिन्न आध्यात्मिक झांकियां निकाली। जिन पर रास्तों में लोगों ने फूल बरसाए। इस दौरान गीता की सुसज्जित पालकी पर भी फूल बरसाए गए। स्कूली बच्चों ने हाथो में पट्टियां लेकर आमजन मानस को कृष्ण भक्ति के रंग में रंग दिया। शोभा यात्रा को माता गेट के सूरजकुंड मंदिर से हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने मानव जाति के कल्याण के लिए अर्जुन को गीता का अमर संदेश दिया था। गीता के एक-एक श्लोक में जीवन की हर समस्या का समाधान समाहित है। भारत ही नहीं, समूचे विश्व ने महान ग्रंथ गीता की महत्ता को समझते हुए उसे अपनाया है। गीता मार्ग से भटकने वाले लोगों को, स्पष्ट मार्ग दिखाने में समर्थ है। शहर

वासियों को इस संदेश से अवगत करवाने के लिए भव्य नगर शोभा यात्रा निकाली गई है। शोभा यात्रा में रथों पर सवार संत महात्माओं जिसमें महंत ईश्वर दास, महंत त्रिवेणी दास, महंत गिरीराज, डा. मनोज कुमार ने शोभायात्रा की बग्गी में सवार होकर लोगों को गीता संदेश दिया।

तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव में जिले की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं का सहयोग रहा। जिनमें मुख्य रूप से बर्फानी सेवा मंडल, समाज सेवी संस्था प्रयास, श्री श्याम रसोई कैथल, जीयो गीता, श्री गिरीराज मित्र मंडल, श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति, नीलकंठ सेवा मंडल, पंजाबी वेल्फेयर सभा, नौंवी पातशाही गुरूद्वारा, मदनी मदरसा, जीवन रक्षक दल, अखिल भारतीय मानव सेवा समिति, हिंदू महासंघ सभा, पंजाबी सेवा सदन, श्री गीता भवन मंदिर समिति, राधे-राधे रेलवे गेट, हनुमान मंदिर समिति सहित अन्य संस्थाएं शामिल रही।

विधायक कृष्णा गहलोत ने नगर शोभा यात्रा को झंडी दिखाई

एजेंसी
सोनीपत। राई की विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को महाभारत युद्ध में दिए गीता के उपदेश वर्तमान में भी प्रासंगिक हैं। गीता के संदेश में बताया गया है कि आत्मा अजर-अमर है और केवल अच्छे कर्म ही मनुष्य के साथ जाते हैं। जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव-2024 के अंतिम दिन विधायक गहलावत ने सेक्टर-15 स्थित कम्युनिटी सेंटर से नगर शोभा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। शोभा यात्रा में गीता पालकी, धार्मिक झांकियां, बैंड, और गीतों के माध्यम से गीता के संदेशों का प्रचार किया गया।

नगरवासियों ने गीता पालकी की पूजा कर गीता को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।यह यात्रासेक्टर-15 से शुरू होकर डीएवी स्कूल, गांधी चौक, बस स्टैंड, ककरोई चौक, तिरंगा चौक होते हुए सुभाष स्टेडियम में संपन्न हुई। झांकियों में गणेश, भगत सिंह, भारत माता, श्रीकृष्ण और गीता पालकी सहित 25 झांकियां शामिल थीं। शोभा यात्रा में एनसीसी और स्काउट्सगाइड के बच्चों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रममें अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, नगराधीश रेणुका नांदल और डीआईपीआरओ राकेश गौतममौजूद रहे। कार्यक्रम में सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, एनजीओ, और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस आयोजन ने गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और इसे जीवन मेंअपनाने की प्रेरणा दी।

समाज व देश के प्रति चिकित्सकों की जिम्मेदारी अहम: आनंद कुमार

एजेंसी
नारनौल।प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला महेंद्रगढ़ को वर्ष.2025 को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य है, ऐसे में सभी स्वास्थ्य अधिकारी स्क्रीनिंग व ट्रीटमेंट पर पूरा फोकस रखें। यह निर्देश अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने टीबी फॉर्म की जन भागीदारी बैठक में दिए। डा. आनंद कुमार शर्मा ने स्पष्ट कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए प्रधानमंत्री के जन भागीदारी अभियान को आगे बढ़ाया जाए?। जिला में फिलहाल 1193 टीबी मरीजों का इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि समाज व देश के प्रति चिकित्सकों की जिम्मेदारी अहम होती है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि अच्छा काम करने वालों को रिवॉर्ड दिया जाएगा। यदि इस मामले में कोई चिकित्सा अधिकारी लापरवाही करेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की 15 दिन के अंदर टीबी के संबंध में समीक्षा बैठक लेंगे। उन्होंने कहा कि गोद लेने के लिए नागरिक निक्षय पोर्टल पर आनलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। इस कार्यक्रम में निक्षय योजना के तहत कोई भी नागरिक टीबी मरीज को गोद लेकर उसे प्रोटीन युक्त खाद्य सामग्री दे सकता है। किसी नागरिक एसएमओ डॉ नवीन ने बताया कि टीबी मरीजों की सहायता करने के लिए कोई भी नागरिक निक्षय मित्र बन सकता है। इसके लिए एक पोर्टल बनाया गया है जिस पर वह किसी भी प्रकार की सहायता के लिए अपने आप को पंजीकृत करवा सकता है।

द्वारा की गई यह छोटी सी मदद उस मरीज को इस बीमारी से निजात दिलाने में बहुत बड़ी मदद करती है। उन्होंने कहा कि दान व कर्म करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। ऐसे में स्वस्थ समाज के निर्माण में हर नागरिक अपनी भूमिका निभाए। इस कार्य के लिए सबसे पहले उसे कम्युनिटीसपोर्ट डॉट निक्षय डॉट इन पर जाना होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान पर क्लिक करना है। फिर निक्षय मित्र पंजीकरण फार्म भरने के बाद जिस मरीज की आप सहायता करना चाहते हैं।

एविएशन क्षेत्र में अमेरिका के बड़े निवेश से हिसार को होगा फायदा : अशोक

एजेंसी
हिसार। भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने अमेरिका द्वारा हरियाणा के एविएशन क्षेत्र में बड़ा निवेश किए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि इस अमेरिकी निवेश से हिसार जिले को सबसे बड़ा फायदा होने वाला है। जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश दिन दोगुनी व रात चौगुनी उन्नति कर रहा है। निवेशकों के लिए भी हरियाणा पहली पसंद बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में मुख्यमंत्री से मुलाकात करके हरियाणा में एविएशन क्षेत्र में बड़ा निवेश करने का ऐलान किया है। इससे प्रदेश में रोजगार के लगभग एक लाख रोजगार पैदा होंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली स्थित हरियाणा

भवन में अमेरिका व हरियाणा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान अमेरिकी एंबेसडर एरिक गार्सेटी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बीच हुई वार्ता में यह बात तय हुई कि अमेरिका एविएशन सेक्टर में बड़ा निवेश करेगा। इससे हिसार को बड़ा फायदा होगा और इंटीग्रेटिड एविएशन हब हिसार के लिए तकनीकी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि तय समझौते के तहत अमेरिका 1.25 मिलियर डॉलर का निवेश हरियाणा में करेगा जिससे हरियाणा का एविएशन सेक्टर तेजी से विकास करेगा। हरियाणा की कारगो क्षमता बढ़ेगी और नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा हरियाणा में इतने बड़े स्तर पर निवेश किया जाना मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व व कुशल नीतियों का परिणाम है।

NAME CHANGE
It is for general information that I, NARINDER SINGH BENIWAL S/o HARI SINGH R/o House No. 2211, Sector-8, Faridabad Sec-7, Faridabad, Haryana-121006, declare that name of mine has been wrongly written as NARINDER SINGH BEHNEWAL in my Service Record and 10th class educational documents. The actual name of mine is NARINDER SINGH BENIWAL, which may be amended accordingly.

टाटा मोटर्स ट्रकों और बसों की कीमत एक जनवरी से दो फीसदी तक बढ़ाएगी

एजेंसी
नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी व्यावसायिक वाहन का निर्माता कंपनी कंपनी टाटा मोटर्स ने ट्रकों और बसों की कीमतें एक जनवरी 2025 से दो फीसदी तक बढ़ाने का ऐलान किया है। इससे पहले कंपनी ने अपने कार की कीमतों में तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी। टाटा मोटर्स ने जारी एक बयान में बताया कि कच्चे माल की बढ़ती लागत के कारण मूल्य वृद्धि आवश्यक हो गई है। कंपनी ने कहा कि वाहनों की कीमतें मॉडल तथा संस्करणों के अनुसार अलग-अलग होंगी, लेकिन यह लागू ट्रकों और बसों की पूरी श्रृंखला पर होगी। कंपनी ने कहा कि नई दरें एक जनवरी 2025 से लागू होंगी। इससे पहले मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर इंडिया और टाटा मोटर्स के साथ-साथ अन्य लग्जरी यात्री वाहन तथा कार निर्माता कंपनियों मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू तथा ऑडी ने पहले ही जनवरी 2025 से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा कर चुकी हैं।

सोना 80 हजार के करीब पहुंचा, चांदी की घटी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने का भाव 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचता नजर आ रहा है। सोना आज 800 रुपये से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये से लेकर 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये से लेकर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत घट कर 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

हर साल 10 हजार किसानों को सशक्त बना रही है पर्नोड रिकार्ड

नयी दिल्ली। पर्नोड रिकार्ड इंडिया (पीआरआई) पर्यावरण के अनुकूल खेती करने और लोगों को सशक्त बनाने के लिए अपनी परिवर्तनकारी पहलों से ग्रामीण विकास को बढ़ावा दे रही है। वाटर, एग्रीकल्चर, लाइवलीहुड (वाल) के क्षेत्र में सीएसआर प्रोग्राम के तहत हर साल 10,000 से ज्यादा किसानों के साथ मिलकर काम कर रही है।कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इससे कृषि के क्षेत्र में मजबूती, नई-नई खोजों तथा समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है। 'वाल' मुख्य रूप से सामुदायिक आधार पर पूरे साल पानी की सुलभ बनाने (2019 से 2355 संरचनाओं द्वारा भूमिगत जल के रिचार्ज की क्षमता 448.4 करोड़ लीटर हो चुका है), बेहतर उत?पादन के लिये माइक्रो-इरिगेशन को बढ़ावा देने, सूखे से निपटने, संसाधनों का अच्?छे से उपयोग करने और स?थानीय आधार पर वैल्?यू चेन बनाने पर केन्द्रित है। इसकी सहायता से अब तक कृषि उपज को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने में सफलता मिली है और इनपुट का खर्च 22 प्रतिशत कम हुआ है। सभी की सफलता पर पीआरआई का केन्द्रित होना 5 राज्?यों में उसके 8 फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशंस (एफपीओ) में दिखता है। यह राज्य हैं राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, पंजाब और उत्तर प्रदेश। इससे 150 गांवों में 4000 से ज्यादा किसानों की कमाई बढ़ रही है। छोटे और सीमांत किसानों द्वारा संचालित यह एफपीओ सहयोग को बढ़ावा देते हैं, वैज्ञानिक जानकारियाँ प्रदान करते हैं और महत्वपूर्ण संसाधनों इनपुट्स, क्रेडिट और बाजार की समझ तक पहुँचाते हैं।

वीवो का एक्स 200 सीरीज लाँच

नयी दिल्ली। स्मार्टफोन ब्रांड वीवो ने आज भारत में अपनी बहुप्रतीक्षित एक्स200 सीरीज़ का अनावरण किया जिसमें वीवो एक्स 200 प्रो और वीवो एक्स 200 स्मार्टफोन शामिल है। इस स्मार्टफोन की कीमत 94999 रुपये तक है। वीवो इंडिया के उत्पाद प्रबंधन प्रमुख विकास टैगरा ने इस सीरीज को लॉन्च किये जाने के मौके पर कहा कि इन नए फ्लैगशिप स्मार्टफोन ने फोटोग्राफी, प्रदर्शन और डिज़ाइन के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। 200 एमपी जाइस एपीओ टेलीफोटो कैमरा, फ्लैगशिप मीडियाटेक डाइमेंसन 9400 और भारत की पहली 6000 एमएएच सेमी-सॉलिड-स्टेट बैटरी जैसी इंडस्ट्री-फर्स्ट सुविधाओं के साथ, एक्स 200 सीरीज़ उपयोगकर्ताओं को पहले कभी न देखे गए तरीके से कैप्चर करने, प्रदर्शन करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने की शक्ति देती है। एक्स 200 प्रो में भारत का पहला 200 एमपी जाइस एपीओ टेलीफोटो कैमरा है साथ ही 50 एमपी जाइस ट्रू कलर मेन कैमरा और 50एमपी अल्ट्रा वाइड-एंगल कैमरा है। एक्स 200 में 50एमपी वीसीएस ट्रू कलर मेन कैमरा, 50एमपी जाइस टेलीफोटो कैमरा और 50एमपी अल्ट्रा वाइड-एंगल कैमरा है। उन्होंने कहा कि एक्स 200 प्रो बेहतरीन टिकाऊपन और आकर्षक डिज़ाइन के साथ अत्याधुनिक इमेजिंग तकनीक को बेहतरीन तरीके से जोड़ता है, जिसमें शानदार क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले और स्लिम प्रोफ़ाइल है।

एमजेन ने नवीन गुल्लापल्ली को भारत में परिचालन एमडी नियुक्त किया

एजेंसी
नई दिल्ली। एमजेन ने नवीन गुल्लापल्ली को एमजेन इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) के पद पर नियुक्त किया है। वह भारत में एमजेन इंडिया की हैदराबाद स्थित टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन साइट का नेतृत्व करेंगे। गुल्लापल्ली के पास फार्मास्युटिकल्स, फाइनेंस और टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में ग्लोबल ऑपरेशंस को नेतृत्व प्रदान करने तथा अन्य संबंधित दायित्वों का लंबा अनुभव है। भारत में एमजेन के राष्ट्रीय कार्यकारी सोम चट्टोपाध्याय ने कहा, हम एमजेन में नवीन गुल्लापल्ली का स्वागत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं। चट्टोपाध्याय ने कहा कि इनोवेशन में तेजी लाने और दुनिया भर में बुजुर्ग हो रही आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए बायोटेक और टेक्नोलॉजी का मेल कराने के हमारे

वैश्विक दृष्टिकोण के मद्देनजर एमजेन इंडिया की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। चट्टोपाध्याय ने कहा कि नवीन गुल्लापल्ली के पास कार्य का लंबा अनुभव और नेतृत्व क्षमता है, जिसके बलबूते वह हमारी इस नई साइट को सफलता के रास्ते पर आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा, भारत में उपलब्ध प्रतिभाशाली पेशेवर एमजेन के लिए अपनी कार्यप्रणालियों में विश्व-स्तरीय उत्कृष्टता लाने के साथ-साथ ऑपरेशन, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के स्तर पर बदलाव लाने के अवसरों को प्रदान करते हैं। एमजेन ने अगस्त 2024 में हैदराबाद में अपनी टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन साइट का ऐलान किय था, जो कि डिजिटल तथा नवाचार के स्तर पर इसके प्रयासों में तेजी लाने की दृष्टि से काफी अहम है। इन प्रयासों के चलते अधिकाधिक मरीजों तक सेवाएं पहुंचाने के एमजेन के इरादों को और मजबूती मिलेगी। एडवांस टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस और डिजिटल क्षमताओं का निर्माण करने तथा उनमे विस्तार करने की नीति पर जोर देते हुए एमजेन इंडिया समूचे उद्यम के लिए दक्षताओं को बढ़ावा देकर एआई, डेटा साइंस और लाइफ साइंस जैसे क्षेत्रों को समर्थन देगी। उल्लेखनीय है कि एमजेन से पहले नवीन गुल्लापल्ली नोवार्टिस के हैदराबाद स्थित ग्लोबल सेंटर के विकास में प्रमुख भूमिका निभा चुके हैं।

पंकज चौधरी से मिले भूटान के वित्त मंत्री, कई अहम मुद्दों पर हुई बातचीत

एजेंसी
नई दिल्ली। भूटान के वित्त मंत्री ल्योनपो लेके दोरजी ने केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी से नई दिल्ली स्थित वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। केंद्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भूटान के वित्त मंत्री ल्योनपो लेके दोरजी के साथ मुलाकात हुई। पंकज चौधरी ने कहा कि इस दौरान एक सार्थक द्विपक्षीय बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि हमारी चर्चा ने भारत और भूटान के बीच मजबूत बंधन को मजबूत किया। पंकज चौधरी ने आगे कहा कि एशिया में दो करीबी दोस्त आपसी विकास और विकास के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने

लिखा है कि हम अपने संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अंततः एशिया के उज्जवल भविष्य में योगदान देगा।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का फंसा कर्ज सितंबर में घटकर 3.12 फीसदी पर

एजेंसी
नई दिल्ली। सरकार के उठाए विभिन्न उपायों के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) सितंबर के अंत में घटकर एक दशक के निचले स्तर 3.12 फीसदी पर आ गई हैं। मार्च, 2018 में सरकारी बैंकों का सकल एनपीए 14.58 फीसदी थी। पिछले तीन साल में पीएसबी ने कुल 61,964 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि 2015 के बाद से केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के समक्ष चुनौतियों के समाधान के लिए चार 'आर' की रणनीति अपनाई। सरकार के चार 'आर' यानी समस्या की पहचान (रिकॉग्निशन), पूंजी डालना (रिकैपिटलाइजेशन), समाधान (रिजोल्यूशन) और सुधार (रिफॉर्म) जैसे उपायों से एनपीए में कमी आई है। मंत्रालय के मुताबिक आंकड़ों के मुताबिक पीएसबी में पूंजी पर्याप्तता अनुपात 3.93 फीसदी सुधरकर सितंबर, 2024 में 15.43 फीसदी पर पहुंच गया, जो मार्च, 2015 में 11.45 फीसदी था। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 1.41 लाख करोड़ रुपये का सर्वाधिक शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 1.05 लाख करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में यह आंकड़ा 0.86 लाख करोड़ रुपये रहा है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक वित्तीय समावेश बढ़ाने लिए देश के हर कोने तक अपनी पहुंच बढ़ा रहे हैं। उनका पूंजी आधार मजबूत हुआ है और उनकी संपत्ति गुणवत्ता बेहतर हुई है। अब वे पूंजी के लिए सरकार पर निर्भर रहने के बजाय बाजार से पूंजी जुटाने में समक्ष है। देश में वित्तीय समावेश को मजबूत करने के लिए 54 करोड़ जन-धन खाते और विभिन्न प्रमुख वित्तीय योजनाओं जिसमें पीएम-मुद्रा, स्टैंड-अप इंडिया, पीएम-स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा के तहत 52 करोड़ से अधिक बिना किसी गारंटी के कर्ज स्वीकृत किए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि मुद्रा योजना के तहत 68 फीसदी लाभार्थी महिलाएं हैं और पीएम-

स्वनिधि योजना के तहत, 44 फीसदी लाभार्थी महिलाएं हैं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक बैंक शाखाओं की संख्या सितंबर, 2024 में 1,60,501 हो गई, जो मार्च, 2014 में 1,17,990 थी। इन 1,60,501 शाखाओं में से 1,00,686 शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों और कस्बों में हैं। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल कर्ज मार्च, 2024 में उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 175 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

पीएमएफएमई के तहत 1 लाख से ज्यादा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को मिली सहायता

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत 31 अक्टूबर तक कुल 1,08,580 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को सहायता के लिए मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी है। बिट्टू ने सदन को बताया कि यह योजना वित?त वर्ष 2020-21 से वित?त वर्ष 2025-26 तक 10,000 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ चालू है। मंत्री ने बताया कि 31 अक्टूबर, 2024 तक पीएमएफएमई योजना के तहत सहायता के लिए कुल 1,08,580 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को मंजूरी दी गई है। रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने 31 अक्टूबर, 2024 तक पीएमकेएसवाई की संबंधित घटक योजनाओं के तहत 41 मेगा फूड पार्क, 399 कोल्ड चेन परियोजनाएं, 76 कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर, 559 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, 61 बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज सृजन परियोजनाएं और 51 ऑपरेशन ग्रीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई), खाद्य प्रसंस्करण उद्योग उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) और केंद्र प्रायोजित पीएम सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के माध्यम से देशभर में संबंधित उद्योगों की स्थापना और विस्तार के लिए लघु एवं मध्यम सहित खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रहा है। मंत्री ने कहा कि पीएलआईएसएफपीआई का उद्देश्य वैश्विक खाद्य विनिर्माण चैंपियनों के निर्माण में सहायता करना तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्य उत्पादों के भारतीय ब्रांडों का समर्थन करना है। ये योजना वित?त वर्ष 2021-22 से वित?त वर्ष 2026-27 तक छह वर्ष की अवधि में 10,900 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ क्रियान्वित की जा रही है। उन?होंने कहा कि अब तक योजना की विभिन्न श्रेणियों के तहत 171 खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों को सहायता के लिए मंजूरी दी गई है।

खुदरा महंगाई दर नवंबर महीने में घटकर 5.48 फीसदी पर आई

एजेंसी
नई दिल्ली। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर नवंबर में घटकर 5.48 फीसदी पर आ गई है। पिछले महीने अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर उछलकर 14 महीनों के उच्चतम स्तर 6.21 फीसदी पर पहुंच गई थी। ऐसा सब्जियों की कीमतों में नरमी और खाद्य तेल की कीमतों में स्थिरता के कारण हुआ है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर में खाद्य वस्तुओं की महंगाई घटकर 9.04 फीसदी रही, जो पिछले महीने अक्टूबर में 10.87 फीसदी थी, नवंबर 2023 में 8.70 फीसदी रही थी। नवंबर, 2024 में सब्जियों, दालों चीनी एवं मिष्ठान्न, फलों, अंडे, दूध, मसालों, परिवहन एवं संचार और व्यक्तिगत देखभाल संबंधी उत्पादों की महंगाई दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने पिछले हफ्ते अपनी समीक्षा

में चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया था। एनएसओ के जारी महंगाई बास्केट में करीब 50 फीसदी योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है, जो समग्र उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई बास्केट का लगभग आधा हिस्सा बनाती है।

वित्त वर्ष 2024-25 में कर रिफंड 46.31 फीसदी बढ़कर 3.08 लाख करोड़ होगा: वित्त मंत्रालय

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर रिफंड जारी करने में सुधार की घोषणा की। मंत्रालय ने कहा कि चालू वित?त वर्ष में एक अप्रैल से 27 नवंबर के बीच 3.08 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए हैं, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि की तुलना में 46.31 फीसदी की वृद्धि है। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर बताया कि कर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आयकर रिटर्न पोर्टल ने एक सेकंड में 900 से ज्?यादा फाइलिंग और एक दिन में करीब 70 लाख आयकर रिटर्न (आईटीआर) संभाले। इस साल आकलन वर्ष 2024-25 के लिए एक ही दिन में 1.62 करोड़ से ज्?यादा आईटीआर प्रोसेस किए गए।मंत्रालय ने इस वित्त वर्ष की प्रमुख पहलों को साझा करते हुए बताया कि एक दिन में सबसे अधिक

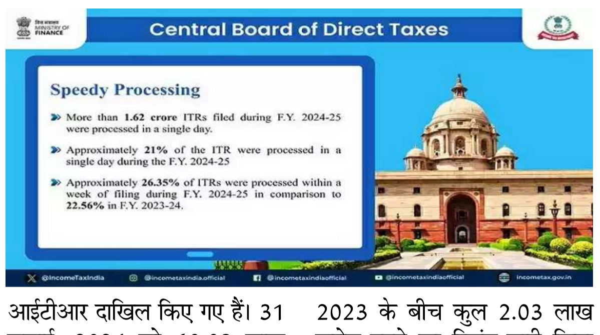

आईटीआर दाखिल किए गए हैं। 31 जुलाई, 2024 को 69.93 लाख आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। वहीं, 22 नवंबर, 2024 तक 8.50 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए, जो पिछले वित?त वर्ष की इसी अवधि के लिए दाखिल आयकर रिटर्न से 7.32 फीसदी अधिक है। पिछले साल की इसी अवधि में 1 अप्रैल, 2023 से 30 नवंबर, 2023 के बीच कुल 2.03 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया था, जो इस साल प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए मंत्रालय के ठोस प्रयासों को दर्शाता है। इस उपलब्धि को हासिल करने में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने अहम भूमिका निभाई है।वित्त मंत्रालय के मुताबिक पिछले साल ञ्ढ्ढह्र 2.0 प्लेटफॉर्म की शुरुआत और सक्षमता रिफंड में तेजी लाने की प्रक्रिया एक गेम-चेंजर रही है। ञ्ढ्ढह्र 2.0 का उपयोग करके 3 करोड़ से अधिक रिफंड जमा किए गए, जिसमें केवल 0.002 फीसदी की प्रभावशाली कम त्रुटि दर थी। जैसे-जैसे वर्ष 2024 समाप्त हो रहा है रिफंड में उल्लेखनीय वृद्धि से व्यक्तिगत करदाताओं और व्यवसायों को समान रूप से राहत मिलने की उम्मीद है। इससे समग्र आर्थिक गतिविधि और अनुपालन में योगदान मिलेगा। इसके साथ ही ञ्ढ्ढह्र 2.0 के सफल कार्यान्वयन के साथ, सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में अपने प्रदर्शन को बनाए रखना और उसमें सुधार करना है।

भारत, यूरोपीय संघ पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए का लक्ष्य बना रहे हैं : गोयल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का लक्ष्य रखते हैं। भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित एफटीए बातचीत को एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं को समझते हुए व्यावसायिक रूप से सार्थक सौदे तक पहुंचाने के लिए राजनीतिक दिशा की भी आवश्यकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय आयोग के प्रतिनिधिमंडल के बीच नई दिल्ली में बातचीत के दौरान इस समझौते पर चर्चा हुई। इस दौरान गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों का लक्ष्य एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच

बढ़ते प्रगाढ़ संबंधों और व्यापार पर चर्चा करते हुए गोयल ने कहा कि दोनों पक्ष एक संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए का लक्ष्य बना रहे हैं। उन?होंने कहा कि नौ दौर की गहन चर्चा के बाद एफटीए वार्ता को एक दूसरे की संवेदनशीलता को समझते हुए व्यावसायिक रूप से सार्थक समझौते पर पहुंचने के लिए राजनीतिक निर्देशों की जरूरत है। वाणिज?य मंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारतीय इकोनॉमी के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में वार्षिक 7 से 8 फीसदी की दर से वृद्धि होने की आशा है। त?वरित रूप से होने वाली कई गुणा वृद्धि भारत के सकल घरेलू उत्पाद को 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर (35 लाख करोड़ यूएस डॉलर) की उपलब्धि तक पहुंचाने में सहायता करेगी। इस बातचीत में भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद में प्रगति पर चर्चा करने का अवसर भी मिला। अमेरिका के अलावा भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके साथ यूरोपीय संघ की ऐसी व्यवस्था है।

मंत्रालय के मुताबिक गोयल ने यूरोपीय आयोग के प्रतिनिधिमंडल, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, इटली, आयरलैंड, लातविया, लिथुआनिया, माल्टा, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाक गणराज्य, स्पेन और स्वीडन के राजदूतों के साथ चर्चा किया।

देश का औद्योगिक उत्पादन अक्टूबर महीने में 3.5 फीसदी बढ़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के औद्योगिक उत्पादन अक्टूबर महीने में 3.5 फीसदी बढ़ा है। इससे पिछले महीने सितंबर में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 3.1 फीसदी की दर से बढ़ा था। इसका मुख्य कारण खनन, बिजली और विनिर्माण क्षेत्रों का खराब प्रदर्शन रहा है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बताया कि विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन अक्टूबर, 2024 में 4.1 फीसदी बढ़ा है, जबकि पिछले साल की इसी महीने में इसमें 10.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई थी। अक्टूबर, 2024 में खनन उत्पादन में 0.9 फीसदी और बिजली उत्पादन में दो फीसदी की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक अप्रैल-अक्टूबर की अवधि में आईआईपी में चार फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष

की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 7 फीसदी की दर से बढ़ा था। गौरतलब है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय हर महीने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के त्वरित अनुमानों को 12 तारीख या छुट्टी हो तो पिछले कार्य दिवस पर जारी करता है।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालें और गुड़ सस्ते

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि अधिकांश दालें और गुड़ सस्ते हो गए। वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 29 रिंगिट बढ़कर 5142 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.12 सेंट गिरकर 42.32 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस औरान गुड़ 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया जबकि चीनी के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन के बाजार में अधिकांश दालों के भाव गिर गए। इस दौरान चना 100 रुपये, दाल चना 100 रुपये, उड़द दाल 50 रुपये और अरहर दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। वहीं, मसूर दाल और मूंग दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रही।अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। चना 6950-7050, दाल चना 7950-8050, मसूर काली 7450-7550, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 10050-10150, अरहर दाल 9900-10000 रुपये प्रति क्विंटल रहे। (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2850-2950 रुपये और चावल = 3150-3250 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4280-4380, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4700-4800 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी
नई दिल्ली। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मुनाफा वसूली होने के कारण घरेलू शेयर बाजार ऊपरी स्तर से फिसल कर गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार की चाल में तेजी आई, लेकिन कुछ देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी और टेक इंडेक्स के अलावा सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एफएमसीजी, बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज जमकर बिकवाली होती रही। इसके साथ ही कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल, हेल्थ केयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.07 प्रतिशत टूट कर आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 458.07 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.46 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,105 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,491 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,508 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 106 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,504 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 757 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,747 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 49.38 अंक की कमजोरी के साथ 81,476.76 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 154.83 अंक की मजबूती के साथ 81,680.97 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 314.50 अंक टूट कर 81,211.64 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि, आखिरी आधे घंटे के कारोबार में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से मामूली रिकवरी करके 236.18 अंक की गिरावट के साथ 81,289.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

क्या आपरेशन से डिलीवरी के बाद होता है कमर में दर्द मिथ है या फेक्ट, जानें कारण

सिजेरियन आपरेशन से डिलीवरी के बाद कमर में दर्द काफी ज्यादा कॉमन है लेकिन क्या इसकी वजह एनिस्थिसया होता है। जानें मिथ और फैक्ट।

बहुत सारी महिलाओं को आपरेशन यानी सी सेक्शन से बच्चे की डिलीवरी के बाद कमर में दर्द की शिकायत शुरू हो जाती है। जिसे महिलाएं अक्सर स्पाइन में लगने वाले एनेस्थिसिया के इंजेक्शन को कारण मानती हैं। उन्हें लगता है कि एनेस्थिसिया के कारण ही कमर में दर्द होता है। इस बारे में सोशल मीडिया पर एनिस्थिसिया एक्सपर्ट ने जानकारी शेयर की है और कमर में दर्द से जुड़े मिथ और फैक्ट के साथ कारण भी बताए हैं।

सी सेक्शन की वजह से कमर में दर्द होता है मिथ है या फैक्ट

दरअसल, ये पूरी तरह से मिथ है। एनिस्थिसियोलॉजिस्ट के मुताबिक सिजेरियन आपरेशन के दौरान रीढ़ की हड्डी यानी स्पाइन में लगाई जाने वाली एनिस्थिसिया का इंजेक्शन पूरी तरह से टेंपरेरी पेन रिलीफ के लिए इफेक्टिव तरीके से डिजाइन किया जाता है। जिससे आपरेशन के दौरान होने वाले दर्द से बचा जा सके। एनिस्थिसिया की वजह से कमर के दर्द का कोई लेना देना नहीं होता है। ये पूरी तरह से मिथ है बल्कि आपरेशन के बाद कमर में होने वाले दर्द के लिए ये कारण जिम्मेदार होते हैं। जिन्हें जानना जरूरी है।

सिजेरियन आपरेशन के बाद कमर में दर्द क्यों होता है

सिजेरियन आपरेशन के बाद महिलाओं के कमर में तेज दर्द काफी कॉमन है। जिसके लिए ये कारण जिम्मेदार होते हैं।

-कमर में दर्द का मेन कारण पोश्चर चेंज होता है। पूरी प्रेग्नेंसी के दौरान यूटरस का वजन कमर पर होता है। जिसकी वजह से कमर की हड्डियों और मसल्स में वीकनेस आ जाती है और कमर का दर्द बढ़ जाता है। डिलीवरी के बाद पोश्चर का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है।-कई बार डिलीवरी के दौरान स्पाइन की नसों में खिंचाव आ जाता है। जिसकी वजह से भी दर्द होता है।-डिलीवरी के बाद अगर आप लंबे समय तक बेड रेस्ट करती हैं, तो इससे भी कमर का दर्द बढ़ जाता है।-वहीं काफी सारी महिलाओं को विटामिन डी की कमी हो जाती है। जिसकी वजह से भी कमर का दर्द बढ़ जाता है। और एनिस्थिसिया की वजह से ज्यादा लंबे समय तक कमर का दर्द नहीं होता।

सिजेरियन आपरेशन के बाद होने वाले कमर दर्द से बचने के लिए क्या करें?

-ब्रेस्ट फीडिंग के दौरान अपने पोश्चर का ज्यादा ध्यान रखें। बिना सपोर्ट के लंबे समय तक झुककर एक ही पोश्चर में फीड कराना कमर की हड्डियों को और भी ज्यादा सेंसेटिव बना देता है और इन कमजोर मसल्स में दर्द शुरू हो जाता है।

-सिजेरियन आपरेशन अगर सक्सेजफुल हो चुका है और पूरी तरह से ठीक हैं तो मूवमेंट बहुत जरूरी है। ज्यादा देर लेटे रहने या बैठे रहने से भी कमर का दर्द बढ़ जाता है।

-स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें

-आपरेशन के कुछ समय बाद अपने कमर और कोर की मसल्स को मजबूत बनाने का काम करें। वेट ट्रेनिंग, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जैसी एक्सरसाइज को करें, जिससे कमर का दर्द कम होता है।

-पर्याप्त मात्रा में आराम करें।

-न्यूट्रिशन से भरपूर डाइट लें। अगर जरूरत हो तो सप्लीमेंट्स को भी लिया जा सकता है। जिससे जरूरी विटामिन और कैल्शियम की पूर्ति हो सके।

फिलीस्तीनी राजदूत की प्रियंका गांधी से मुलाकात के मायने

देश देख रहा है कि मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच शुरु हुए हिंसक संघर्ष में किस तरह एक हंसता-बसता राज्य तबाह हो गया है

देश देख रहा है कि मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच शुरु हुए हिंसक संघर्ष में किस तरह एक हंसता-बसता राज्य तबाह हो गया है। डेढ़ साल बाद भी वहां शांति की कोई सूरत नहीं बन रही। न ही केंद्र सरकार इसमें कोई जिम्मेदारी पूरी करती दिख रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो हाल में ये कह दिया कि पूर्वोत्तर में इस समय अभूतपूर्व शांति है। शायद उन्हें मणिपुर दिख नहीं रहा।बुधवार को फिलीस्तीन के राजदूत आबेद एलराजेग अबू जाज़ेर ने वायनाड से नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी को उनकी जीत पर बधाई दी। श्रीमती गांधी के आवास पर हुई इस मुलाकात की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें फिलीस्तीनी राजदूत और प्रियंका गांधी एक तस्वीर को थामे हुए हैं, जिसमें फिलीस्तीनी नेता यासिर अराफात और इंदिरा गांधी नजर आ रहे हैं।देश में इस वक्त उठे सियासी बवाल और कांग्रेस को कमजोर साबित करने की कोशिश के बीच यह एक सुखद और भरोसा जगाने वाली खबर सामने आई है। अमूमन विदेशी राजदूतों की मुलाकात केन्द्रीय मंत्रियों, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या अन्य पदाधिकारियों आदि से होती है, लेकिन ऐसा बहुत कम होता है कि किसी के सांसद निर्वाचित होने पर किसी देश के राजदूत खुद बधाई देने पहुंचे। मगर प्रियंका गांधी को बधाई देने के तार इतिहास, वर्तमान और भविष्य तीनों से जुड़े हैं। फिलीस्तीन इस वक्त इजरायल के हमलों का शिकार होकर तबाह हो चुका है। युद्ध विराम की कोई सूरत वहां नहीं बन रही है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास को खत्म करने की कसम में मासूम बच्चों को मारने से भी बाज़ नहीं आ रहे। जिस तरह कंस अपने प्राणों की रक्षा के लिए देवकी के नवजात बच्चों को पटक कर मार देता था, ठीक वैसा ही काम इस समय फिलीस्तीन में किया जा रहा है और दुनिया के ताकतवर नेता कहलाने का घमंड करने वाले लोग मुंह में दही जमा कर बैठे हैं।लेकिन प्रियंका गांधी लगातार इजरायल का खुल कर विरोध कर रही हैं। राजदूत अबू जाज़ेर से भी उन्होंने कहा कि मैं हर उस मां के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं जिसने अपना बच्चा खोया है। वहीं फिलीस्तीनी राजदूत ने भी फिलीस्तीन अधिकारों को मजबूत करने की पहल में भारत के ऐतिहासिक योगदान को याद किया। इस मुलाकात में इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को भी याद किया गया। फिलीस्तीन राजदूत का यूं प्रियंका गांधी को बधाई देने पहुंचने का अर्थ है कि फिलीस्तीन भविष्य में भी कांग्रेस की भूमिका को रेखांकित कर रहा है। ये और बात है कि मौजूदा निजाम में भाजपा के नेताओं के लिए इजरायल आदर्श बना हुआ है।

असम में शहीद दिवस के एक कार्यक्रम में सोनितपुर पहुंचे मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि %ऐतिहासिक रूप से हमारी सीमाएं बांग्लादेश, म्यांमार और पश्चिम बंगाल के साथ साझा होती हैं। हम (असमिया लोग) 12 जिलों में अल्पसंख्यक हैं। हमें इजरायल जैसे देशों के इतिहास से सीखना होगा कि कैसे ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके और अदम्य साहस के साथ, दुश्मनों से घिरे होने के बावजूद भी यह एक मजबूत देश बन गया है। तभी हम एक जाति (समुदाय) के रूप में जीवित रह सकते हैं।% इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि असम आंदोलन असमिया लोगों की पहचान की रक्षा के लिए था। लेकिन हमें यह स्वीकार करना होगा कि ख़तरा ख़त्म नहीं हुआ है। हर दिन, जनसांख्यिकी बदल रही है, हर दिन स्वदेशी लोग भूमि अधिकार खो रहे हैं। गौरतलब है कि असमिया समाज की सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए 1979 से 1985 तक असम आंदोलन चला था, जो 15 अगस्त 1985 को केंद्र सरकार के साथ हुए एक समझौते के साथ खत्म हुआ, इसे असम समझौते के तौर पर जाना जाता है।असम के मुख्यमंत्री अब उसी आंदोलन की याद फिर से जनता को दिलाते हुए आगाह कर रहे हैं कि खतरा खत्म नहीं हुआ है और इसमें वे जिस तरह इजरायल का उदाहरण पेश कर रहे हैं, उससे जाहिर होता है कि वे शांति के महत्व को नकार रहे हैं।देश देख रहा है कि मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच शुरु हुए हिंसक संघर्ष में किस तरह एक हंसता-बसता राज्य तबाह हो गया है। डेढ़ साल बाद भी वहां शांति की कोई सूरत नहीं बन रही। न ही केंद्र सरकार इसमें कोई जिम्मेदारी पूरी करती दिख रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो हाल में ये कह दिया कि पूर्वोत्तर में इस समय अभूतपूर्व शांति है। शायद उन्हें मणिपुर दिख नहीं रहा, या उन्होंने अब उसे भारत का हिस्सा मानना ही छोड़ दिया है। मणिपुर को मोदी सरकार की विभाजनकारी नीति ने पूरी तरह झुलसा दिया है और अब भी भाजपा के नेता शांति की बात न कर भड़काने वाले बयान दे रहे हैं।

हिमंता बिस्वासरमा ने बांग्लादेश, म्यांमार के साथ प.बंगाल का जिक्र करके सीधे दुश्मन से तुलना की, जो बताता है कि उनका विश्वास विभाजनकारी और युद्धोन्मादी राजनीति में है। अपने पड़ोसी देशों को सीधे दुश्मन करार देना क्या मोदी सरकार की नीति में भी है, यह स्पष्टीकरण केंद्र को देना चाहिए। क्योंकि प.बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया, यह प्रदर्शन बांग्लादेश की सीमा से लगे बशीरहाट में हिंदू संगठनों ने आयोजित किया था। इसमें भाषण देते हुए सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि- %हम बांग्लादेश पर निर्भर नहीं हैं। बांग्लादेश हम पर निर्भर है% अगर हम वहां 97 प्रोडक्ट्स नहीं भेजेंगे तो आपको चावल और कपड़े नहीं मिलेंगे। अगर हम झारखंड में पैदा हो रही बिजली बांग्लादेश नहीं भेजेंगे तो 80प्रश गांव में लाइट नहीं जलेगी।% इतनी धमकी मानो पर्याप्त नहीं थी कि श्री अधिकारी बांग्लादेश पर सीधे युद्ध की चेतावनी ही दे दी, उन्होंने कहा कि %हासीमारा में 40 राफेल एयरक्रॉफ्ट तैनात हैं। सिर्फ दो विमान भेजने से काम हो जाएगा।%भारत की विदेशनीति हमेशा शांति को तरजीह देने की रही है। हमने कभी किसी पर खुद से हमला नहीं किया, लेकिन यहां भाजपा के एक विधायक सीधे पड़ोसी देश को हमले की धमकी दे रहे हैं, व्यापारिक संबंध खत्म करने की चेतावनी दे रहे हैं। तो मोदी सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय का जिम्मा जिन्हें सौंपा गया है, क्या उन्होंने सुवेंदु अधिकारी को इस तरह के वक्तव्य देने के लिए अधिकृत किया है, क्या भारत की विदेश और रक्षा नीति अब भाजपा की सुविधा के मुताबिक चलेगी। सुवेंदु अधिकारी ने तो बांग्लादेश की मोहम्मद युनूस सरकार को अवैध और तालिबानी बता दिया, साथ ही यह भी कहा कि शेख हसीना ही वहां की वैध प्रधानमंत्री हैं, वो ढाका लौटेंगी और मोहम्मद युनूस को उन्हें सैल्यूट करके रिसीव करना होगा।बांग्लादेश में शेख हसीना को जिस तरह अपदस्थ किया गया, उसका समर्थन भारत ने नहीं किया और शेख हसीना को राजनैतिक शरण देकर सच्चे मित्र और पड़ोसी का धर्म भी निभाया। मोदी सरकार इसके लिए प्रशंसा की पात्र है। लेकिन अब जबकि वहां मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ है, तब इस तरह की टिप्पणियां साफ तौर पर वहां के आंतरिक मामलों में दखल देना है। अल्पसंख्यक कहीं भी हों, किसी भी देश में हों, किसी भी धर्म के हों, उनके अधिकारों की हर हाल में रक्षा होनी चाहिए और उन पर अत्याचार हो तो उसकी आलोचना भी स्वाभाविक है। लेकिन यहां पर सुवेंदु अधिकारी हिंदुत्व की भावनाओं को भुनाने का अतिरेक करते दिख रहे हैं।अब यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निर्भर करता है कि वह अपने बड़बोले नेताओं को किस तरह संयम का पाठ पढ़ाते हैं। चुनावों के वक्त हिंदू-मुसलमान करने का खेल तो भाजपा खेलती ही है और तब उसका जवाब देने के लिए विपक्ष भी मौजूद रहता है। लेकिन पड़ोसी देशों के साथ कूटनीतिक, राजनैतिक शिष्टाचार का पालन करना होता है, वहां धार्मिक विभाजन का खिलवाड़ देश के लिए दूरगामी तौर पर घातक साबित होगा। और चलते-चलते एक सुझाव, भाजपा ठंडे दिमाग से सोचे कि फिलीस्तीन के राजदूत प्रियंका गांधी से मिलने क्यों पहुंचे। उन्हें कांग्रेस की उपयोगिता और इस देश को बनाने में कांग्रेस के योगदान का एहसास हो जाएगा।

संपादकीय

संसद को ठप करती सरकार

दुनिया भर के संसदीय इतिहास में सम्भवत- ऐसा उदाहरण ढूंढे से भी नहीं मिलेगा जो भारतीय संसद पेश कर रही है। अमूमन सरकारें संसद को चलाती हैं और गतिरोध विपक्ष पैदा करता है। देश में इसके उलट हो रहा है। यह नरेन्द्र मोदी सरकार की देन है। यह उनका तीसरा कार्यकाल है लेकिन यह प्रवृत्ति और संसद के दोनों सदनों को चलाने का तरीका उनके नेतृत्व में बनी सरकारों ने पहले ही कार्यकाल से अख्तियार कर लिया था।विपक्ष को कुचलने के लिये जानी जाने वाली भाजपा सरकार ने लोकसभा में कमजोर विपक्ष देखकर पहले से ही ठान लिया था कि विरोधी आवाज को सदनों के बाहर भी कुचला जायेगा, भीतर भी, हर जगह...। ऐलानिया तौर पर पहले %कांग्रेस मुक्त भारत% और बाद में %विपक्ष मुक्त भारत% का नारा देने वाले मोदी और भाजपा ने संसद के बाहर येन केन प्रकारेण कांग्रेस समेत प्रतिपक्ष को या तो चुनावों में हराया या फिर उनकी निर्वाचित सरकारों को ललचाकर या डरा-धमकाकर गिराया। साथ ही दूसरी पार्टियों के नेताओं को दल में आयात किया। इसके समांतर सदन के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को अपनी बात न कहने देने के लिये संख्या बल के जरिये भाजपा ने सारे हथकण्डे हथियाये, जिसमें से उसका लोकप्रिय हथियार है सदन को ही ठप करना। यहीं पर भारतीय संसद दुनिया भर की अन्य संसदों से अलग हो जाती है- एकदम अनूठी।इस साल की जून के पहले सप्ताह में निकले लोकसभा चुनावों के नतीजों के जरिये तीसरी बार यानी मौजूदा सरकार बनाने में मोदी-भाजपा को कामयाबी मिल तो गयी लेकिन विपक्ष बेहद मजबूत हो कर लौटा। ये अप्रत्याशित नतीजे थे जिसने मोदी को दो अन्य दलों के समर्थन से सरकार बनाने के लिये मजबूर कर दिया। ये नतीजे मोदी पर अनेकानेक आरोपों की छाया में लड़े गये लोकसभा चुनाव के थे। इनमें प्रमुख थे- संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने की भाजपायी साजिश, जातिगत जनगणना, कारोबारी गौतम अदाणी को मोदी द्वारा अंधाधुंध लाभ पहुंचाना, मणिपुर में हिंसा व कुकी समुदाय पर अत्याचार, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सहित निर्वाचन आयोग का पक्षपातपूर्ण रवैया, इलेक्टोरल बॉड्स के जरिये भाजपा को लाभ आदि। इनमें से कई मामले ऐसे थे जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सितम्बर 2022 से जनवरी 2023 तक (कन्याकुमारी से कश्मीर) और जनवरी 2024 से मार्च तक (मणिपुर से मुम्बई) निकलीं क्रमश- %भारत जोड़ो यात्रा% तथा %भारत जोड़ो न्याय यात्रा% के दौरान जोरदार ढंग से उठाये जा चुके थे। पिछले लोकसभा चुनाव के प्रचार के पहले इंडिया गठबन्धन बन चुका था जिसने इन सारे मुद्दों को एक जनविमर्श का रूप दिया।

यह तो सही है कि मोदी-भाजपा ने इन मुद्दों के बावजूद विजय पायी लेकिन माना गया कि इन्हीं मसलों ने भाजपा के 400 पार के मंसूबों पर पानी फेर दिया। यह भी सच है कि इन मुद्दों को लेकर विपक्ष, खासकर कांग्रेस ने जो हमले भाजपा और मोदी पर किये उसी का परिणाम रहा कि मोदी तेलुगु देसम पार्टी एवं जनता दल यूनाइटेड की बैसाखियों पर जा टिके। कमजोर होकर संसद में आये तीसरी मर्तबा के पीएम मोदी का इस बार सामना अपेक्षाकृत बड़े, मजबूत व अब तक एकजुट विपक्षी गठबन्धन से हो रहा है।इंडिया ने कहानी वहीं से शुरू की जहां उसने लोकसभा के चुनावी अभियान के अंतिम दिन यानी प्रचार बन्द होने की शाम को छोड़ी थी। पहले की दोनों लोकसभाओं (2014 एवं 2019 की) में भाजपा बेहद ताकतवर थी, विशेषकर इसकी पूर्ववर्ती। इसलिये 10 वर्षों तक मोदी की दिलचस्पी कम से कम उतनी देर तक संसद के सदनों को चलाये रखने में होती थी जितनी देर वे विपक्ष की आलोचना कर सकें, कांग्रेस के पूर्ववर्ती शासनकाल की खामियां गिना सकें, नेहरू खानदान का अपमान कर सकें और अपने आप को अकेले ही सब पर भारी बतला सकें। अब लोकसभा का चेहरा दूसरा है। इसलिये अब भाजपा का लक्ष्य होता है कि संसद थोड़ी देर भी न चले। संसद की बैठकें प्रारम्भ होने पर जैसे ही प्रतिपक्ष अदानी के मुद्दे को लेकर हमलावर होता है; क्योंकि यह इस वक्त सबसे बड़ा मुद्दा है, सत्ता बेंच का नियोजित खेल होने लगता है।हिंडनबर्ग की दो-दो रिपोर्टों में अदानी एवं उनके भाइयों की कारगुजारियों की बहुतेरी गाथाएं सामने आने के बाद हाल ही में सेबी अध्यक्ष माधवी बुच पर उंगलियां उठने से विपक्ष पहले दिन से आक्रामक है और इस बाबत गहन जांच संयुक्त संसदीय समिति द्वारा कराये जाने की मांग पर अड़ा हुआ है।ऐसे में लोकसभा में सरकार का बचाव सदन के अध्यक्ष ओम बिरला कर रहे हैं तो राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़। दोनों ने ही अदानी का नाम लेने पर अपने-अपने सदनों में पूरी पाबंदी लगा रखी है। लोकसभा हो या राज्यसभा- अदानी या रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी का नाम लेते ही उन वाक्यांशों को कार्यवाही से हटा दिया जाता है .

विवादास्पद हुआ अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा अपने बेटे को क्षमादान देने का मामला

सीरियाई राष्ट्रपति बशर-अल-असद सत्ता से बेदखल, रूस और ईरान को बड़ा नुकसान

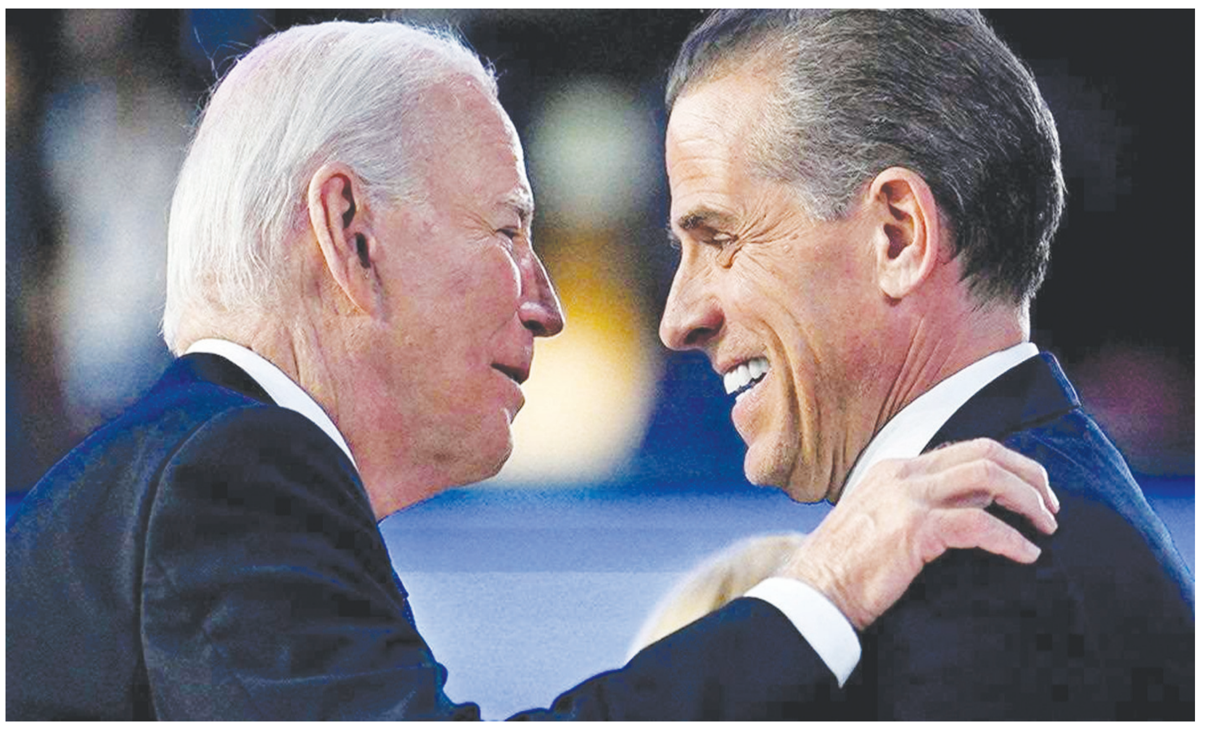

राष्ट्रपति की क्षमा के प्रति जनता की प्रतिक्रिया आलोचनात्मक और सहायक दोनों है। जबकि कुछ लोग इसे उचित मानते हैं, अन्य इसे उचित नहीं मानते। जनता की ओर से, साथ ही बाइडेन के पार्टी सहयोगियों की ओर से यह मिश्रित प्रतिक्रिया, इस मुद्दे को और जटिल बनाती है। दोनों दलों के राष्ट्रपतियों ने अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल किया है, जिसने लोगों को चौंका दिया है।पिछले सप्ताह, अमेरिका और दुनिया भर के लोग इस खबर से स्तब्ध थे कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने बेटे हंटर बाइडेन को क्षमादान दे दिया है। यह क्षमादान विवाद महत्वपूर्ण था। क्षमादान यह सुनिश्चित करता है कि हंटर को उसके कथित अपराधों के लिए सजा नहीं दी जायेगी और वह जेल नहीं जायेगा। उसके मामलों को संभालने वाले न्यायाधीश संभवत- बंदूक मामले के लिए 12 दिसंबर और कर मामले के लिए 16 दिसंबर को निर्धारित सजा सुनवाई को रद्द कर देंगे।

बाइडेन अब राष्ट्रपति कार्यालय के लिए राजनीतिक दौड़ में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने गत जून में राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने से पहले अपने बेटे को क्षमा न करने की प्रतिज्ञा की थी। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति द्वारा क्षमादान ने अक्सर विवाद को जन्म दिया है। हालांकि, कुछ निर्णय- जैसे कि राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा अपने बेटे को क्षमादान देना- दूसरों की तुलना में अधिक आलोचना का कारण बने।

संवैधानिक रूप से, राष्ट्रपति क्षमादान दे सकते हैं, एक ऐसी शक्ति जिसका उपयोग पिछले राष्ट्रपतियों ने किया है। परंपरागत रूप से, अमेरिकी राष्ट्रपति पद छोड़ते समय क्षमादान देते हैं। हालांकि, जो बाइडेन द्वारा अपने बेटे को %पूर्ण और बिना शर्त% क्षमादान देने से इस मुद्दे में जटिलता और सार्वजनिक जांच की एक परत जुड़ गयी है, एक ऐतिहासिक संदर्भ जिसे जनता के लिए समझना महत्वपूर्ण है।यह समझना महत्वपूर्ण है कि जो बाइडेन ने ऐसा क्यों किया। जो बाइडेन ने अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना किया है। उन्होंने महत्वपूर्ण व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया है। वह अपने बेटे को बचाने और सार्वजनिक आलोचना के बीच फंस गये थे। हर कोई जानता है कि वह अपने परिवार के प्रति वफादार है। उनकी छोटी बेटी और पहली पत्नी की एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गयी, जिसमें उनके बेटे ब्यू और हंटर भी घायल हो गये थे।बाइडेन चाहते थे कि ब्यू चुनाव लड़े, लेकिन दुर्भाग्य से ब्यू की 2015 में ब्रेन कैंसर से मृत्यु हो गयी। बाइडेन परिवार के संघर्षों पर इस फोकस का उद्देश्य जनता से सहानुभूति पैदा करना है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, बाइडेन की दूसरी पत्नी ने जो को अंतिम निर्णय लेने के लिए राजी किया।राष्ट्रपति की क्षमा के प्रति जनता की प्रतिक्रिया आलोचनात्मक और सहायक दोनों है। जबकि कुछ लोग इसे उचित मानते हैं, अन्य इसे उचित नहीं मानते। जनता की ओर से, साथ ही बाइडेन के पार्टी सहयोगियों की ओर से यह मिश्रित प्रतिक्रिया, इस मुद्दे को और जटिल बनाती है।दोनों दलों के राष्ट्रपतियों ने अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल किया है, जिसने लोगों को चौंका दिया है। जॉर्ज वाशिंगटन ने कुछ लोगों को क्षमा करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल किया। राष्ट्रपति अक्सर अपने मित्रों और सहयोगियों के लिए अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल करते हैं। एक विवादास्पद मामला पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का था, जिन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड ने 8 सितंबर, 1974 को क्षमा कर दिया था। निक्सन को वाटरगेट घोटाले के लिए संभावित अभियोजन का सामना करना पड़ा। 1992 के अंत में, राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने ईरान-कॉन्ट्रा मामले में फंसे छह लोगों को क्षमा कर दिया, जिनमें पूर्व रक्षा सचिव वेनबर्गर भी शामिल थे।बिल क्लिंटन, जिन्होंने यह कहने के बावजूद कि वह ऐसा नहीं करेंगे, अपने सौतेले भाई रोजर को कोकीन सम्बंधी आरोपों के लिए क्षमा कर दिया। इसी तरह, डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जेरेडकुशनर के पिता को कर चोरी और सहयोगी गवाह के खिलाफ प्रतिशोध के लिए माफ़ कर दिया। दोनों पहले ही अपनी जेल की सज़ा काट चुके थे। अपने पहले कार्यकाल के उत्तरार्ध के दौरान, ट्रम्प ने कई ऐसे व्यक्तियों को माफ़ी दी जो गलत कामों में लिप्त थे।राहत महसूस कर रहे हंटर ने एक बयान में कहा, %मैंने अपनी लत के सबसे बुरे दिनों के दौरान अपनी गलतियों को स्वीकार किया है और उनकी ज़िम्मेदारी ली है - ऐसी गलतियां जिनका इस्तेमाल मुझे और मेरे परिवार को राजनीतिक खेल के लिए सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और शर्मिंदा करने के लिए किया गया है।% हंटर बाइडेन के खिलाफ मामला कई वर्षों तक चला, जिसमें कर अपराधों और बंदूक की तस्करी के आरोप शामिल थे। उन्हें जून में दोषी ठहराया गया और सितंबर में कर चोरी के लिए दोषी ठहराया गया। बाइडेन ने कहा कि- हंटर पर %चुनिंदा और अनुचित तरीके से मुकदमा चलाया गया% और बताया कि आरोप राजनीति से प्रेरित थे।क्षमा का तत्काल प्रभाव यह है कि इससे डेमोक्रेट के लिए ट्रम्प की आलोचना करना कठिन हो जाता है। साथ ही, इसने ट्रम्प को 6 जनवरी की घटनाओं के लिए आरोपित लोगों को क्षमा करने का मौका दिया है।शुरुआत में हंटर को क्षमा न करने की घोषणा करने के बाद बाइडेन के मन में आये बदलाव के अपने कारण थे। उनमें से एक उनकी पत्नी थी, जिन्होंने बाइडेन को ऐसा करने के लिए राजी किया। उन्होंने कहा कि हंटर को केवल इसलिए चुना गया क्योंकि हंटर उनका बेटा था। राष्ट्रपति बाइडेन ने 25 व्यक्तियों को क्षमा किया है, जिनमें से कोई भी सीधे तौर पर उनसे जुड़ा नहीं है। आम तौर पर, राष्ट्रपति अपने कार्यकाल के अंत में कई क्षमा अनुरोधों को मंजूरी देते हैं। फिर भी, क्षमा राष्ट्रपति पद पर जनता के विश्वास को नुकसान पहुंचाती है।राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 20 जनवरी, 2001 को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन 140 क्षमादानों पर हस्ताक्षर किये। कई विधिनिर्माता भविष्य के लिए संभावित खराब मिसाल के बारे में चिंतित हैं। समस्या को हल करने का एक तरीका संविधान में संशोधन करना हो सकता है। फिर भी, यह एक लंबी प्रक्रिया है, और किसी भी पार्टी के पास कांग्रेस में इसे पारित करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है। आलोचकों का तर्क है कि यह एक खतरनाक मिसाल कायम कर सकता है और न्याय प्रणाली में जनता का भरोसा खत्म कर सकता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने राष्ट्रपति को पद पर रहते हुए की गई कार्रवाइयों के लिए आरोपित करना अधिक कठिन बना दिया है। वे किसी भी संभावित दोष के लिए राष्ट्रपति को जवाबदेह ठहराने के रास्ते सीमित करते हैं।क्षमादान शक्ति का दुरुपयोग माना जा रहा है, परन्तु हंटर की क्षमादान के बाद, राष्ट्रपति बाइडेन अपने सहयोगियों और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए व्यापक क्षमादान देने पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाऊस की प्रेस सचिव कैरिनजीन-पियरे ने कहा कि व्हाइट हाऊस छोड़ने से पहले, बाइडेन अतिरिक्त क्षमादान जारी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अपने दूसरे कार्यकाल में, ट्रम्प ने घोषणा की कि वह बाइडेन के शपथ लेने के दौरान कांग्रेस में हुए 2021 के टकराव को क्षमा करेंगे। यदि वह जनता की राय का सम्मान करते हैं तो उन्हें क्षमादान देने से पहले सावधान रहना चाहिए।

क्ले मॉडलिंग से बनाए अपना करियर

अगर आपको कलाकृतियां बनाने में दिलचस्पी है, आपकी सोच रचनाधर्मी है तो आपके लिए क्ले आर्ट के क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। कागज, लकड़ी और मिट्टी से बनी कलाकृतियों को अब घर में डेकोरेशन के रूप सजाया जाने लगा है।

मिट्टी और क्ले की मदद से अपनी रचनात्मकता का इस्तेमाल कर अगर आप घर बैठे ही बहुत कुछ नया बना डाल देते हैं तो अपने इस शौक को आप बतौर करियर की ओर मोड़ सकते हैं। कुछ समय पहले तक क्ले को महज बच्चों के खिलौनों के रूप में देखा जाता था लेकिन अब इसमें करियर की अपार संभावनाएँ जुड़ गई हैं।

क्ले मॉडलिंग की कला दिल से निकली हुई कला है। अगर आपका मन इसमें रमा हुआ है और मिट्टी से खेलना आपका शौक है तो आप इसमें बहुत आगे बढ़ सकते हैं।

आजकल विभिन्न प्रदर्शनियों से लेकर कला-संस्कृति से जुड़े बड़े आयोजनों में यह कला बखूबी इस्तेमाल की जाती है। एक बार आपका क्ले में हाथ साफ हो गया फिर आप सेरेमिक से लेकर नई-नई चीजों पर भी आसानी से काम कर सकते हैं। यही नहीं अगर आप एनिमेशन का कोई कोर्स करना चाहते हैं और आपकी क्ले मॉडलिंग पर अच्छी पकड़ है तो निश्चित तौर पर आप एनिमेशन में भी मास्टर हो सकते हैं।

मूलरूप से क्ले मॉडलिंग फाइन आर्ट्स का ही एक विषय है। यूँ तो आपमें हुनर और इस कला को सीखने की ललक है तो आप खुद-ब-खुद ही इसमें पारंगत हो जाएँगे।

इसके अंतर्गत क्ले मॉडलिंग का विषय खुद में बहुत रोचक है। इसी के साथ आप चाहें तो इसमें बैचलर और फिर मास्टर डिग्री भी ले सकते हैं।

- अगर बैचलर्स नहीं करना चाहते तो शौकिया तौर पर हॉबी क्लासेस भी ले सकते हैं या फिर कोई शार्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड और गुड़गाँव के एपिसेंटर में भी मार्च और अप्रैल के माह में क्ले मॉडलिंग पर कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता रहता है।

क्या है जरूरी

- अगर आप क्ले मॉडलिंग में स्नातक करना चाहते हैं तो इसमें प्रवेश के लिए 12वीं में आपके 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए। वैसे हर कॉलेज का अपना अलग-अलग क्राइटेरिया होता है। इसके अतिरिक्त बैचलर के बाद आप फाइन आर्ट्स में ही मास्टर भी कर सकते हैं।
- इन सबके अलावा आप चाहें तो किसी प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट 3 और 6 महीने में शॉर्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हैं।
- जब तक आप खुद तसल्ली न कर लें कि जो आपने बनाया है वह सही है तब तक उसे बनाते रहने का प्रयास आपमें हो। ये सभी गुण क्ले मॉडलिंग के लिए बेहद जरूरी हैं। अगर से सभी गुण आपमें हैं तो आप इसे बतौर करियर चुन सकते हैं।
- क्ले मॉडलिंग को बतौर करियर चुनने के बाद आप किसी स्कूल में आर्ट टीचर बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त अपनी खुद की प्रदर्शनी लगा सकते हैं। आजकल किसी भी इवेंट में भी क्ले मॉडलिंग का प्रयोग होता है ताकि उस स्थान को आकर्षक बनाया जा सके। इससे इतर मेट्रो स्टेशन की सजावट और कॉमनवेल्थ गेम्स में स्टेडियम की सजावट से लेकर खेल गाँव को सजाने में भी क्ले मॉडलिंग का खूब इस्तेमाल हुआ।
- इस क्षेत्र में आप शुरुआती दौर में 15 से 20 हजार तक आसानी से कमा सकते हैं। उसके बाद यदि आपने इस क्षेत्र में मास्टर किया है तो आपकी कार्यकुशलता के अनुसार आपका वेतन बढ़ता चला जाता है।

जैमोलॉजी: रत्नों में बनाएं उज्ज्वल भविष्य

रत्नों का बाजार भारत के कुल निर्यात का पांचवां हिस्सा है। इस बड़े बाजार से भारत को अच्छी खासी विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है इसलिए इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए ट्रेनिंग के साथ ही तकनीकी ज्ञान होना नितांत आवश्यक है। इसके अलावा लोगों में पहले से ज्यादा रत्नों को धारण करने का चलन बढ़ा है। कई लोग ग्रहों को शांत करने, ग्रहों को अपने पक्ष में करने, व्यक्तिगत जीवन में आ रही बाधाओं से निपटने के लिए रत्न धारण करते हैं तो कुछ इसे आभूषण के तौर पर धारण करते हैं। रत्नों की खासियत के बारे में व्यापक जानकारी जैमोलॉजी के जरिए मिलती है। इसे हम यूं भी कह सकते हैं कि जैमोलॉजी के तहत रत्नों का अध्ययन किया जाता है।

गौरतलब है कि रत्नों को विलासिता, शान-शौकत की निशानी मानी जाती रही है। रत्नों को बादशाहत से जोड़कर भी देखा जाता रहा है, राजा-महाराज और बादशाह रत्नजड़ित आभूषण, मुकुट आदि धारण करते थे। पारंपरिक तौर पर रत्न जड़ित गहने बनाने का काम लोग पीढ़ियों से करते आ रहे हैं। केवल सुनार ही नहीं, उनके कारीगर भी यह काम सीखते और सिखाते आ रहे हैं। लेकिन आज इसके लिए पारिवारिक पृष्ठभूमि जरूरी नहीं है। इस काम के लिए आज ढेरों प्रशिक्षण केंद्र खुल गए हैं जो डिजाइन, निर्माण और बनावट की गहरी जानकारी देते हैं। इसके अलावा रत्नों की जांच परख के लिए अब तो अत्याधुनिक मशीनें भी आ गई है। फैशन और एसेसरीज के बढ़ते मार्केट ने जैमोलॉजी के क्षेत्र को बहुत विस्तार दिया है। हमारे देश में जयपुर तथा सूरत दुनिया के सबसे बड़े रत्न कटिंग सेंटर हैं। यहां लेटेस्ट डिजाइन और ट्रेंड्स के रत्न तराशे जाते हैं। भारतीय जैम एंड ज्वेलरी इंडस्ट्री तेजी के साथ उभरकर आई है। भारत में रत्न कटिंग करने वालों और कारीगरों को पूरी दुनिया में बहुत इज्जत से देखा जाता है।

वैश्विक जैम एंड ज्वेलरी मार्केट को बढ़ाने में भारतीयों का बड़ा योगदान रहा है। ब्रांडेड ज्वेलरी ने करियर के नए मौके सामने ला दिए हैं। ज्वेलरी निर्यात में भारत दुनिया के 70 फीसदी हिस्से का दावेदार है। पारंपरिक भारतीय रत्न जड़ित आभूषणों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है। एक आंकलन के अनुसार भारत में कीमत के हिसाब से 60 फीसदी, वैल्यूम के हिसाब से 82 फीसदी और कट के हिसाब से 95 फीसदी हीरों की प्रोसेसिंग की जाती है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि जैमोलॉजी के क्षेत्र में बेहतर कैरियर उपलब्ध है।

जैमोलजिस्ट्स के काम में रत्न की जांच, छंटाई और सही श्रेणी में बांटने का काम प्रमुखता से होता है। ये लोग रत्न निर्माताओं और डिजाइनर्स को उपरोक्त बातों की जानकारी प्रदान करते हैं। किसी व्यक्ति पर होने वाले रत्नों के असर के बारे में भी इनकी जानकारी अहम होती है। जैमोलजिस्ट्स में सूक्ष्म अवलोकन करने, गहराई से जांच करने और शुद्धता की प्रामाणिकता सिद्ध करने की क्षमता होनी चाहिए। इस विषय में पढ़ाई करने के लिए उच्चतम तकनीकी जानकारी के अलावा कटिंग, छांटने, कीमत और पहचान की जानकारी जरूरी है।

ज्वैलरी डिजाइनिंग के अलावा जैम कटिंग, जड़ाऊ जेवर बनाने, सुधारने तथा रत्न जड़ित घड़ियां, वस्त्र एवं एसेसरीज भी बनाई जाती है। इसके अलावा खुद डिजाइन तैयार करके बड़े ज्वेलर्स और कंपनियों को डिजाइन देने का काम भी बहुत मुनाफे का सौदा है। आभूषणों का बाजार बहुत बड़ा और बेहद प्रतियोगी है इसलिए काम शुरू करने से पहले सेल्स का अनुभव, मार्केटिंग की जानकारी तथा बिजनेस मैनेजमेंट के गुर सीखने जरूरी हैं। आज धोखाधड़ी के दौर में सिंथेटिक रत्न भी धड़ल्ले से ग्राहकों को बेचे जा रहे हैं इसलिए सही रत्न की पहचान के लिए सिर्फ भरोसा ही नहीं, साइंटिफिक तरीकों की जानकारी भी जैमोलजिस्ट्स को होनी जरूरी है। जैमोलॉजी कोर्स में दाखिले के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं उत्तीर्ण है। इसके साथ ही अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है क्योंकि आपको देशी ही नहीं, विदेशी ग्राहकों और कंपनियों से भी तालमेल बैठाना होता है।

यदि आप घर से अपना काम शुरू करना चाहते हैं तो दो से तीन लाख रुपए का निवेश करना होगा लेकिन यह भी है कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी के कारोबार में 100 फीसदी का मार्जिन भी मौजूद है।

संस्थान

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ जैमोलॉजी, ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
- ज्वैलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट, ए-89, सेक्टर-2, नोएडा।
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुलमोहर पार्क के पास, हौजखास, नई दिल्ली।
- इंडियन जैमोलजिकल इंस्टिट्यूट, निर्मल टावर्स, 10वां माला, 26 बाराखंबा रोड, नई दिल्ली।
- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलजी, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-1, नई दिल्ली।
- इंडियन डायमंड इंस्टिट्यूट सुमुल डेयरी रोड, सूरत।

कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए एकाग्रता जरूरी

अक्सर काम करते वक्त ध्यान भटक जाता है। इससे कई लोग इस समस्या से परेशान है। लगातार काम करने के दौरान अथवा ज्यादा काम होने पर ध्यान भंग होने की स्थिति बन जाती है। मनौवैज्ञानिक और चिकित्सक भी बताते हैं कि जिनमें एकाग्रता की कमी होती है वे बहुत चिंतित, उदास, चिड़चिड़े और सहमे से रहते हैं। कुछ तो अपराध भावना या हीनभावना के शिकार भी हो जाते हैं। ऐसे लोगों में आत्मविश्वास की कमी, असुरक्षा की भावना, कुंठा, गुस्सा, चिड़चिड़ापन तथा घबराहट बढ़ जाती है। ध्यान भटकने से अक्सर गलतियां होने की संभावना रहती है। ऐसे कुछ उपाय हैं जिन्हें आप अपनाकर एकाग्रता बढ़ा सकते हैं।

- एकाग्रता बढ़ाने के लिए मेडीटेशन और योग करें, इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है।
- एकाग्रता बढ़ाने के लिए किसी केंद्र बिंदु पर जितनी देर हो सके, ध्यान केंद्रित करें। धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने का समय बढ़ाएं।
- अपने कार्यों को टाले नहीं बल्कि योजनाबद्ध तरीके से और समय पर करें, इससे काम का अतिरिक्त बोझ भी नहीं पड़ेगा।
- उद्देश्यों में कामयाब न होने पर भी नकारात्मक विचार मन में न लाए बल्कि कमियों को तलाशे और नई ऊर्जा के साथ लक्ष्य पाने में जुटे रहे।
- सफलता प्राप्त होने पर स्वयं को सकारात्मक सोच से भरें, जिससे काम करने का उत्साह बना रहे।
- अपनी काबलियत और कमजोरियों को पहचानने की कोशिश करें।
- समय-समय पर आत्म अवलोकन करें।
- एकाग्रता से काम करने के लिए माहौल को शांतिपूर्ण बनाए रखे।
- काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खुद को नियंत्रित रखें ताकि आपका ध्यान केवल अपने निर्धारित काम के अलावा और कहीं नहीं जाए।
- यदि काम करते समय ध्यान टीवी देखने या किसी मनोरंजन के साधन की ओर जाए तो पहले उसे पूरा करें, फिर काम करें। इससे ध्यान भटकेगा नहीं और आपको संतुष्टि भी मिलेगी।

एसिस्टेंट ग्रेड परीक्षा में संभावनाएं

केंद्र सरकार से जुड़े विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, स्वायत्तशासी संस्थाओं तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में हर साल एसिस्टेंट ग्रेड के पदों पर काफी बड़ी संख्या में युवाओं की भर्तियां की जाती हैं। इसी प्रकार की नियुक्तियां अर्ध सैन्य बलों और पुलिस संगठनों में भी होती हैं। यह संख्या प्रति वर्ष हजारों में होती है लेकिन यह निश्चित नहीं होती है। इसकी चयन प्रक्रिया में 20 से 25 वर्ष तक के ग्रेजुएट युवा शामिल हो सकते है।

प्रमुख रूप से स्टाफ सिलेक्शन कमीशन या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस प्रकार की चयन परीक्षा का आयोजन केंद्र सरकार के अधिकांश मंत्रालयों और विभागों के लिए उपयुक्त प्रत्याशियों के चयन के लिए किया जाता है पर कई संस्थाएं और निकाय स्वयं भी ऐसी परीक्षाएं संचालित करते हैं।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्रति वर्ष एसिस्टेंट ग्रेड एग्जाम का संचालन किया जाता है। इसके जरिए रेल्वे बोर्ड सेक्रेटेरिएट सर्विस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट सर्विस, आर्म्ड फोर्सेस हेड क्वार्टर तथा भारत सरकार के अन्य विभागों में चयनित प्रत्याशियों को नियुक्त किया जाता है। परीक्षा के दो चरण होते हैं। पहले चरण में आब्जेक्टिव टाइप के प्रश्नों पर आधारित तीन घंटे की परीक्षा होती है इसमें चार विषयों की परीक्षा ली जाती है।

विषय- रीजनिंग एबिलिटी, जनरल अवेयरनेस अर्थमेटिक और लैंग्वेज (हिंदी या अंग्रेजी)। इनके 75-75 प्रश्न होते हैं। कुल 300 अंकों के ये सभी प्रश्न पत्र होते हैं। इसमें सफल उम्मीदवारों को ही मेन एग्जाम में शामिल होने की अनुमति मिल पाती है। प्रत्येक विषय के लिए अलग से टेस्ट पेपर दिया जाता है। प्रश्न अंग्रेजी और हिंदी दोनों ही भाषाओं में होते हैं। लैंग्वेज प्रश्न पत्र सिर्फ पास करने की जरूरत होती है। इसके अंक मेरिट बनाते समय जोड़े नहीं किए जाते हैं। बहुविकल्पी प्रश्न होते हैं जिनमें से एक उत्तर पर निशान लगाना होता है।

रीजनिंग एबिलिटी के प्रश्न पत्र में सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्न होते हैं। इसके लिए प्रैक्टिस गाइड्स, कंपीटिशन पर आधारित पत्रिकाओं तथा नेट पर उपलब्ध सामग्री का लाभ उठाया जा सकता है। जनरल अवेयरनेस के खंड में इतिहास, भूगोल, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मामलों, भारतीय अर्थव्यवस्था तथा सामान्य विज्ञान पर प्रश्न पूछे जाते हैं।

अर्थमेटिक्स के पेपर में बुनियादी गणित से संबंधित प्रश्नों पर ज्यादा जोर होता है। प्रमुख भागों में अंकगणित, नंबर्स, स्टैटिस्टिक्स, ग्राफ तथा टाइम-डिस्टेंस आदि का नाम लिया जा सकता है। इस खंड में अपेक्षित सफलता पाने के लिए प्रैक्टिस ही एकमात्र विकल्प है।

भाषा (हिंदी/अंग्रेजी) के प्रश्न पत्र का स्तर क्वालीफाइंग टाइप का ही होता है। प्रत्याशी के भाषा के व्यावहारिक ज्ञान की परख करना मात्र ही इस प्रश्न पत्र का एकमात्र उद्देश्य होता है।

मुख्य परीक्षा

इसमें प्रतिभागियों की भाषा ज्ञान के अतिरिक्त स्वयं को व्यक्त कर पाने की क्षमता की भी जांच की जाती है। उत्तर विस्तृत तरीके से लिखने की बाध्यता होती है। इसी प्रकार का टेस्ट अंकगणित का होता है जिसमें एसिस्टेंट के कार्यों के अनुरूप गणितीय कैलकुलेशन कर पाने की क्षमता को परखा जाता है। इसमें भाषा और गणित पर आधारित दो प्रश्न पत्र होते हैं। इस परीक्षा में 200 अंकों का अंग्रेजी और 100 अंकों का गणित आधारित प्रश्न पत्र होता है।

- भाषा - इसमें 50 अंकों का जनरल अंग्रेजी का एक खंड होता है जबकि शेष 150 अंकों के खंड में कम्युनिकेशन एवं लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न शामिल किए जाते हैं।
- अंकगणित - कुल सौ अंकों के इस दो घंटे की अवधि के प्रश्न पत्र में भी एलिमेंटरी गणित और सामान्य इस्तेमाल में आने वाले गणितीय अवधारणाओं से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं।

ऐसे करें तैयारी

- अंग्रेजी या हिंदी भाषा की तैयारी के लिए व्याकरण की तैयारी के अलावा रोजाना लिखने की आदत भी डालें।
- जनरल अवेयरनेस के लिए अखबारों और करंट अफेयर्स पर आधारित पत्रिकाओं को पढ़ने से काफी लाभ मिलता है।
- लॉजिकल रीजनिंग के लिए सैंपल टेस्ट पेपर्स जितने कर सकें उतना ही फायदा पेपर्स के समय मिलेगा।
- गणित में आठवीं से दसवीं तक की एनसीईआरटी की किताबों का अभ्यास करने से काफी बुनियादी जानकारी मिल जाएगी।
- शब्दों के अर्थ के साथ उनके इस्तेमाल का ज्ञान भी होना चाहिए।
- कैलकुलेशंस के शार्टकट फार्मूलों को याद करके जाए, इससे समय की काफी बचत होगी।
- कम समय में अधिक प्रश्नों को करने की बाध्यता को देखते हुए अपने टाइम मैनेजमेंट को दुरुस्त रखें।

काम करते-करते थक जाती हैं आपकी कलाइयां

तो रोजाना करे ये 6 स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

क्या आप भी दिनभर काम करने के बाद अपनी कलाइयों के दर्द से परेशान रहते हैं? तो आप भी अब इन तरीकों से अपने कलाइयों की एक्सरसाइज कर कलाइयों के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। अक्सर लोगों के साथ ऐसा कई बार होता है कि जब वह पूरा दिन कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करने के बाद शरीर में थकावट हो जाती है। इसके साथ ही लगातार काम करने से उनकी कलाइयों में दर्द महसूस होता है। जरूरी नहीं की काम की वजह से ही ऐसा हो कई बार ज्यादा बाइक चलाने से भी या फिर जिम करने से इस तरह का दर्द होने लगता है। इन सब चीजों से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना कलाइयों की एक्सरसाइज कर सकते हैं। यहां आपको कलाइयों के एक्सरसाइज के बारे में कुछ तरीके बताएंगे जो आपको आपकी कलाइयों के दर्द या फिर उसे आराम देने का काम करेगी।

कलाई को नीचे की ओर खीचें

आप अपने हाथ को अपने सामने लाकर सीधा करें और कलाई को नीचे की तरफ खींचें। आप अपने दूसरे हाथ से अपनी कलाई को नीचे की और खींचने की कोशिश करें। अपनी कलाई को करीब 20 से 30 सेकेंड खींचे रखे। ऐसा ही अपने दूसरे हाथ की कलाई को करें। यह आपकी कलाई की नसों को खोलने का काम करेगी और साथ ही आपकी कलाई को आराम देगी।

मुट्ठी बनाएं और आराम से खोलें

कलाई को आराम देने के लिए आप एक मुट्ठी बनाएं जिसे आप करीब 4 से 5 सेकेंड के बाद खोलें और अपनी उंगलियों को खींचें। इस एक्सरसाइज से आपकी उंगलियों पर भी असर होगा। और साथ ही आपकी उंगलियां का दर्द कम होगा और काम करने के लिए तैयार हो जाएंगी। उनमें किसी तरह की कोई थकावट महसूस नहीं होगी।

टेनिस बॉल का करें प्रयोग

अगर आपको लग रहा है की आपकी कलाई से आपको काफी थकावट महसूस हो रही है तो आप टेनिस बॉल के साथ एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह एक्सरसाइज आपको रोजाना करनी चाहिए खासकर उन लोगों को जिनका रोजाना का काम कंप्यूटर या फिर लैपटॉप का होता है।

कलाई को चारों और घूमाएं

आप अगर अपनी कलाई को जकड़ा हुआ या फिर दर्द महसूस कर रहे हैं तो आपको अपनी कलाई को चारों और घुमाकर एक्सरसाइज करनी होगी। आप पहले तो अपनी कलाई में मुट्ठी बना लें। इसके बाद आप अपने हाथ को अपने सामने लाएं और धीरे-धीरे इसे चारों और घुमाएं। इस एक्सरसाइज में आप पहले अपनी कलाई को घड़ी की तरह घुमाएं फिर उल्टा घुमाना शुरू करें। इससे आपकी कलाइ को धीरे-धीरे आराम मिलेगा। और जकड़न को खत्म करने में मदद मिलेगी। अगर जिम करते समय आपको महसूस हो रहा है कि कलाई में दर्द या फिर कमजोर हो रही है यानी उतनी मजबूत नहीं है जितनी होनी चाहिए। तो आप जिम में ही कलाई की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

जिम में करें कलाई की एक्सरसाइज

यह एक्सरसाइज खासतौर पर कलाइयों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए पहले बैठ जाएं और अपने हाथ को जांघ पर रखते हुए हथेलियों को नीचे की तरफ रखें। अब 8-10 किलो वजन वाले डम्बल को हाथ से पकड़े और कलाइयों पर जोर डालते हुए उसे थोड़ा सा उठाने की कोशिश करें। इसे करते समय अपनी कोहनी को न उठाएं सिर्फ कलाइयों और हथेली का प्रयोग करें। इसे कम से कम 20 बार दोहराएं।

डम्बल के साथ करें एक्सरसाइज

कलाइयों को मजबूत करने के लिए आप 4-5 किलो के डंबल को हथेली पर रखें और फिर उंगलियों को अंदर की तरफ मोड़कर उसे पकड़कर हथेली से कलाई तक रोल कराएं। फिर उंगलियों को वापस शुरुआती पोजीशन में ले जाएं। इसे कम से कम 10-15 बार करें। यह आपकी कलाई को और मजबूत करने में मदद करेगी।

क्या जीवन बीमा बीच जिंदगी के संकट दूर करने में सहायक हो सकता है?

जीवन काल के मध्य में हर व्यक्ति संकट की स्थिति से गुजरता है, जब उम्मीदों का वास्तविकता से सामना होता है। सामान्य तौर पर, युवावस्था में भावनात्मक एवं वित्तीय दृष्टि से व्यक्ति काफी संतुष्ट रहता है लेकिन 30 की उम्र शुरू होने के बाद से 45 और 55 की उम्र के बीच संतुष्टि का स्तर लगातार घटता जाता है। यही वो समय होता है, जब व्यक्ति भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय दृष्टि से अपने जीवन सफर के हासिल को लेकर मजबूती से सवाल करता है। और यदि इस तरह के विश्लेषण के बाद, उसके जीवन का हासिल उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं होने पर, उसे मानसिक तनाव हो सकता है।जानिए कैसे एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान उन्हें बेहतर प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

चिंता 1: क्या मैं अपने बच्चे केभविष्य की आर्थिक रूप से रक्षा कर सकूंगा?

हम जानते है कि एक कुलीन संस्थान में 2 साल का एमबीए कोर्स, जिसकी कीमत आज लगभग 6 लाख रुपए है, 20 साल बाद लगभग 40 लाख रुपए हो जाएगी। लेकिन अच्छी खबर यह है कि कई बीमा योजनाएं हैं जो आपके बच्चे की भविष्य की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए हैं। यह एक बच्चे की योजना, एक यूलिप या एक पारंपरिक मनी-बैक योजना हो, आप अपनी आवश्यकता के अनुकूल एक का चयन कर सकते हैं। यहां अनुशासित आवधिक भुगतानों के साथ आप बच्चे के भविष्य के लिए एक कोष जमा कर सकते हैं। यदि पॉलिसी की परिपक्वता से पहले आपके साथ कुछ होता है, तो लंबित प्रीमियम यह सुनिश्चित करने से छूट जाते हैं कि पॉलिसी जारी है, और आपके बच्चे के सपने सुरक्षित हैं।

चिंता 2: बहुत अधिक और सेवानिवृत्ति केबारे में नहीं सोचना?

आपको सेवानिवृत्ति के बाद कितने पैसे की आवश्यकता होगी? यह निश्चित रूप से चिंता का कारण बन सकता है। जीवन बीमा का उपयोग सेवानिवृत्ति की योजना के लिए कई तरीकों से किया जा सकता है। आप ऐसे उत्पादों का चयन कर सकते हैं जो जीवन रक्षा की पेशकश करते हुए, सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित आय पैदा करने में मदद करेंगे। एक संपूर्ण जीवन बीमा बचत योजना या एक गारंटीकृत रिटर्न योजना, ऐसी नीतियां हैं जो न केवल असामयिक मृत्यु के मामले में सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि नियमित आय की पेशकश भी करेंगी या आय पोस्ट रिटायरमेंट में मदद करने के लिए एकमुश्त कॉर्पस बनाएंगी।

चिंता 3: चिकित्सा आपात स्थिति के लिए वित्त?

आप गंभीर बीमारी नीतियों या सवारों के लिए चुन सकते हैं जो कैंसर, दिल के दौरे या कई अंग विफलता जैसी बीमारियों के निदान पर पॉलिसीधारकों को नकद भुगतान की पेशकश करते हैं। ये योजनाएं आपको एकमुश्त भुगतान के साथ कम प्रीमियम पर उच्च कवर प्रदान करती हैं। वे न केवल आपके आय प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि व्यय प्रबंधन करने में सहायता भी प्रदान करते हैं जैसे कि अस्पताल के दौरे, डॉक्टर के शुल्क, घर के किराए आदि पर खर्च किए गए पैसे।

चिंता 4: क्या होगा अगर मैं 40 के दशक में अपनी नौकरी खो दूं?

जीवन में कई घटनाएं हो सकती हैं, जिससे आय में कमी हो सकती है जैसे कि आर्थिक मंदी, स्वास्थ्य की समस्या, दुर्घटना के कारण आ शिक या स्थायी विकलांगता आदि के कारण जीवन बीमा पॉलिसियां हैं, जो आपकी आय को सुरक्षित करती हैं और मासिक भुगतान की गारंटी देती हैं। नौकरी छूटने के दौरान निर्दिष्ट अवधि। इसके अलावा, जीवन बीमा कवर के लिए गारंटीकृत बचत योजनाओं या व्यक्तिगत दुर्घटना और प्रीमियम की छूट जैसी सवारियां वित्तीय रूप से सहायता करने के लिए सुसज्जित होती हैं, जब कोई नौकरी छूट जाती है। देखें कि क्या आप इसे से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं, और अपने मध्य जीवन की चिंता से मुक्त जश्न मनाने के लिए एक उपयुक्त जीवन बीमा समाधान के साथ अंतर के भरें।

पराग राजा, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस

काबुली चने की चाट

सामग्री

- 200 ग्राम काबुली चने या छोले
- 50 ग्राम मटर के दाने
- 1 मध्?यम आकार का प्याज
- 2 हरी मिर्च
- 2 चम्मच तेल
- 1 चुटकी सरसों
- 1 चुटकी उड़द की दाल
- मीठा नीम
- 1 चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक।

विधि

शाम की चाय के साथ चटपटी काबुली चना चाट बनाने के लिए सबसे पहले छोलों को 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद अब छोलों में थोड़ा सा नमक और चुटकी भर सोड़ा डालकर उन्हें उबाल लें। अब मटर के दाने को गरम पानी में एक-दो बार उबालकर उसका पानी निथार लें। अब प्याज और हरी मिर्च बारीक काटकर एक कढ़ाई में तेल गरम करके उसमें उड़द की दाल, राई या सरसों में से एक चीज डालकर भून लें। अब इसमें मिर्च, मीठा नीम डालकर फ्राई करे लें। इसके बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनने के बाद उसमें चने मिला दें। इस से थोड़ा नमक डालकर चनों को अच्छे से मिला लें। अब ऊपर से नींबू का रस धनिया काटकर बुरक दें। आपकी स्पाइसी काबुली चना चाट बनकर तैयार है। इसे शाम की चाय के सर्व करें।

सेब की चटनी

सामग्री

- हरे सेब- चार
- गुड़- एक बडा चम्मच (कतरा हुआ)
- जीरा- एक छोटा चम्मच
- सरसों- एक छोटा चम्मच
- मिर्च पाउडर- एक छोटा चम्मच
- गरम मसाला पाउडर- एक छोटा चम्मच
- आलिव/रिफाइंड ऑयल- एक बड़ा चम्मच
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले सेब का छिलका उतारकर उसे कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में ऑलिव ऑयल डालकर उसे गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें सरसों डालकर भूनें। इसके बाद मिर्च, जीरा, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर डालें और उसे हल्का सा भूनें। मसाले भुनने के बाद सेब, नमक और गुड़ पैन में डालें और मध्यम आंच पर लगभग पन्द्रह मिनट तक पकाएं। जब चटनी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तो समझ जाएं कि यह तैयार हो गयी है। अब गैस को बंद कर दें। लीजिए, सेब की चटनी तैयार हुई। ठंडा होने पर इसे स्नैक्स अथवा भोजन के साथ परोसें। चाहें तो सेब की चटनी फ्रिज में रख कर 7-8 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को यह चटनी बेहद पसंद आएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2676

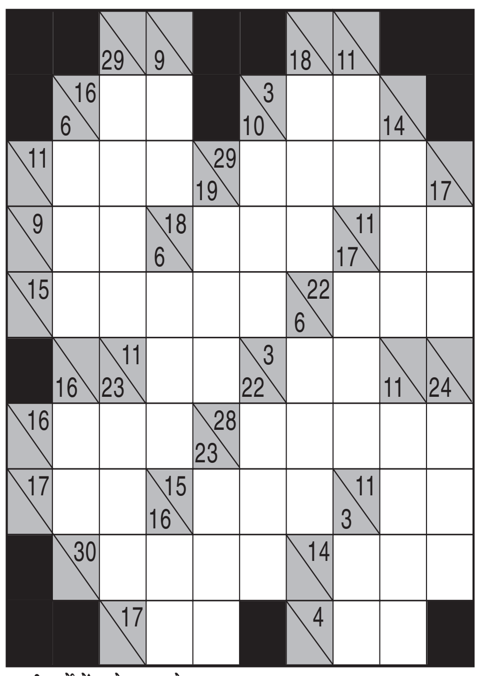

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

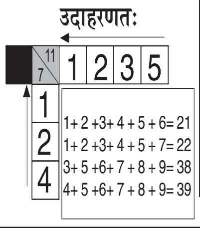

काकुरो - 2675 का हल

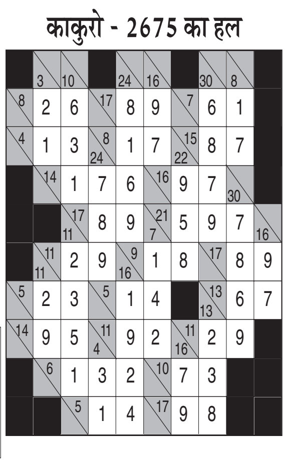

हंसी के फूव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूँ, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूँ, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूँ.

□ □ □

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया ?
नौकर: नहीं हुजूर.
मालिक: क्यों नहीं डाला ?
नौकर: कैसे डालता ? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

□ □ □

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान,दरवान, वगैरह वगैरह.
बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरवान.

□ □ □

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.
प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2676

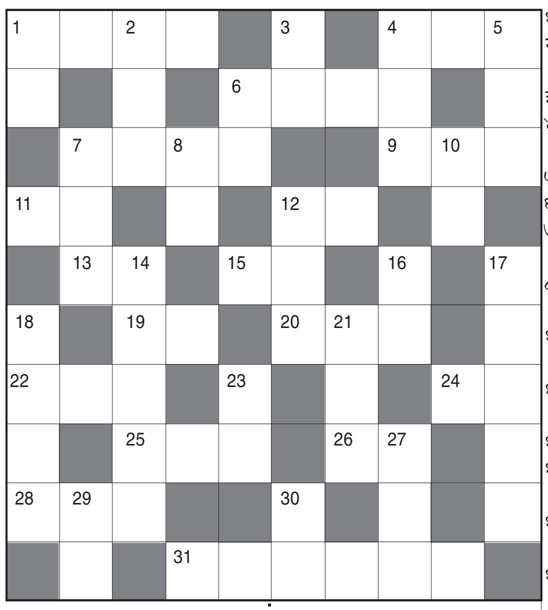

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

फिल्म वर्ग पहेली- 2675

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	श		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	र			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

सूडोकु -2676

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2675 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 2676

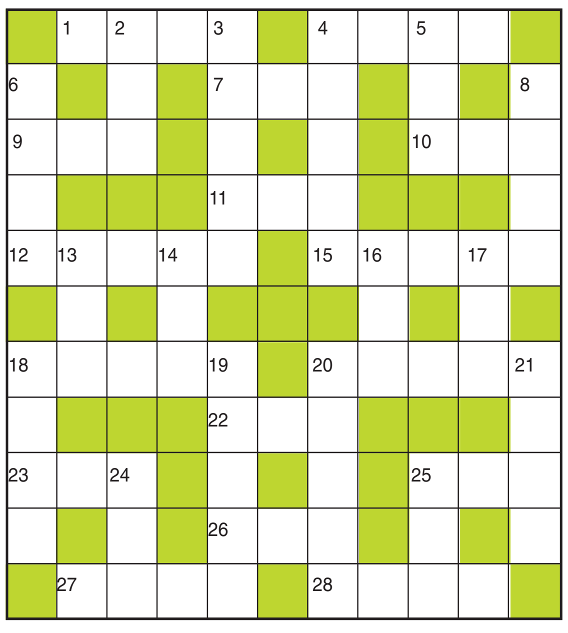

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -2675 का हल

	अ	व	का	श		प्र	ति	घा	त	
खु				रा	व	ण				मु
शा		ना	या	ब		य	ती	म		क
म		ह		खा	र	क		ज		र
द	या	क	र	ना		था	ह	मा	प	ना
	प		फ्ता				सी		ठा	
अ	न	व	र	त		म	न	भ	र	ना
नु		रा		म	ध्य	म		र		मा
रो		ह	र्षि	त		ता	ली	म		कू
ध				मा	त	म				ल
	आ	ज	मा	ना		य	ज	मा	न	

उप राष्ट्रपति 15 दिसम्बर को मध्य प्रदेश के प्रवास पर रहेंगे

एजेंसी
ग्वालियर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 15 दिसम्बर को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर आएंगे। वे यहां महाराज बाड़ा पर जियो साइंस म्यूजियम का उद्घाटन और जीवाजी विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन परिसर में महाराज जीवाजीराव सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी हितेंद्र सिंह भदौरिया ने दी। जनसम्पर्क अधिकारी भदौरिया ने बताया कि उप राष्ट्रपति धनखड़ इस दिन प्रातः काल लगभग 10.55 बजे वायुसेना के विशेष विमान से एयरबेस विमानतल पर आगमन होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उप राष्ट्रपति वायुसेना के विमानतल से सड़क मार्ग द्वारा रवाना होकर प्रातः 11.25 बजे महाराज बाड़ा पहुँचेंगे और जियो साइंस म्यूजियम का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद प्रातः लगभग 11.45 बजे जीवाजी विश्वविद्यालय पहुँचकर महाराज श्रीमंत जीवाजीराव सिंधिया की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

मंत्री रविंद्र जायसवाल ने 2 करोड़ 37 लाख की लागत से होने वाले निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने 2 करोड़ 37 लाख की लागत से होने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इन निर्माण कार्यों का उद्देश्य शहर की आधारभूत संरचना को बेहतर बनाना और नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा प्रदान करना है।शहर उत्तरी विधान सभा क्षेत्र के वार्ड शिवपुर में आवासीय योजना के तहत बने एमआईजी (42 फ्लैट) के पीछे की सर्विस लेन पर स्टेडियम रोड की दोनों पटरियों और पार्क रोड के किनारे पर टाइल्स के पुनर्स्थापन का कार्य किया जाएगा, जिसकी कुल लागत लगभग 44 लाख रुपये है। रविंद्र जायसवालइसके अलावा, वार्ड तरना में गौतम गार्डेन कॉलोनी बाईपास स्थित प्लाट डी-74 के पास सड़क निर्माण का कार्य किया जाएगा, जिसकी लागत लगभग 5.5 लाख रुपये है।सबसे महत्वपूर्ण परियोजना वार्ड डिठोरी महाल के अंतर्गत पुलिस लाइन परिसर में 1 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से सड़कों के लिंक मार्गों के सुदृढ़ीकरण और आरसीसी नालियों के निर्माण का कार्य है। इस कार्य के पूरा होने से पुलिस लाइन परिसर के अंदर यातायात और जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा।

झारखंड विधानसभा में सदन के अंदर और बाहर गूंजता रहा बालू की किल्लत का मुद्दा

रांची। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के आखिरी दिन राज्य में बालू की किल्लत का मुद्दा सदन के अंदर और बाहर गूंजता रहा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक बाबूलाल मरांडी ने राज्यपाल के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में बालू का संकट ज्वलंत मुद्दा बन गया है। सरकार बालू घाटों की नीलामी नहीं कर पा रही है। लोग घर बनाने के लिए बालू ले रहे हैं तो पुलिस उन्हें पकड़ रही है, उनपर केस कर रही है। अगर सरकार घाटों की नीलामी नहीं करा पा रही है, तो गृह निर्माण कार्य के लिए बालू को मुफ्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को जवाब देना चाहिए कि किस तरह बालू घाटों पर लूट मची है। प्रधानमंत्री आवास और अबुआ आवास की योजनाओं का सरकार उल्लेख कर रही है, लेकिन इसके लिए भी बालू नहीं मिल रहा है। बाबूलाल मरांडी ने इस मुद्दे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी उठाया है। उन्होंने लिखा, 'झारखंड में बालू की कमी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। 444 बालू घाटों में से केवल 51 को स्वीकृति है और उनमें से भी केवल 24 से निकासी हो रही है। इस कारण राज्य में निर्माण कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं।

झारखंड की अबुआ सरकार आदिवासियों की जमीन लूट का रास्ता खोल रही : चंपई सोरेन

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ विधायक चंपई सोरेन ने राज्य में झामुमो की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार पर हमला बोला। उन्होंने सरकार पर कई मोर्चों पर नाकाम रहने का आरोप लगाया है।झारखंड विधानसभा परिसर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार खुद को यहां के आदिवासियों-मूलवासियों की 'अबुआ सरकार' (अपनी सरकार) बताती है, लेकिन यह तो उनकी ही जमीन को लूटने का रास्ता खोल रही है। उन्होंने कहा कि हम तो समझते थे कि इस सरकार में राज्य में आदिवासियों की जमीन की सुरक्षा के लिए सीएनटी-एसपीटी (छोटानागपुर एवं संथाल परगना टेनेंसी) एक्ट सख्ती से लागू होगा। ऐसा होने से पता चलता कि कौन लोग बांग्लादेश से आकर यहां जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। वह तो नहीं हुआ, अब राज्यपाल के अभिभाषण में कहा गया है कि खास महल, गैरमजरुआ और गोचर जमीन की भी बंदोबस्ती होगी। अगर जमीनों की इस तरह खुले तौर पर बंदोबस्ती हुई तो इससे यहां की सामाजिक व्यवस्था और बिगड़ेगी। भाजपा ने 2017 में गैरमजरुआ जमीन की बंदोबस्ती और रसीद काटने पर रोक लगा दी थी।

केंद्रीय आयुष मंत्री बोले- मोदी के नेतृत्व में आयुष उत्पाद निर्माण में आठ गुना बढ़ोतरी

एजेंसी
देहरादून। केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रताप राव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल के दौरान आयुष के क्षेत्र में हुई पहलों से आयुष उत्पाद निर्माण में आठ गुना बढ़ोत्तरी हुई है। अब आयुष और हर्बल उत्पाद विश्व के 150 से अधिक देशों में निर्यात हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भी अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग उपकरणों के जैसी तकनीकी को अपना कर आगे बढ़ रहा है।

परेड ग्राउंड में आयोजित 10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो 2024 को संबोधित करते हुए केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रताप राव जाधव ने कहा कि भारत में लोग सामान्य तौर पर आयुर्वेद से उपचार पसंद करते हैं,

लेकिन गांव-देहात तक डॉक्टर एलोपैथिक दवाओं का ज्यादा परामर्श देते हैं। ऐसा शायद इसलिए होता है क्योंकि आयुर्वेद की एक तो दवा कम है, फिर सारे रोगों की सारी दवाएं एक ही जगह पर मिलनी तकरीबन मुश्किल होती हैं। इसलिए केंद्र सरकार सभी जिला, तहसील और गांव स्तर पर एक ही छत के नीचे आयुर्वेद की सभी दवाएं उपलब्ध कराने के लिए आयुष औषधि केंद्रों की स्थापना करने का प्रयास कर रही है। ऐसा पहला केंद्र दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में शुरू हो चुका है। देशभर में ऐसे केंद्र खुलने से आयुष चिकित्सक परामर्श में आसानी से दवा लिख सकेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व आयुर्वेद कांग्रेस नवीन विचारों, प्राचीन संस्कृति और नवाचारों का संगम साबित होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चार दिनों तक चलने वाले इस आयोजन के दौरान आस पास के हजारों लोग यहां स्टॉल का भ्रमण करेंगे। यह आयोजन व्यावसायिक अवसरों के लिए भी मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए ही केंद्र सरकार ने देशभर में 29 अक्तूबर से प्रकृति परीक्षण अभियान शुरू किया है, जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय में सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि विश्व आयुर्वेद सम्मेलन के आयोजन से आयुष पद्धति को वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने में मदद तो मिलती ही है।

महादेव ऐप मामलाः कोलकाता के ब्रोकर गोविंद कुमार केडिया गिरफ्तार, ईडी ने की 12वीं गिरफ्तारी

एजेंसी
कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत कोलकाता के ब्रोकर गोविंद कुमार केडिया को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय एजेंसी ने बयान जारी कर इस बारे में जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि यह इस मामले में ईडी की 12वीं गिरफ्तारी है। एजेंसी ने बताया कि केडिया को छह दिसंबर को गिरफ्तार किया गया। ईडी के अनुसार, केडिया कोलकाता में सब-ब्रोकर के रूप में काम करता है और उसने महादेव ऐप के प्रमोटर्स और अन्य आरोपितों की मदद की। वह अपराध की आय से जुड़े निवेशों को बढ़ाने, उन्हें छिपाने और उससे मुनाफा कमाने के लिए जानबूझकर शामिल था। ईडी ने केडिया और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी कर 197 करोड़ रुपये के शेयर बाजार में किए गए निवेश को फ्रीज किया। ये निवेश केडिया, उसके परिवार के सदस्यों और संबंधित संस्थाओं के नाम पर किए गए थे। राजनीतिक और नौकरशाही संबंधों का खुलासाईडी ने इससे पहले अपनी जांच में बताया था कि महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप में छत्तीसगढ़ के कई उच्च पदस्थ राजनेताओं और नौकरशाहों की संलिप्तता पाई गई है। महादेव एप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल छत्तीसगढ़ के ही रहने वाले हैं। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप एक सिंडिकेट है, जो अवैध सट्टेबाजी के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म मुहैया कराता है। यह नए उपयोगकर्ताओं को जोड़ने, आईडी बनाने और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए बेनामी बैंक खातों के जाल का इस्तेमाल करता है।

पीएम मोदी से पहले सीएम योगी ने लिया महाकुंभ की तैयारियों का जायजा, कहा- 'ऑल ओके'

एजेंसी
महाकुंभनगर। महाकुंभ 2025 के लिए हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करने प्रयागराज आ रहे पीएम मोदी के कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सीएम योगी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने महाकुंभनगर में चल रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान वह संगम नोज भी पहुंचे, जहां पीएम मोदी पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां पीएम मोदी के भ्रमण की पूरी रूपरेखा को समझा और बिना बाधा कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किए। यही नहीं, सीएम योगी ने मेला क्षेत्र में अस्थायी अस्पताल, अक्षय वट, सरस्वती कूप, लेटे हनुमान मंदिर पहुंचकर वहां भी तैयारियों का जायजा लिया। लेटे हनुमान मंदिर में सीएम ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन व दर्शन भी किया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पीएम मोदी प्रयागराज में उपस्थित रहेंगे और संगम नोज पर गंगा आरती व पूजन के साथ ही वह यहां जनसभा को भी संबोधित करेंगे। सीएम योगी सबसे पहले सेक्टर वन परेड में बनाए गए 100 बेड के अस्थायी अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। महाकुंभ 2025 को

देखते हुए चिकित्सा परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा इस अस्थायी अस्पताल का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने यहां इमरजेंसी वार्ड, इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू), ओपीडी के साथ ही वेटिंग एरिया, मुख्य वार्ड, फीमेल वार्ड, चिल्ड्रेन वार्ड और ऑपरेशन थिएटर का गहन निरीक्षण किया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के विषय में जानकारी दी। आईसीयू में एआई कैमरों के इस्तेमाल के साथ ही हाईटेक एआई मैसेजिंग फ्लो सिस्टम के बारे में उन्हें पूरे विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही, अस्पताल में स्थापित लैबोरेट्री के विषय में भी बताया गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। केंद्रीय अस्थायी अस्पताल के माध्यम से उन्हें हर संभव मदद मिलनी चाहिए। चिकित्सकों के साथ ही स्टाफ और दवाइयों की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अस्पताल में वेंटिलेशन के बेहतर इंतजाम किए जाने के भी निर्देश दिए। मालूम हो कि महाकुंभ के लिए बनाए गए इस अस्थायी अस्पताल में कुल 100 बेड हैं, जिसमें 10 बेड का आईसीयू भी सम्मिलित है। इसमें कुल 381 डॉक्टर्स को तैनात किया गया है, जिसमें फिजिशियन, सर्जन, गायनेकोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिक्स समेत अन्य शामिल हैं। 10 बेड के आईसीयू को कैंट बोर्ड संचालित करेगा, जिसमें मेदांता के डॉक्टरों का भी सहयोग रहेगा।

झांसी में भारी विरोध के बीच मुफ्ती खालिद को एनआईए ने लिया हिरासत में

एजेंसी
झांसी । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और यूपी एटीएस की संयुक्त टीम ने उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में छापा मारकर महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए और शहर काजी के भतीजे मुफ्ती खालिद नदवी को हिरासत में लिया। खालिद को हिरासत में लेने के लिए एनआईए को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सूत्रों ने बताया कि एनआईए और यूपी एटीएस की यह संयुक्त कार्रवाई ऑनलाइन विदेशी फंडिंग के मामले में हुई है। एनआईए और यूपी एटीएस ने बुधवार रात 2.30 बजे सुपर कॉलोनी में मुफ्ती के घर छापा मारा। टीम ने आठ घंटे तक घर में तलाशी और पूछताछ की। इस पर मस्जिद में ऐलान किया गया और बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुषों ने एनआईए व एटीएस की टीम का विरोध जताते हुए धक्का-मुक्की की। गुरुवार सुबह जब मुफ्ती को हिरासत में लेकर टीम घर से बाहर निकलने लगी तो समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया। टीम ने समझाने की कोशिश की, लेकिन मुफ्ती के समर्थक उग्र हो गए। देखते ही देखते वहां 200 से अधिक लोग जमा हो गए। भीड़ मुफ्ती को छुड़ाकर ले जाने लगी।

एनआईए ने लोगों को खदेड़ने की कोशिश की। इस बीच झड़प और धक्का-मुक्की हुई। लोग मुफ्ती को खींचकर साथ ले गए। इस दौरान हंगामा कर रहे लोगों को समझाया, फिर सभी माने। पुलिस को इसमें करीब तीन घंटे का वक्त लग गया। तब कही एनआईए व एटीएस की टीम नदवी को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए पुलिस लाइन जा पहुंची।जिस कॉलोनी में मुफ्ती का घर है, वह मुस्लिम बाहुल्य है। मुफ्ती खालिद नदवी ने बताया कि एनआईए ने रात 3 बजे दरवाजा खटखटाया। डर के मारे दरवाजा नहीं खोला, फिर चाचा को फोन किया। थोड़ी देर में चाचा आए। इसके बाद दरवाजा खोला। टीम ने घर को चेक किया। कवर्ड में रखी गईं किताबों को देखा। एक-एक किताब के बारे में पूछताछ की। किताब लिखने वालों के बारे में पूछा। मेरा पासपोर्ट जब्त कर लिया। मेरा वीजा देखा। मैं अक्टूबर में हज करने गया था, तो उसके बारे में पूछा। टीम ने वॉट्सऐप चैट चेक किया।

देश को 'वन नेशन, वन एजुकेशन' और 'वन नेशन, वन हेल्थकेयर सिस्टम' की जरूरत : अरविंद केजरीवाल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट के 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल को मंजूरी देने का आम आदमी पार्टी (आप) ने सख्त विरोध किया है।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश को 'वन नेशन, वन एजुकेशन' और 'वन नेशन, वन हेल्थकेयर सिस्टम' की जरूरत है, ना कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की। 'वन नेशन, वन इलेक्शन' भाजपा की गलत प्राथमिकता है।वहीं, आम आदमी पार्टी की तरफ से कहा गया है कि मान लिया जाए कि अगर इन्होंने एक बार पूरे देश में एक साथ चुनाव करा दिया, तो महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में अभी सरकार बनी है। अभी पंजाब और उत्तर प्रदेश का कार्यकाल बाकी है। आप पूरे देश का एक साथ चुनाव

कैसे करा देंगे? जिन सरकारों के कार्यकाल बाकी हैं, उनका चुनाव कैसे करा देंगे? सबसे बड़ा सवाल है कि यह बहानेबाजी है कि सरकार कह रही है कि एक साथ चुनाव कराने से खर्चे कम आएंगे। क्या एक साथ चुनाव कराने से वोटर्स की संख्या कम हो जाएगी? क्या ईवीएम की संख्या कम हो जाएगी? एक साथ चुनाव कराने में भी उतने ही वोटर्स हिस्सा लेंगे, जितने अलग-अलग समय पर चुनाव में हिस्सा लेंगे। इसमें खर्चे का सवाल कहां से आ गया? फिर, ये आचार संहिता की बात करते हैं। ने सवाल करते हुए कहा कि मान लिया जाए कि अगर राज्य का चुनाव है, तो ऐसे में उतने ही समय के लिए आचार संहिता लगती है, जैसे देश भर में होने वाले चुनाव के समय लगती है। बता दें कि केंद्रीय कैबिनेट ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़े विधेयक को मंजूरी दी।

संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है, इसी सत्र में यह बिल संसद में पेश किया जा सकता है। केंद्रीय कैबिनेट ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर रामनाथ कोविंद समिति की रिपोर्ट को पहले ही मंजूरी दे दी है। यह बिल पूरे देश में एक चुनाव का मार्ग प्रशस्त करता है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार अब विधेयक (बिल) पर आम सहमति बनाना चाहती है। सरकार इसे विस्तृत चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति या जेपीसी के पास भेज सकती है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने की राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ के कार्यक्रमों की शुरूआत

एजेंसी
जोधपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर राज्य की प्रगति में योगदान दे। उत्कृष्ट राजस्थान, विकसित राजस्थान का संकल्प युवा शक्ति से ही संभव होगा। राज्य सरकार युवाओं के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रदेश के हित में काम करें, सपने देखें। उनके सपनों को पूरा करने में राज्य सरकार पूरी मदद करेगी। शर्मा राज्य सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में गुरूवार को जोधपुर के मारवाड़ इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में होने वाले आयोजनों की रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन से शुरूआत की। 12 से 17 दिसंबर तक आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों की थीम निभाई जिम्मेदारी, हर घर खुशहाली है। जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं के माध्यम से महिला, युवा, किसान एवं मजदूर को आर्थिक संबल दिया जाएगा। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सरकारी नौकरी में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए तथा सभी जिलों में आयोजित हुए रोजगार उत्सव कार्यक्रमों में 15 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यभर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्राप्त प्रतिभागियों से संवाद भी किया।

अटलजी का नदी जोड़ो का सपना साकार कर रहे हैं प्रधानमंत्री : डॉ. यादव

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का एक वर्ष पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अटलजी के नदी जोड़ो की कल्पना को साकार करने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा परियोजना को शीघ्र शुरू किया जाएगा। इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि किसी भी देश को आगे बढ़ाने के लिए उसके उपलब्ध संसाधनों का बेहतर से बेहतर उपयोग होना चाहिए। ऐसे में उन्होंने नदी जोड़ो की कल्पना की थी। नदी जोड़ो के माध्यम से उनका अपना विराट दर्शन था। नदी जोड़ो की कल्पना को साकार करने

का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरा कर रहे हैं। केन बेतवा परियोजना को शीघ्र शुरू किया जाएगा। इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटलजी के जन्म शताब्दी पर केन बेतवा परियोजना का 25 दिसंबर को शिलान्यास होगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी आने वाले हैं। इस परियोजना से बुंदेलखंड की तस्वीर बदलेगी। इसका प्रदेश के 11 जिलों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही पार्वती कालीसिंध चंबल परियोजना का काम शीघ्र शुरू होगा। श्योपुर से आगर तक 11 जिलों का लाभ इसको मिलेगा। तीनों नदियों के जुड़ने से इन जिलों की तकदीर बदलने वाली है। उन्होंने कहा कि 70 हजार करोड़ की इस परियोजना का काम भी जल्द शुरू होगा। नदियों के जल का सही उपयोग कर लें, इस दिशा में आगे बढ़ना होगा। राज्य के अंदर की नदियों को जोड़ने के कार्य को अभियान के रूप में लिया है। उन्होंने कहा कि 1980 के बाद से श्रद्धालु सिंहस्थ में शिप्रा(क्षिप्रा) नदी में स्नान नहीं कर पाए। 2016 के कुंभ में हमने नर्मदा जी के जल से स्नान कराया, लेकिन अब हमने शिप्रा नदी के पानी से ही स्नान करने के लिए योजना बनाई है। वर्षा जल को संग्रहित करके सरवर खेड़ी डैम के आधार पर शिप्रा नदी का पानी संरक्षित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर परिसर में जनकल्याण एवं विकास प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्रदर्शित की गई हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद विष्णुदत्त शर्मा, उपमुख्यमंत्री द्वय जगदीश देवड़ा और राजेंद्र प्रसाद शुक्ल उपस्थित रहे। उन्होंने एक साल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में दो तरह की एयर एंबुलेंस चल रही हैं। जहां हवाई पट्टी है वहां एयर एंबुलेंस चल रही है और जहां हवाई पट्टी नहीं है वहां हेलीकॉप्टर से मरीजों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है। अभी हाल की घटना है पन्ना में एक रिटायर्ड खनिज अधिकारी सुबह घूमने जा रहे थे और पीछे से ट्रक में उन्हें कुचल दिया।

कांग्रेस का कूकी-जो संगठन से गहरा संबंध : मणिपुर भाजपा

एजेंसी
इंफाल। कांग्रेस कुकी-जो संगठनों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है। मणिपुर प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने आरोप लगाया कि इसलिए कांग्रेस ने कुकी-ज़ो की धुन पर राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग उठाई है। प्रदेश भाजपा के महासचिव के सरथकुमार सिंह इंटरव्यू दे रहे थे। उनकी शिकायत के अनुसार, विश्व कुकी-जो बौद्धिक परिषद ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए कुकी-जो राजनीतिक समझौता विधेयक पेश करने का आग्रह किया था। यह पत्र कांग्रेस और कुकी-जो संगठनों के बीच घनिष्ठ संबंध को साबित करता है। सरथकुमार ने कहा, कांग्रेस भी वही मांग कर रही है जो कुकी संगठनों ने उठाई है। कुकी समूह की तरह,

कांग्रेस भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे और राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग कर रही है। उन्होंने शिकायत की, गत (वर्ष 2024) लोकसभा चुनाव के दौरान कुकी इंपी मणिपुर ने कुकी को कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने के लिए फतवा जारी किया था। कांग्रेस ने जीतने पर एक अलग राजनीतिक प्रशासन बनाने का वादा किया।

इसलिए कुकी इंपि मणिपुर ने कांग्रेस को समर्थन देने का आदेश दिया। प्रदेश भाजपा नेता ने दावा किया, सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) समझौते का पालन करने वाले चालाक अलगाववादी समूहों ने कांग्रेस को चुनाव प्रक्रिया में हेरफेर करने में मदद की। राज्य भाजपा नेता सरथकुमार सिंह ने आरोप लगाया, 3 मई, 2023 से जारी हिंसा का मास्टरमाइंड या आयोजक म्यांमार स्थित कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन का अध्यक्ष पीएस हाउकिप है।

सुखबीर बादल की धार्मिक सजा पूरी

एजेंसी
चंडीगढ़। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह के अकाली दल के पूर्व अध्यक्ष सुखबीर बादल और अन्य अकाली नेताओं को सुनाई गई धार्मिक सजा पूरी हो गई। अब सुखबीर बादल शुक्रवार को दोबारा अकाल तख्त साहिब पर पेश होकर अपनी सजा का ब्यौरा देंगे। तत्पश्चात सुखबीर बादल दरबार साहिब में पश्चाताप अरदास करवाएंगे।

सुखबीर बादल और अन्य अकाली नेताओं को सत्ता में रहते हुए पंथक मामलों की अनदेखी करने, डेरा सच्चा सौदा मुखी राम रहीम को माफी दिलवाने आदि जैसी

आरोपों के बाद बीती दो दिसंबर को अकाल तख्त साहिब पर पांचों सिंह साहिबानों की मौजूदगी में अकाल तख्त जत्थेदार ने धार्मिक सजा सुनाई थी।

इसके बाद सुखबीर बादल ने तीन दिसंबर को दरबार साहिब में सेवादार के कपड़े पहनकर पहले मुख्य द्वार के बाहर बतौर चौकीदार सजा भुगती, उसके बाद कीर्तन सुना व बर्तन सेवा की। चार दिसंबर को सुखबीर बादल जब सजा भुगत रहे थे तो कट्टरपंथी नारायण सिंह चौड़ा ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसमें वह बाल-बाल बचे थे। इसके बाद सुखबीर बादल अन्य गुरुद्वारा साहिबानों में दो-दो दिन की सजा भुगतते रहे। सुखबीर बादल ने सजा के अंतिम दिन मुक्तसर साहिब के गुरुद्वारा श्री टूटी गढी साहिब में पहुचंकर सबसे पहले नीला थोला पहना और एक घंटे गेट पर बैठे रहे। इसके बाद एक घंटा कीर्तन सुना और इसके बाद वह बर्तन साफ करने की सेवा की। इसी के साथ उन्हें सुनाई गई धार्मिक सजा आज पूरी हो गई।अब सुखबीर बादल शुक्रवार को अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होकर अरदास कराएंगे। इसके बाद सुखबीर बादल पहले की तरह सामान्य जीवन में लौटेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में शीघ्र होगी राम दरबार की स्थापना : चंपत राय

एजेंसी
अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में राम दरबार की शीघ्र ही स्थापना की जाएगी। चंपत राय ने कारसेवकपुरम स्थित अपने शिविर कार्यालय भरतकुटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हिन्दुस्थान समाचार के एक सवाल पर कहा कि समस्त हिन्दू पर्व एवं त्योहार तिथियों के अनुसार ही मनाए जाते हैं, यथा रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, विवाह पंचमी आदि। उसी

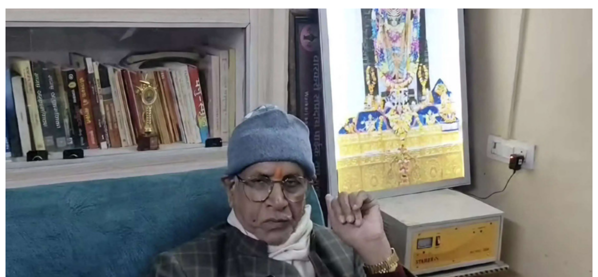

तरह श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा की जयंती पौष शुक्ल द्वादशी को 'प्रतिष्ठा द्वादशी' नाम दिया गया है, जो इस वर्ष 11 जनवरी को है। उन्होंने श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के वार्षिकोत्सव 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के आयोजन तथा मंदिर परिसर में बन रहे अन्य 18 मंदिरों के निर्माण की भी अद्यतन जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गूढ़ मंडप पूर्णता की ओर है, शीघ्र ही राम दरबार की स्थापना होगी। जो अठारह मंदिर और बन रहे हैं, दशावतार, शेषावतार, निषादराज, शबरी, अहिल्या, संत तुलसीदास आदि के मंदिरों में तेजी से काम चल रहा है। जो तिथियां सोची गई हैं परमात्मा की इच्छा रही तो सब उसी अनुसार सभी कार्य होंगे।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं-

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण- यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम- कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम- एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम- कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

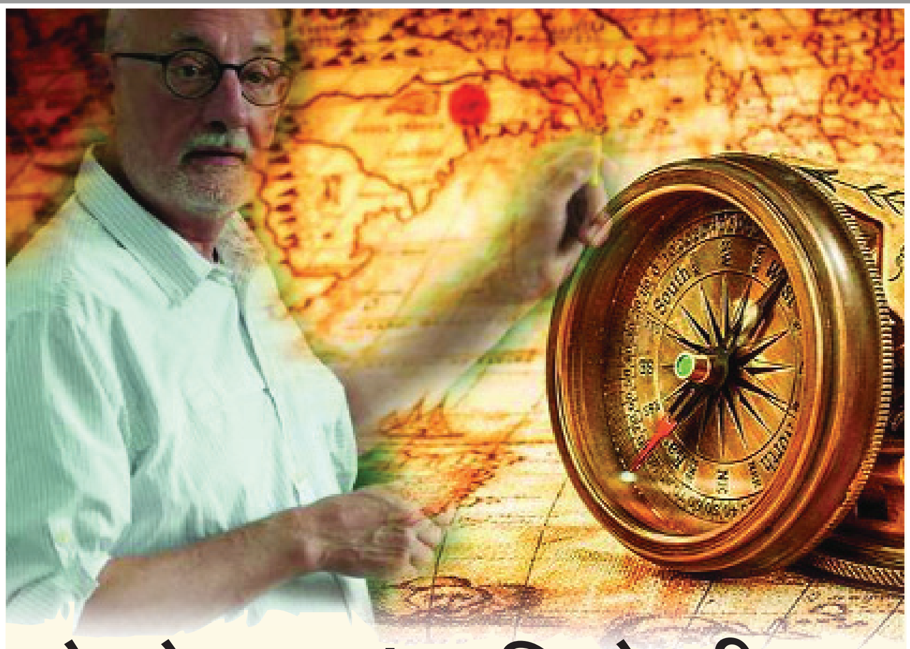

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहित है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं-

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में धीमी ओवर गति के कारण भारतीय महिला क्रिकेट टीम पर लगा जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए भारत पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। मैच रेफरी डेविड गिल्बर्ट ने यह जुर्माना तब लगाया जब समय सीमा को ध्यान में रखते हुए भारत को निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया।खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध के लिए दोषी होने की बात मान ली और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। ऑन-फील्ड अंपायर क्लेयर पोलोसाक और डोनोवन कोच, तीसरे अंपायर जैकलीन विलियम्स और चौथे अंपायर डेविड टेलर ने आरोप लगाए। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 3-0 से शकस्त दी।

पाकिस्तान के खिलाफ बचे दो टी-20 और वनडे श्रृंखला से बाहर हुए एनरिक नॉर्टजे

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज़ एनरिक नोर्टजे पाकिस्तान के खिलाफ बाकी बचे दो टी20 और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। 31 वर्षीय नॉर्टजे को शुरुआती मैच से बाहर बैठना पड़ा क्योंकि मैच से पहले ट्रेनिंग के दौरान उनके बाएं पैर के अंगूठे में चोट लग गई थी। इसके बाद किए गए स्कैन से पता चला कि गेंदबाज के बाएं पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हुआ है। ऑलराउंडर दयान गलीम को नॉर्टजे की जगह टीम में शामिल किया गया है। इस अनकैप्ड पेसर ने अब तक अपने 60 मैचों के टी20 करियर में 46 विकेट चटकाए हैं। इस बीच, नॉर्टजे इस साल जून में आईसीसी टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका के लिए नहीं खेले हैं, जहाँ वे 15 विकेट लेकर अपने देश के लिए सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। कार्यभार प्रबंधन के कारण उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के साथ राष्ट्रीय अनुबंध से भी बाहर होने का विकल्प चुना है। दक्षिण अफ्रीका के लिए चोटिल गेंदबाजों की लंबी सूची में नॉर्टजे पांचवें स्थान पर हैं। गेराल्ड कोएट्ज़ी कमर की चोट के कारण बाहर हैं जबकि नांद्रे बर्गर पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर के कारण बाहर हैं। लुंगी एनगिडी को कूल्हे में चोट लगी है जबकि श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद बाहर हुए वियान मुल्डर की उंगली टूट गई है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ब्रिसबेन ओलंपिक की सीईओ सिंडी हुक से की मुलाकात

ब्रिसबेन। क्रिकेट वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में अपनी वापसी करने के लिए तैयार है। यह 128 वर्षों के अंतराल के बाद खेल की ओलंपिक में वापसी का प्रतीक है। क्रिकेट आखिरी बार 1900 पेरिस ओलंपिक में शामिल हुआ था, जहाँ ग्रेट ब्रिटेन ने फाइनल में फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की आयोजन की सीईओ सिंडी हुक से मुलाकात की। जय शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, ओलंपिक आंदोलन में क्रिकेट की भागीदारी के लिए बहुत ही रोमांचक समय है - आज ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में ब्रिसबेन 2032 ओलंपिक आयोजन समिति के साथ बैठक हुई। क्रिकेट को 2028 ओलंपिक में शामिल करने का फैसला पिछले साल अक्टूबर में मुंबई में आयोजित 141वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र के दौरान लिया गया था। प्रतियोगिता का प्रारूप टी-20 होगा, जो खेल का एक तेज़-तर्रार और लोकप्रिय संस्करण है, जिसके वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करने की उम्मीद है। पिछले साल हांग्जो में एशियाई खेलों में क्रिकेट की सफल वापसी के बाद ओलंपिक में क्रिकेट को फिर से शामिल किया गया है। एशियाई खेलों में पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए एक बहु-राष्ट्र टी20 टूर्नामेंट शामिल था। भारत ने इस आयोजन पर अपना दबदबा बनाया और दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक हासिल किए।

तेलुगू टाइटंस को हराकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचे दबंग दिल्ली केसी

पुणे। नवीन कुमार (11) और आशू मलिक (9) के बेहतरीन खेल की बदौलत दबंग दिल्ली केसी ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 107वें मैच में तेलुगू टाइटंस को 33-27 के अंतर से हराकर दो पायदान की छलांग के साथ अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। आज यहां खेले गये मुकाबले में दिल्ली को 18 मैचों मे नौवी जीत मिली जबकि टाइटंस को 19 मैचों में नौवीं हार मिला। टाइटंस क लिए विजय मलिक (10) और आशीष नरवाल (8) ने पूरा जोर लगाया लेकिन पवन सहरावत की वापसी से उसे फायदा नहीं मिला। 36वें मिनट तक मुकाबला बराबरी पर था लेकिन दिल्ली ने आलआउट लेकर 4 अंक की बढ़त ली और उसे कायम रखा। चोट के कारण 28 दिन बाद पवन की वापसी हुई लेकिन आशू को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने मल्टी प्वाइंटर के साथ आगाज किया। शुरुआती 10 मिनट में दिल्ली 7-6 से आगे थे। इस दौरान खेल रेडरों की बदौलत चला। दिल्ली ने 5 के मुकाबले 6 रेड प्वाइंट लिए। डिफेंस मे दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला।

डी गुकेश ने जीता विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब, 14वें दौर में डिंग लिरेन को हराया

एजेंसी

पर्थ । भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 14वें और अंतिम दौर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। लिरेन को हराकर वह सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने इतिहास रच दिया। 6.5 अंको के साथ खेल की शुरुआत हुई थी। अंतिम मैच भी ड्रॉ की तरफ बढ़ता दिख रहा था कि तभी लिरेन की एक गलती उनके लिए भारी पड़ गई और गुकेश को जीत दिला गई। भारतीय युवा स्टार ने लिरेन को 7.5-6-5 से हराकर विश्व खिताब अपने नाम किया। 12 साल के बाद किसी भारतीय ने इस खिताब पर कब्जा जमाने में कामयाबी हासिल की है।

गुकेश ने रचा इतिहास

गुकेश ने 18 साल आठ महीने 14 दिन की उम्र में यह खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 22 वर्ष छह महीने 27 दिन की उम्र में खिताब जीता था। गुकेश

से पहले भारत के विश्वनाथन आनंद (2000-2002 और 2007-2013) विश्व शतरंज चैंपियन रहे।

गुकेश के लिए यादगार रहा यह साल

गुकेश के लिए वर्ष 2024 यादगार रहा है। इस वर्ष उन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट को जीतकर डिंग लिरेन को चुनौती देने का अधिकार हासिल किया। वह विश्व चैंपियन को चुनौती देने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने यह टूर्नामेंट विश्व नंबर दो फैबियानो कारुआना, विश्व नंबर तीन हिकारु नाकामुरा और भारत के आर प्रगनानंदा की मौजूदगी में जीता। इसी वर्ष उन्होंने अर्जुन एरिगेसी, प्रगनानंदा, विदित गुजराती के साथ मिलकर भारत को पहली बार चेस ओलंपियाड का चैंपियन बनाया।

मोदी ने गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने पर दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डी गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि ऐतिहासिक है। श्री मोदी ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ऐतिहासिक और अनुकरणीय। गुकेश डी को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई। यह उनकी अद्वितीय प्रतिभा, कड़ी मेहनत और अटूट दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत ने न केवल शतरंज के इतिहास में उनका नाम दर्ज किया है, बल्कि लाखों युवा दिमागों को बड़े सपने देखने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

पाकिस्तान के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम घोषित

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में अगले साल होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के मद्देनजर दक्षिण अफ्रीकी टीम ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत पाकिस्तान के खिलाफ 17 दिसंबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टेम्बा बावुमा की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। टीम में कगिसो रबाडा की वापसी हुई है। रबाडा 2023 क्रिकेट विश्व कप के बाद पहली बार दक्षिण अफ्रीकी टीम के एकदिनी सेटअप में लौटे हैं। वहीं, डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन को दिसंबर 2023 के बाद पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

पहली बार प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी क्वेना मफाका को दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम में शामिल किया गया है। 18 वर्षीय खिलाड़ी पहले से ही टी20 क्रिकेट में छाया हुआ है। मफाका ने 9.71 की औसत से 21 विकेट लेने के बाद इस साल की शुरुआत में अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता है। वहीं तेज गेंदबाजी आक्रमण में ओटनील बार्टमैन के अलावा, ऑलराउंडर मार्को जानसन और एंडिले फेहलुकवायो भी टीम में शामिल हैं।दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के कोच रॉब वाल्टर ने चैंपियंस ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए चुनी गई टीम को मजबूत और ट्राफी जीतने का दावेदार बताया है। वाल्टर ने आगे कहा कि हमने अपनी सबसे मजबूत टीम का चयन किया है, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी मैच विजेता बनने में सक्षम है। हम यह देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं कि यह टीम एक साथ कैसा प्रदर्शन करती है।

वाल्टर ने पैर की अंगुली में लगी चोट की वजह से एनरिक नॉर्टजे के टीम से बाहर होने को अनलकी बताया है। उन्होंने कहा कि अगर नॉर्टजे भी टीम के साथ होते तो गेंदबाजी की धार और पैनी होती। पाकिस्तान के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला पार्ल में 17 दिसम्बर को खेला जाएगा। जबकि दूसरा मैच कैपटाउन में 19 दिसंबर और तीसरा और आखिरी मुकाबला 22 दिसंबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा।

भारत के खिलाफ गाबा टेस्ट में खेलेंगे जोश हेजलवुड, बोलैंड बाहर

एजेंसी

गाबा। जोश हेजलवुड को ब्रिसबेन में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि वह स्कॉट बोलैंड की जगह लेंगे। आस्ट्रेलियाई एकादश में यह एकमात्र बदलाव होगा। हेजलवुड पर्थ में पहले टेस्ट में साइड स्ट्रेन के कारण एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया की जीत से चूक गए थे, जबकि दूसरे टेस्ट में बोलैंड ने दो पारियों में पांच महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। हेजलवुड ने सप्ताह के दौरान कुछ फिटनेस टेस्ट दिए। गाबा नेट्स में केवल छोटे रन-अप उपलब्ध होने और कोई अतिरिक्त सेंटर विकेट नहीं होने के कारण, हेजलवुड एलन बॉर्डर फील्ड में गेंदबाजी कोच डेनियल विटोरी की निगरानी में मिशेल स्टार्क के साथ अपना पूरा रन बनाने के लिए उतरे। गुरुवार की सुबह एडिलेड में भी गेंदबाजी करने के बाद, हेजलवुड को वापसी के लिए फिट घोषित किया गया है। कमिंस ने शुक्रवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, जोश वापस आ गया है... उसे कोई परेशानी नहीं हुई। कल उसने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, कुछ दिन पहले

एडिलेड में भी उसने अच्छी गेंदबाजी की थी। वह और मेडिकल टीम बहुत आश्वस्त हैं। श्रृंखला के अंतिम तीन टेस्ट 25 दिनों की अवधि में खेले जाने के साथ, कमिंस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस गर्मी में बोलैंड को फिर से इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह कठिन है, उसने एडिलेड में शानदार प्रदर्शन किया। दुर्भाग्य से उसने पिछले 18 महीनों में बेंच पर काफी समय बिताया है। और जब भी उसने खेला है, वह शानदार रहा है। स्कॉटी के लिए यह दुर्भाग्य की बात है, लेकिन फिर भी इस श्रृंखला में खेलने के लिए काफी कुछ है। मुझे आश्चर्य होगा अगर उसे किसी समय एक और मौका नहीं मिलता है। हेज़लवुड ने गुरुवार दोपहर एलन बॉर्डर फ़ील्ड में मुख्य समूह से दूर एक प्रशिक्षण सत्र में शीर्ष गति प्राप्त की। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने लंबे समय के साथी मिशेल स्टार्क के साथ क्वींसलैंड की चिलचिलाती धूप में 45 मिनट के गहन सत्र में पसीना बहाया, जिसमें दोनों ने टेस्ट टीम के सदस्य जोश इंगलिस और क्वींसलैंड के बल्लेबाज लैचलन हर्न को गेंदबाजी की।

जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच पद से दिया इस्तीफा, आकिब जावेद ने संभाली कमान

एजेंसी

लाहौर। जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने टीम के दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अपने फैसले की जानकारी दी। गिलेस्पी का इस्तीफा काफी हद तक अपेक्षित था, क्योंकि पीसीबी ने उनके सहायक कोच टिम नीलसन के अनुबंध को नवीनीकृत करने से इनकार कर दिया था। ऐसा कहा जाता है कि गिलेस्पी और नीलसन दोनों के बीच अच्छे कामकाजी संबंध थे। पीसीबी ने कहा कि आकिब जावेद अंतरिम आधार पर रेड बॉल कोच का पद संभालेंगे। आकिब को पहले भी गैरी कर्स्टन के इस्तीफे के बाद व्हाइट-बॉल टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था और वह वर्तमान में तीन टी20 और तीन वनडे मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका में पाकिस्तान व्हाइट-बॉल टीम के साथ हैं। पीसीबी ने एक बयान में कहा, रेड-बॉल हेड-कोच जेसन गिलेस्पी के इस्तीफे के बाद पीसीबी ने आकिब जावेद को अंतरिम रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त

किया है। रेड-बॉल हेड कोच के तौर पर आकिब का पहला काम पाकिस्तान की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। पहला टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक केपटाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी पीसीबी के कुछ हालिया फैसलों से नाराज हैं और नीलसन की स्थिति ने उनके लिए आखिरी संकट खड़ा कर दिया। गिलेस्पी को इस साल की शुरुआत में पीसीबी ने लाल गेंद वाली टीम के लिए दो साल के लिए अनुबंधित किया था। लेकिन वह पिछले कुछ समय से पीसीबी से नाखुश हैं, क्योंकि हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान कुछ अहम फैसलों में उन्हें शामिल नहीं किया गया था।

नीरज चोपड़ा की प्रतियोगिता कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस 2024 ओलंपिक रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा और विश्व एथलेटिक्स महिला फील्ड इवेंट एथलीट ऑफ द ईयर यूक्रेन की यारोस्लावा महुचिख उन 23 एथलीटों में शामिल हैं जिनकी प्रतियोगिता कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया गया। विश्व एथलेटिक्स संग्रहालय (एमओडब्ल्यूए) एथलीटों की कलाकृतियों को ऑनलाइन 3डी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करेगा।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, उन एथलीटों को धन्यवाद जिन्होंने 2024 में हमारे संग्रहालय के संग्रह के लिए अपने प्रतियोगिता के कपड़े, जूते और यहां तक कि पदक भी दान कर दिए हैं। इस साल हमें 1960 के दशक के दो आइकन, व्योमिया टायस और बिली मिल्स, और 1980 के ओलंपिक 100 मीटर चैंपियन एलन वेल्स, साथ ही 2000 और 2008 के ओलंपिक हेप्टाथलॉन स्वर्ण पदक विजेता क्रमशः डेनिस लुईस और नतालिया डोब्रिंस्का से ऐतिहासिक ओलंपिक जीतने वाली वस्तुएं मिली हैं। उन्होंने कहा, ÷अपने ओलंपिक संग्रह को अद्यतन रखते हुए, हमें आज पेरिस 2024 पदक विजेताओं यारोस्लावा महुचिख, थिया लाफॉन्ड और नीरज चोपड़ा से दान की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। महुचिख ने जुलाई में स्टेड चार्लेटी में पेरिस डायमंड लीग में 2.10 मीटर की छलांग के साथ लंबे समय से चले आ रहे विश्व हाई जंप रिकॉर्ड को तोड़ा और अगस्त में स्टेड डी फ्रांस में ओलंपिक खिताब जीता।उन्होंने अपना पेरिस ओलंपिक सिंगलेट, नाम बिब और शॉर्ट्स एमओडब्ल्यूए को दान कर दिया है। महुचिख ने मोनाको में विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 में भाग लेने के दौरान कोए को ये आइटम भेंट किए।

लाफॉन्ड, जिन्होंने पेरिस में ओलंपिक ट्रिपल जंप का खिताब 15.02 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ जीता था और डोमिनिका की किसी भी खेल में पहली ओलंपिक पदक विजेता बनी थीं, ने पेरिस में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान पहनी गई क्रॉप टॉप को इस संग्रह में शामिल किया है। 2024 में, लाफॉन्ड को विश्व इनडोर चैंपियन का भी ताज पहनाया गया, उन्होंने 15.01 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्ड छलांग के साथ यह खिताब जीता था। टोक्यो खेलों में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर एथलेटिक्स में भारत का पहला ओलंपिक खिताब जीतने वाले नीरज ने पेरिस 2024 में पहनी गई प्रतियोगिता टी-शर्ट दान कर दी है। 89.45 मीटर के अपने दूसरे दौर के थ्रो के साथ, चोपड़ा ने अरशद नदीम के पीछे रजत पदक हासिल किया, जिन्होंने 92.97 मीटर का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया था।

युगांडा, तंजानिया ने सीएएफ अफ्रीकी स्कूल फुटबॉल चैम्पियनशिप जीती

एजेंसी

कंपाला। युगांडा और तंजानिया ने अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) स्कूल फुटबॉल चैम्पियनशिप का खिताब जीत लिया है। सेंट नूह गर्ल्स स्कूल की ओर से प्रतिनिधित्व करने वाली युगांडा की टीम सात अंक प्राप्त करके लड़कियों की श्रेणी में चैंपियन बनी।

युगांडा ने मध्य युगांडा के किटेंडे स्थित सेंट मैरी स्टेडियम में खेले गए अपने आखिरी मैच में रवांडा को 8-0 से हराया। दूसरे मैच में तंजानिया ने बुरुंडी को 1-0 से हराकर सात अंक प्राप्त किए, लेकिन कम गोल अंतर के कारण वह युगांडा से पीछे रह गया। लड़कों की श्रेणी में, तंजानिया रवांडा को 2-0 से हराकर युगांडा से बेहतर गोल अंतर के साथ चैंपियन बनकर उभरा, क्योंकि दोनों टीमें छह अंकों पर बराबरी पर थीं। श्रेणी के दूसरे मैच में, सोमालिया और बुरुंडी ने गोल रहित ड्रॉ खेला। टूर्नामेंट में पाँच लड़कों की टीमें और चार लड़कियों की टीमें शामिल थीं। प्रत्येक श्रेणी के चैंपियन को एक ट्रॉफी, स्वर्ण पदक और 100,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार दिया जाता है।

नार्थ इंडिया ओपर स्नूकर टूर्नामेंट : आगरा के पारस ने दिल्ली के मफाज को दी मात

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के श्वेताभ दीक्षित, अलीगढ़ के मोहम्मद अरबाज, आगरा के पारस गुप्ता व प्रयागराज के विनायक अग्रवाल ने तनुज कोहली मेमोरियल नॉर्थ इंडिया ओपन स्नूकर टूर्नामेंट में जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यूपीबीएसए (उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स एंड स्नूकर एसोसिएशन) के तत्वावधान में आयोजित ग्रीन बैज़ स्नूकर एकेडमी फैजाबाद रोड लखनऊ में राउंड 32 के मैच खेले गए जिसमें रेलवे का प्रतिनिधित्व कर रहे लखनऊ के मलकीत सिंह भी अंतिम 16 में पहुंच गए। भारत के दूसरी रैंकिंग खिलाड़ी आगरा के पारस गुप्ता ने दिल्ली के मफाज़ खान को 4-0 से हराया। आज लखनऊ के श्वेताभ दीक्षित ने अगले दौर में जगह बनाई। लखनऊ के लारैब किदवई, आशुतोष रॉय, वंश पंजवानी व अनुज भार्गव हार के साथ बाहर हो गए। शुरुआती मुकाबले में हरियाणा के दिग्विजय

कादियान ने लखनऊ के लारैब किदवई को 4-0 से हराया। दिग्विजय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तीसरे फ्रेम में 80 के प्रभावशाली ब्रेक और 40 के पास लगातार ब्रेक के साथ सटीक खेल दिखाया और तेज़ गेमप्ले से प्रतिद्वंद्वी को संभलने का मौका नहीं दिया।दूसरी टेबल पर रेलवे का प्रतिनिधित्व कर रहे लखनऊ के मलकीत सिंह ने 4-1 से जीत हासिल की। उनका मुकाबला लुधियाना के नीरज बग्गा से था। मलकीत ने संयम के साथ खेलते हुए पहले तीन फ्रेम जीते लेकिन नीरज ने चौथे फ्रेम में जीत से वापसी की कोशिश की। हालांकि मलकीत ने बदली रणनीति के साथ खेलते हुए पांचवें फ्रेम पर अपना दबदबा बनाते हुए मैच भी जीत लिया। तीसरी टेबल पर प्रयागराज के विनायक अग्रवाल ने दिल्ली के प्रतीक चौधरी को 4-0 से हराया। दोनों खिलाड़ी एक जैसे प्रतिभाशाली थे लेकिन विनायक ने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इसी तरह हरियाणा के दिव्य शर्मा ने एकतरफा मैच में तेजतर्रार खेल का प्रदर्शन करते हुए लखनऊ के अनुज भार्गव को 4-0 से हरा दिया।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024: ट्रीसा–गायत्री की जोड़ी ने सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने हांग्जो में ग्रुप ए मुकाबले में मलेशियाई जोड़ी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन को 21-19, 21-19 से हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। ट्रीसा और गायत्री ने आक्रामक शुरुआत की और पहले गेम में 6-2 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी की और मुकाबला बराबरी पर आ गया। लेकिन भारतीयों ने अंतिम चरण में अपना संयम बनाए रखा और पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम भी पहले पांच अंक तक कांटे का रहा, लेकिन इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ियों ने मामूली बढ़त हासिल कर ली।19 अंकों तक मुकाबला फिर से कड़ा रहा, लेकिन भारतीयों ने एक बार फिर संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। ट्रीसा और गायत्री सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय हैं और उन्हें ग्रुप के अपने पहले मैच में दुनिया की नंबर 1 जोड़ी लियू शेंग शू और चीन की टैन निंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। जीत के बाद, भारतीय टीम ग्रुप में दूसरे स्थान पर है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें शुक्रवार को नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जापानी जोड़ी के खिलाफ जीत की जरूरत है।

जमशेदपुर का मजबूत किला जीतकर हैट्रिक लगाने उतरेगी पंजाब एफसी

एजेंसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में पंजाब एफसी की मेजबानी करेगा। यह पंजाब एफसी के रणनीतिक कौशल और जमशेदपुर एफसी की घरेलू मैदान पर मजबूती के बीच रोमांचक और रणनीतिक मुकाबला होगा।जमशेदपुर ने इस सीजन में अपने घरेलू मैचों से अब तक 15 में से 12 अंक हासिल किए हैं। उन्होंने 91 गोल-स्कोरिंग अवसर बनाए और 14 गोल किए हैं। जमशेदपुर एफसी नौ मैचों में पांच जीत और चार हार से 15 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है। वहीं, अब रक्षात्मक सुदृढ़ता दिखाने वाली पंजाब एफसी नौ मैचों में छह जीत और तीन हार से 18 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है।जमशेदपुर एफसी ने इस सीजन में घर में चार मैच जीते हैं, जो कि पिछले दो सीजन (2023-24 में 2 और 2022-23 में 1) में मिली कुल तीन

जीत से अधिक है। टीम ने इस सीजन में अब तक कुल 20 गोल खाए हैं। उसने आठ गोल बॉक्स के बाहर से खाए हैं और यह किसी भी एक सीजन में उसका आंकड़ा सबसे अधिक है।पंजाब एफसी ने आईएसएल में पहली बार लगातार क्लीन शीट रखते हुए अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं। उसने नौ मैचों में केवल नौ गोल खाए हैं और 16 स्कोर किए हैं।

पंजाब एफसी ने आईएसएल 2024-25 में सबसे कम शॉट ऑन टारगेट (30) का सामना किया है। उनके बॉक्स में केवल 16 टच प्रति मैच की लगे हैं।जमशेदपुर एफसी के हेड कोच खालिद जमील का मानना है कि उन्हें मोहम्मडन एससी के खिलाफ जीत से पहले मिली लगातार तीन हारने के कारणों को दूर करना होगा।

उन्होंने कहा, हमारी स्थिति अभी ठीक नहीं है। पिछला मैच ठीक था, लेकिन उससे पहले के तीन मैचों में हमें हार मिली, वो अच्छी नहीं थीं। हम वापसी करना चाहते हैं और हम सुधार के तरीकों के बारे में सोचेंगे।पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस डिलम्पेरिस ने कहा कि उनकी टीम हर मैच में अपनी पूरी ताकत के साथ अपनी शैली में खेलने की अधिकतम कोशिश करती है।

विश्वास के दम पर बंगाल वारियर्स ने यूपी योद्धाज को टाई पर रोका

एजेंसी

पुणे। देरी से स्थानापन्न के तौर पर लाए गए एस, विश्वास (5) के सराहनीय प्रदर्शन के दम पर बंगाल वारियर्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 108वें मैच में यूपी योद्धाज को 31-31 की बराबरी पर रोक दिया।विश्वास को उस समय मैट पर लाया गया जब बंगाल पीछे चल रहा था लेकिन एक के बाद एक पांच अंक लेकर विश्वास ने बंगाल को न सिर्फ हार से बचाया बल्कि मुकाबले से तीन अंक भी दिला दिए। इस टाई ने यूपी को चौथे स्थान पर पहुंचा दिया है जबकि जीत के साथ वे तीसरे स्थान पर पहुंच सकते थे। बंगाल को इस टाई से एक स्थान का फायदा हुआ। मैच की शुरुआत में ही भवानी ने सुपर रेड के साथ यूपी को 4-1 से कर दिया। इसके बाद सिद्देश ने मनिंदर को टैकल कर बंगाल के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। फिर सिद्देश ने भवानी को सुपर टैकल कर स्कोर 3-5 कर दिया। फिर प्रणय ने मल्टी प्वाइंटर के साथ स्कोर बराबर कर दिया। फिर गगन ने सुपर रेड के साथ स्कोर 8-5 कर दिया।

प्रणय ने हालांकि एक और मल्टी प्वाइंटर के साथ स्कोर 7-8 कर दिया। इसके बाद यूपी ने 1 के मुकाबले 2 अंक लिए और 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 10-8 कर दिया। ब्रेक के बाद दोनो टीमों को डू ओर डाई रेड पर अंक मिले। फिर मनिंदर ने आशू का शिकार कर स्कोर 10-11 कर दिया। अगली रेड पर हालांकि उनका शिकार हो गया। रणनीति के खेल में बंगाल की टीम यूपी को बड़ी लीड नही लेने दे रहा थी। यही कारण था कि सिलसिलेवार डू ओर डाई रेड्स के बावजूद 17वें मिनट तक स्कोर यूपी को 13-12 की लीड मिली हुई थी, जो 20 मिनट के बाद 15-13 हो गई। हाफटाइम के बाद बंगाल ने फासला 1 का कर दिया। चार के डिफेंस में मनिंदर का शिकार कर यूपी ने फिर 2 अंक की लीड ले ली।

बंगाल ने लगातार दो अंक लेकर स्कोर बराबर कर यूपी के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। फिर नितेश ने भरत को लपक न सिर्फ हाई-5 पूरा किया बल्कि बंगाल को लीड भी दिला दी लेकिन हितेश ने मनिंदर को सुपर टैकल कर यूपी को फिर आगे कर दिया। साथ ही उन्होंने हाई-5 भी पूरा किया। इसके बाद प्रणय ने 17-19 के स्कोर पर मल्टी प्वाइंटर के साथ स्कोर बराबर कर यूपी को आलआउट की ओर धकेला और फिर इसे अंजाम देकर 30 मिनट की समाप्ति तक 23-21 की लीड ले ली। इसके बाद दोनो टीमों को एक-एक मिला लेकिन तभी गगन ने चार अंक की सुपर डुपर रेड के साथ यूपी को 25-23 से आगे कर दिया।इस बीच प्रणय ने सुपर-10 पूरा किया। इसके बाद यूपी ने 1 के मुकाबले दो अंक लेकर फासला फिर से तीन का कर लिया। बंगाल के लिए सुपर टैकल आन था। भवानी ने डू ओर डाई रेड पर प्रणय का शिकार कर बंगाल को आलआउट की ओर धकेला। तीन मिनट बचे थे और यूपी 28-25 से आगे थे। फजल ने भवानी को डैश कर सुपर टैकल को दो अंक दिलाए लेकिन खुद भी आउट हो गए। स्कोर 27-29 था, जिसे विश्वास ने 28-29 कर दिया। इसके बाद यूपी को एक अंक मिला लेकिन विश्वास ने मल्टी प्वाइंटर के साथ स्कोर 30-30 कर दिया। विश्वास ने इसके बाद बोनस ले स्कोर 31-30 कर दिया। भवानी के खिलाफ नीतेश ने गलती कर दी और स्कोर 31-31 हो गया। इसी के साथ दोनों टीमें सीजन का 11वां टाई खेलने को मजबूर हुईं। यह इस सीजन में दोनों टीमों तीसरा टाई है। बंगाल के लिए प्रणय राणे ने 10 जबकि नितेश ने 5 अंक जुटाए। यूपी के लिए गगन गौड़ा ने एक बार फिर सुपर-10 लगाया।

सिकंदर में सलमान खान के साथ काम करते वक्त रश्मिका मंदाना

की हो गई थी ऐसी हालत, खुद बताई सच्चाई

रश्मिका मंदाना के सितारे इन दिनों बुलंदी पर हैं. एक्ट्रेस उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'पुष्पा 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं. 'पुष्पा 2' का लोगों में खूब बज है और फिल्म थिएटर्स में बंपर कलेक्शन कर रही है. इस फिल्म पर लोग जमकर प्यार बरसा रहे हैं. 'पुष्पा 2' की सफलता के बीच रश्मिका मंदाना ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी अगली फिल्म 'सिकंदर' को लेकर बातें कीं.

इस दौरान पहली बार उन्होंने सलमान खान के साथ काम करने को लेकर भी चुप्पी तोड़ी है और बताया कि भाईजान के साथ उनका एक्सपीरियंस कैसा रहा.रश्मिका मंदाना ने पिंकविला के साथ बातचीत में 'सिकंदर' और सलमान खान पर तमाम बातें की हैं. इस दौरान उनसे पूछा गया कि सलमान खान के साथ उनका शूटिंग एक्सपीरियंस कैसा था. इसके जवाब में एक्ट्रेस ने बताया कि वो बहुत नर्वस फील कर रही थीं, क्योंकि उनके सामने सलमान खान थे. इसके अलावा भी उन्होंने कई बातों का जिक्र किया है.

'ये मेरी पहली कमर्शियल बॉलीवुड फिल्म है'

रश्मिका ने कहा, ये मेरी पहली कमर्शियल बॉलीवुड फिल्म है, जो मैं कर रही हूं. इससे पहले मैंने कभी ऐसा नहीं किया है. बॉलीवुड फिल्मों को लेकर रश्मिका मंदाना ने कहा, इससे पहले मेरी सभी हिंदी फिल्में परफॉर्मेंस बेस्ड स्क्रिप्ट पर आधारित थीं, लेकिन ये ऐसी पहली हिंदी फिल्म होगी जिसमें मैं हीरोइन बनने जा रही हूं और मैं इसके लिए बहुत एक्साइटेड हूं.

कमर्शियल सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती हूं

फिल्म के लिए उत्साह जताते हुए रश्मिका ने आगे कहा, मैं सिर्फ ये नहीं चाहती कि लोग मुझे मेरी एक्टिंग के लिए पहचाने, बल्कि मैं तो कमर्शियल सिनेमा का पूरी तरह हिस्सा बनना चाहती हूं. मैं ऑडियंस को ये भरोसा दिलाना चाहती हूं कि मैं इस तरीके के प्रोजेक्ट्स कर सकती हूं और मुझे ऐसा करना बहुत पसंद है, मुझे इसमें मजा आता है.

एनिमल पार्क पर क्या बोलीं रश्मिका

रश्मिका मंदाना ने एनिमल पार्क पर भी अपडेट दिया. एक्ट्रेस ने बताया कि जब संदीप रेड्डी वांगा ने उनको एनिमल पार्क के बारे में वन लाइनर बताया तो उनका दिमाग हिल गया. फिल्म के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने इसमें क्या बदला है, क्या नहीं, लेकिन ये एकबार फिर से लोगों को पागल बना देगी. वहीं रणबीर कपूर और संदीप रेड्डी के साथ काम करने में एक्ट्रेस को बहुत मजा आया.

दुनियाभर में अवॉर्ड जीतने वाली अली फजल-ऋचा चड्ढा की फिल्म भारत में कब रिलीज हो रही?

सपने, उम्मीदों, संघर्ष और इमोशन के रोलरकोस्टर पर ले जाने वाली फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' 18 दिसंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है. इस फिल्म को अली फजल और ऋचा चड्ढा ने प्रोड्यूस किया है. ऋचा चड्ढा और अली फजल की पुशिंग बटन्स स्टूडियो की ये पहली फिल्म होगी. हाल ही में इस मूवी के प्रमोशन को लेकर ऋचा और अली ने खुलकर एएनआई से बात की है. इस दौरान अली फजल ने कहा कि एक एक्टर को लाइफ में एक बार प्रोड्यूसर जरूर बनना चाहिए.एएनआई से बात करते हुए ऋचा और अली ने अपनी आने वाली फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर की. ऋचा ने कहा, गर्ल्स विल बी गर्ल्स हमारी पहली फिल्म है और इसे बहुत सारे अवॉर्ड्स मिल चुके हैं. सनडांस फिल्म फेस्टिवल में इसने पुरस्कार जीता था. फिर बुसान और टिफ में कई जगह इसकी स्क्रीनिंग की गई जहां इसने अवॉर्ड जीता. इसके बाद ये यहां मामी फिल्म फेस्टिवल में भी हमें 4 अवॉर्ड मिले. इसके बाद अब ये हिंदुस्तान में अमेजन प्राइम पर 18 दिसंबर को रिलीज हो जाएगी.

हर एक्टर को बनना चाहिए प्रोड्यूसर

इस दौरान अली फजल से सवाल पूछा गया कि जब आप एक्टर से प्रोड्यूसर बनते हैं तो क्या अपने पुराने दिन याद आते हैं और कितनी हेल्प मिलती है जब एक एक्टर प्रोड्यूसर बनता है ? इसके जवाब में अली फजल ने कहा, बहुत हेल्प मिलती है और शायद हर एक्टर को एक बार प्रोड्यूसर जरूर बनना चाहिए. हमने कई बार इस बात को सोचा कि काश कोई हमसे पूछ लेता कि फिल्मिंग के इस स्टेज पर क्या तुमको किसी चीज की जरूरत है. या हमें कोई गाइड करता, क्योंकि छोटी-छोटी चीजें मायने रखती हैं.

क्या है 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' की कहानी

'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' की बात करें तो इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कानी कुसरुति और केसव बिनॉय किरण नजर आने वाले हैं. इस फिल्म की राइटर शुचि तलाती हैं. इस फिल्म की कहानी भारत के एक छोटे से पहाड़ी शहर के बोर्डिंग स्कूल की है. जहां एक 16 साल की लड़की मीरा एडल्ट होने की चुनौतियों से लड़ती है.

फोन स्विच ऑफ करने वाली हेजल कीच ने कैंसर की खबर सुनते ही युवराज सिंह को किया मैसेज, ऐसे शुरू हुई थी दोनों की प्रेम कहानी

क्रिकेट के मैदान पर अपनी धुआंधार बल्लेबाजी से दमदार प्रदर्शन करने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज रहे युवराज सिंह आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं. उन्होंने अपने समय में भारत के लिए जो पारियां खेली हैं वो हमेशा याद की जाएंगी. आज दिग्गज बल्लेबाज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं. क्रिकेटर से इतर युवी की निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही है. अपनी पत्नी हेजल कीच को मनाने के लिए उनको तीन साल तक पापड़ बेलने पड़े थे, तब जाकर वो मानी थीं. इस खास मौके पर आपको दोनों की लव स्टोरी के बारे में बताते हैं.युवराज सिंह ने एकबार कपिल शर्मा के शो में खुलासा किया था कि हेजल को मनाना इतना आसान नहीं था. युवी ने बताया था कि उनकी और ब्रिटिश मॉडल रहीं, हेजल कीच की पहली मुलाकात एक दोस्त की बर्थडे पार्टी में साल 2011 में हुई थी. युवी पहली नजर में ही हेजल को दिल दे बैठे थे, लेकिन हेजल थीं, कि मानने को तैयार ही नहीं थीं. युवराज ने बताया था कि उस मुलाकात के बाद उन्होंने कई बार हेजल को कॉफी डेट के लिए पूछा था. वो हां-हां तो करती थीं, लेकिन बाद में अपना फोन ऑफ कर देती थीं.

ऐसी है युवराज और हेजल की लव स्टोरी

युवी ने बताया था कि एक करीबी फ्रेंड को उन्होंने हेजल से दूर रहने के लिए भी कहा था. जब तीन साल के बाद हेजल युवराज से मिलने के लिए राजी हुईं तो एक नई कहानी की शुरुआत हुई. तब करीब तीन साल के बाद हेजल ने युवराज की फेसबुक रिक्वेस्ट एक्सेप्ट की थी. यहां से दोनों के प्यार को फिर से हवा मिल गई. साल 2011 के वर्ल्ड कप के बाद जब युवराज को कैंसर हुआ तो हेजल ने उनको मैसेज किया था. इसके बाद दोनों के मिलने का सिलसिला शुरू हुआ.

नवंबर 2016 में की थी शादी

जब तीन साल के बाद युवराज हेजल से पहली बार मिले तो उन्होंने अपने दिल का सारा हाल हेजल को बता दिया और उनको प्रपोज कर दिया. तब हेजल ने कहा था, तुम ठीक तो दिखते हो, मैं देखती हूं मुझे क्या करना है. इसके बाद दोनों ने 2015 में सगाई का एलान कर दिया और फिर 30 नवंबर 2016 को दोनों शादी के बंधन में बंध गए. कपल हैप्पी मैरिड लाइफ के मजे ले रहे हैं और उनके दो प्यारे से बच्चे हैं.

ऐश्वर्या राय बच्चन

की भाभी श्रीमा के क्रिप्टिक पोस्ट ने मचाई सनसनी, किए नए खुलासे

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन इस वक्त सबसे चर्चित कपल में से एक बने हुए हैं. पिछले काफी महीने से दोनों के तलाक की खबरें सामने आ रही हैं. कहा जा रहा है कि वो तलाक लेंगे. हालांकि अभी तक ऐश्वर्या और अभिषेक की तरफ से इस बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है, ऐसे में ये खबरें कितनी सच हैं, ये कहना थोड़ा मुश्किल है. हां कुछ वक्त पहले ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन को एक पार्टी में साथ देखा गया था, जहां दोनों ने साथ में फोटोज भी खिंचवाई थीं. अब इन सबके बीच ऐश्वर्या राय की भाभी श्रीमा राय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है जो कि इस वक्त सुर्खियों में है.सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा रहती है कि ऐश्वर्या राय और उनकी भाभी श्रीमा के बॉन्ड अच्छे नहीं हैं. दोनों एक-दूसरे को कुछ खास पसंद नहीं करती हैं. श्रीमा, ऐश्वर्या राय के भाई आदित्य राय की पत्नी हैं. श्रीमा सोशल मीडिया पर अक्सर क्रिप्टिक पोस्ट लिखती रहती हैं. इस बार भी उन्होंने कुछ ऐसा ही लिख दिया है, जो कि इस वक्त सुर्खियों में है.

श्रीमा ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा ?

दरअसल बीते दिन श्रीमा राय ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की थी. उस स्टोरी में लिखा था, मैं अपनी वैल्यू और अपनी योग्यता की बहुत इज्जत करती हूं. जो मेरा हक है मैं उससे कभी भी समझौता नहीं करूंगी. मैं प्यार, सम्मान और जीवन में मिलने वाली सभी अच्छाइयों की हकदार हूं. मैं हमेशा आगे बढ़ती हूं. मैं जो भी करती हूं वो मुझे अपनी जिंदगी में अगले पड़ाव पर लेकर जाता है.

श्रीमा राय ने आगे लिखा,मैं अपनी इज्जत करते हुए, जिंदगी के उन रिश्तों को

एक्सपीरियंस कर रही हूं, जो मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं. जब मैं प्यार में डूबी होती हूं तो मेरे लिए कुछ भी असंभव नहीं होता है. अब श्रीमा राय की इस पोस्ट का यूजर्स अलग-अलग मतलब निकाल रहे हैं.

अच्छे नहीं हैं ऐश्वर्या और श्रीमा के रिश्ते!

श्रीमा राय ने एकबार खुलासा किया था कि वो ऐश्वर्या राय और उनकी बेटी आराध्या के बारे में कुछ भी लिखने से बचती हैं. क्योंकि वो चाहती हैं कि ऐश्वर्या जैसी हैं, तो लोग उनको सही से पहचानें. श्रीमा राय का ये बयान ऐश्वर्या के फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आया था और उनको जमकर ट्रोल किया गया था.